THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 104 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ़ शु.1 2083 बुधवार, 15 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'पता नहीं किस तरह के यूथ आइकन हैं?'

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कॉमेडियन समय रैना और रणवीर अल्लाहबादिया का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। मंगलवार को उनके केस पर सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत ने उन्हें पिछले आदेश का पालन न करने पर फटकार लगाई है। अदालत ने समय रैना पर 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर यह रकम जमा नहीं की गई, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों को फटकार लगाते हुए कहा 'ये खुद को यूथ आइकॉन' कहते हैं। मुझे नहीं पता कि वह किस तरह का यूथ आइकॉन है। यह सोचकर ही मुझे घबराहट होती है। हमें लगता है कि (कॉमेडियन) समय रैना ने कोर्ट को गुमराह किया है और हमारे आदेशों का खुलेआम उल्लंघन किया है।

राम मंदिर ट्रस्ट के खातों पर रोजाना निगरानी

* दैनिक ऑडिट व्यवस्था लागू * लेन-देन का तत्काल सत्यापन संभव हो सकेगा

अयोध्या, 14 जुलाई (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने वित्तीय व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव किया है। सूत्रों के अनुसार, अंतरिम महासचिव डॉ. कृष्ण मोहन को ट्रस्ट के खातों की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद चंदन राय और जगदीश आफले ने सहयोगी के रूप में अकाउंट सिस्टम का संचालन संभाल लिया है। दोनों अधिकारियों ने कामकाज शुरू कर दिया है।

वित्तीय प्रक्रियाओं को नई व्यवस्था के तहत संचालित किया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि सबसे बड़ा बदलाव दैनिक ऑडिट (डेली ऑडिट) व्यवस्था के रूप में किया गया है। अब मंदिर में होने वाली आय और व्यय का हर दिन मिलान और ऑडिट किया जा रहा है।

पहले नियमित रूप से रोजाना ऑडिट की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन नई प्रणाली में प्रत्येक दिन के वित्तीय लेन-देन का उसी दिन सत्यापन और लेखा-जोखा तैयार किया जा रहा है।

दैनिक रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा

नई व्यवस्था के तहत दान, प्रसाद, काउंटरों से होने वाली आय सहित सभी वित्तीय मदों का दैनिक रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही आय-व्यय का मिलान कर संबंधित अभिलेख सुरक्षित रखे जा रहे हैं, ताकि किसी भी स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट का उद्देश्य वित्तीय प्रबंधन को पूरी तरह व्यवस्थित, पारदर्शी और आधुनिक बनाना है। इसी कारण अकाउंट सिस्टम में कई प्रक्रियाओं को नए सिरे से लागू किया जा रहा है। चंदन राय और जगदीश आफले इस व्यवस्था के संचालन में डॉ. कृष्ण मोहन के साथ समन्वय कर रहे हैं।

लेन-देन का तत्काल सत्यापन संभव हो सकेगा

ट्रस्ट से जुड़े लोगों का मानना है कि दैनिक ऑडिट व्यवस्था लागू होने से वित्तीय अनुशासन और निगरानी पहले की तुलना में अधिक मजबूत होगी तथा प्रत्येक लेन-देन का तत्काल सत्यापन संभव हो सकेगा।

होर्मुज में भारतीय नागरिक की मौत पर केंद्र सरकार का एक्शन

ईरानी अधिकारियों को किया तलब

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने ओमान के तट पर व्यापारिक जहाजों पर हाल ही में हुए हमलों को लेकर ईरानी राजनयिकों (जिनमें डिप्टी चीफ ऑफ मिशन मोहम्मद जवाद होसैनी भी शामिल हैं) को तलब किया है। इस हमले में भारतीय नाविक की हत्या हुई है। यह राजनयिक कदम ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे संयुक्त अरब अमीरात के ध्वज वाले दो टैंकरों पर हुए हमले के बाद उठाया गया है। इसमें एक भारतीय चालक दल के सदस्य की मौत हो गई। वहीं, भारतीय नागरिकों सहित कई अन्य घायल हो गए। भारत ने ईरानी दूतावास से स्पष्टीकरण मांगा और हमले पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा परिवहन के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों के आवागमन पर मंडराते खतरों के बीच यह तलब जारी की गई है। बैठक अहम बैठक के बाद उप प्रमुख मोहम्मद जवाद हुसैनी और अन्य ईरानी राजनयिक बिना कोई सार्वजनिक बयान दिए वहां से रवाना हो गए। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच यह राजनयिक प्रयास हुए हैं।

हाफिज सईद के खिलाफ जम्मू कोर्ट से गैर-जमानती वारंट जारी

एनआईए ने चार्जशीट में कहा था-हाफिज ने पहलगाम हमले की साजिश रची थी

श्रीनगर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू की स्पेशल कोर्ट ने मंगलवार को लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद के खिलाफ पहलगाम केस में गैर-जमानती वारंट जारी किया। कोर्ट ने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए हाफिज को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी।

कोर्ट ने 8 जुलाई को आदेश जारी किया था, जानकारी मंगलवार को सामने आई है। इससे पहले 6 जुलाई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम हमले को लेकर सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने कहा था कि बैसरनघाटी में हुए आतंकी हमले की साजिश हाफिज सईद ने ही रची थी। एनआईए ने हाफिज पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया है। 22 अप्रैल 2025 को आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों की हत्या की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे।

इसके बाद भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में 9 ठिकानों पर हमला किया था। भारत का दावा है कि इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए।

पहलगाम हमले के बाद एनआईए ने 15 दिसंबर 2025 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर साजिद जट समेत 6 आतंकियों को आरोपी बनाया था। उस वक्त हाफिज सईद का नाम सामने नहीं आया था। पहलगाम हमले के 3 आतंकी मारे जा चुके हैं। आतंकियों का हैंडलर सैफुल्लाह जट्ट उर्फ लंगड़ा अभी जिंदा है। उस पर 10 लाख का इनाम है।

यूएन में फलस्तीन की सदस्यता को भारत का समर्थन

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की सदस्यता के लिए फलस्तीन की दावेदारी का समर्थन करते हुए एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह इस्राइल-फलस्तीन विवाद के स्थायी समाधान के लिए 'दो-राष्ट्र समाधान' के पक्ष में मजबूती से खड़ा है। इस पूरे मामले पर नई दिल्ली का कहना है कि दोनों देश अंतर्राष्ट्रीय कानून और मान्यता प्राप्त सीमाओं के अनुरूप शांति, सुरक्षा और पारस्परिक सम्मान के साथ एक-दूसरे के पड़ोसी के रूप में अस्तित्व में रहें। भारत ने यह रुख सोमवार को बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में आयोजित 'फलस्तीन डोनर ग्रुप' की मंत्री-स्तरीय बैठक में दोहराया।

'भोजशाला परिसर के पास हर शुक्रवार नमाज होगी'

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों (हिंदू और मुस्लिम) से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि वह इस संवेदनशील मुद्दे को सुलझाने के लिए डे-टू-डे (रोजाना) सुनवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने इनकार कर दिया है।

दरअसल, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 15 मई को अपना फैसला सुनाया कि विवादित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर देवी सरस्वती को समर्पित एक मंदिर है। साथ ही कोर्ट ने एएसआई के दशकों पुराने उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें मुस्लिम समुदाय को इस जगह पर शुक्रवार की नमाज पढ़ने की इजाजत दी गई थी। हाईकोर्ट के इसी फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और भोजशाला परिसर में नमाज पढ़ने की मंजूरी मांग थी। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने मंगलवार को इस याचिका पर सुनवाई की। शीर्ष अदालत ने इस विषय की संवेदनशीलता को देखते हुए कहा कि अदालत में कही गई बातें अनावश्यक विवाद पैदा कर सकती हैं, इसलिए हर टिप्पणी बहुत सोच-समझकर करने की जरूरत है। अदालत ने अगले 10 से 15 दिनों के अंदर इस मामले को एक उपयुक्त बेंच के समक्ष लिस्ट करने की बात कही है। अब इस मामले में कोर्ट तीन हफ्ते बाद सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने भोजशाला मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले पर कोई रोक नहीं लगाई है। अदालत ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर एएसआई और एमपी सरकार से भी उनका जवाब मांगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड़ की डिफेंस डील

14 महीने में हथियारों की खरीद का पैटर्न बदला

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है।

डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने संघर्ष के बाद से 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह रकम एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई साल में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी।

तैयारी की वजह युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात :

तैयारी की पहली वजह ये है कि युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात होती जा रही है। दूसरे, जंग छिड़ने के बाद उसे रोकना आसान नहीं रह गया है और तीसरी बात दुश्मन की कोशिश यह होती है कि लंबी और आर्थिक रूप से चोट पहुंचाने वाले सैन्य संघर्ष को जारी रखा जाए।

नए प्रस्ताव में लक्ष्य महीनों तक हथियार, मरम्मत में तेजी और रसद बनाए रखना है। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया के लंबे संघर्षों ने भारत की सैन्य सोच बदली है। हालांकि, पनडुब्बियां, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में देरी अब भी बड़ी चुनौती है। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के इस्तेमाल के बाद दुनिया में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है।

सुप्रीम कोर्ट का 3 लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक से इनकार

> कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता > सीबीएसई ने इसी सत्र से लागू किया है

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (14 जुलाई) को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की 3-भाषा नीति पर रोक लगाने से इनकार किया। यह नीति मौजूदा 2026-27 एकेडमिक ईयर से लागू की गई। कोर्ट ने बोर्ड के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई अगले हफ्ते स्थगित की।

याचिकाकर्ताओं ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच के सामने कहा कि नई नीति के अनुसार, छात्रों को क्लास 9 से दो भारतीय भाषाएं पढ़नी होंगी। इसका मतलब यह होगा कि उन्हें वे भाषाएं छोड़नी पड़ेंगी, जिन्हें वे क्लास 5 से लगातार पढ़ रहे हैं। याचिकाकर्ताओं ने यह भी बताया कि नीति के तहत अंग्रेजी को 'गैर-मूल' भाषा माना गया और मूल भाषाओं के लिए शिक्षकों की उपलब्धता पर चिंता जताई।

कोर्ट ने नई याचिकाओं पर नोटिस जारी किया और मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए अगले बुधवार की तारीख तय की। इस चरण में सर्कुलर के लागू होने पर कोई अंतरिम रोक नहीं लगाई गई। मई में कोर्ट ने याचिकाओं के एक पुराने बैच पर केंद्र सरकार, एनसीईआरटी और सीबीएसई को नोटिस जारी किया था।

स्कूलों के पास न तो किताबें हैं और न ही टीचर :

सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने उन प्रैक्टिकल दिक्कतों का जिक्र किया, जिनका सामना वे छात्र कर रहे हैं जो पहले से ही विदेशी भाषाएं पढ़ रहे हैं। रोहतगी ने कहा- कक्षा 9 के एक छात्र, जो अब तक फ्रेंच पढ़ रहा है, कहा जाता है कि वह तीसरी भाषा चुने और अप्रैल में परीक्षा दे। जब तक आप इंटरनल असेसमेंट पास नहीं करते, आप कक्षा 9 के किसी छात्र से यह कैसे कहा सकते हैं कि तमिल सीखना शुरू करें?

दिल्ली का कौन सा स्कूल ऐसा टीचर दे सकता है जो इसे पढ़ा सके? अंतरिम राहत की मांग करते हुए गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि इसे लागू करने पर रोक लगनी चाहिए, क्योंकि स्कूलों के पास न तो किताबें हैं और न ही टीचर। उन्होंने कोर्ट को बताया कि कई भारतीय भाषाओं को पढ़ाने की जरूरत होने के बावजूद एनसीईआरटी की वेबसाइट पर सिर्फ तीन किताबें उपलब्ध थीं।

'पानी में उतरने वाला हवाई जहाज लाया था अब हवा में उड़ने वाली बस लाने वाला हूं'

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के दो बड़े शहरों लखनऊ और कानपुर के बीच आज नए एक्सप्रेसवे की आधिकारिक शुरूआत आज से हो गई। तकरीबन 4200 करोड़ रुपये की लागत से बने 63 किलोमीटर लंबे कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का शुभारंभ आज केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने किया। इस मौके पर उन्होंने ऐसी बात कही जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

दरअसल, एक्सप्रेसवे के लॉन्च के मौके पर अपने भाषण में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि, मैं आने वाले समय में कई नई टेक्नोलॉजी लाने वाला हूं। मैं रोप-वे, केबल कार लेकर आया हूं। पानी में उतरने वाला हवाई जहाज भी मैं लाया था और समुद्र में उतरा था... अब मैं हवा में चलने वाला बस भी लाने वाला हूं। उन्होंने कहा कि, इसके लिए मैं मास रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम ऑन इलेक्ट्रिसिटी तैयार कर के दूंगा, जो मेरे अंडर आता है। जिससे एक कोने से दूसरे कोने कब पहुंचेंगे आपको पता ही नहीं चलेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आज उन्नाव के नेवरना पड़रिखुर्द से इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया गया। इस नए एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद दोनों शहरों के बीच की दूरी केवल 40 मिनट में ही पूरी की जा सकेगी, जिसके लिए अब तक 3 घंटे तक का समय लग जाता था।

जापान के अत्याधुनिक स्टील्थ युद्धपोत पर पहुंचे भारत के रक्षा सचिव

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सामरिक परिदृश्य के बीच भारत और जापान ने अपने रक्षा एवं समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने का स्पष्ट संदेश दिया है। मंगलवार को भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हिरोशिमा में जापान की समुद्री आत्मरक्षा सेना के नौसैनिक अड्डे का दौरा किया। यहां जापान में उन्होंने सातवें 'मोगामी' श्रेणी के अत्याधुनिक स्टील्थ युद्धपोत 'नियोदो' का निरीक्षण किया और कुरे जिले के कमांडेंट वाइस एडमिरल मात्सुमोतो तमोत्सु से मुलाकात की।

गौरतलब है कि भारतीय रक्षा सचिव के हिरोशिमा पहुंचने से एक दिन पहले ही टोक्यो में भारत और जापान के बीच रक्षा नीति संवाद का आठवां दौर आयोजित किया गया था। दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी साझेदारी को और आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। 13 जुलाई को हुई उच्चस्तरीय वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने ही किया था।

वहीं जापानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय मामलों के लिए रक्षा उपमंत्री कानो कोजी ने किया था। बैठक में दोनों देशों के बीच पिछली वार्ता के बाद रक्षा सहयोग के क्षेत्र में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही दोनों देशों ने विशेष सामरिक एवं वैश्विक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर सहमति जताई गई। जापान यात्रा की शुरुआत रक्षा सचिव ने टोक्यो स्थित आत्मरक्षा बल स्मारक शिला पर पुष्पचक्र अर्पित कर की थी। उन्होंने उन जापानी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने अपने देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया।

यह कदम दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास और पारस्परिक सम्मान का प्रतीक माना जा रहा है। इसके बाद हिरोशिमा स्थित कुरे नौसैनिक अड्डे पर पहुंचे हैं। यहां पर रक्षा सचिव ने जापानी नौसेना की क्षमताओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। मोगामी श्रेणी का स्टील्थ युद्धपोत जापान की आधुनिक नौसैनिक शक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इस युद्धपोत का दौरा भारत और जापान के बीच बढ़ते नौसैनिक सहयोग तथा समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में गहराते संबंधों को दर्शाता है।

सत्ता बदलते ही तसलीमा नसरीन की बंगाल वापसी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन लगभग 20 वर्षों के बाद कोलकाता लौट रही हैं। वे 1 अगस्त को रवींद्र सदन में कट्टरपंथ-विरोधी एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। इस कार्यक्रम में कवि और लेखक शिरकत कर रहे हैं। तसलीमा ने स्वयं सोशल मीडिया पर इस खुशखबरी की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद से साहित्यिक और सांस्कृतिक जगत में एक नई बहस छिड़ गई है।

बता दें कि तत्कालीन लेफ्ट की सरकार के दौरान तसलीमा नसरीन के खिलाफ तीव्र विरोध प्रदर्शन हुआ था। स्थिति हो गई थी कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो गई थी।

आसमान में नया जासूसी कवच बनाने की तैयारी में भारत

20 किमी की ऊंचाई तक दुश्मन पर रखेगा नजर, 15000 करोड़ होगी लागत

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। तेजी से बदलते वैश्विक हालातों के बीच भारत अपनी रक्षा ताकत में लगातार इजाफा कर रहा है। दुश्मनों की निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के लिए नई दिल्ली ने स्वदेशी स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप बनाने के प्लान पर काम शुरू कर दिया है। इस हाई-टेक प्रोजेक्ट के लिए कई प्राइवेट सेक्टर की कंपनियां भी होड़ में हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय वायुसेना के डायरेक्टरेट ऑफ ऑपरेशन्स (रिमोट) की देखरेख में इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को अंजाम दिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चुने गए पार्टनर्स को एक प्रोटोटाइप एयरशिप बनाने के लिए सरकारी फंडिंग दी जाएगी। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य ऐसा हाई-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म तैयार करना है, जो 20 किलोमीटर से ज्यादा ऊंचाई पर रहकर लगातार निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और लंबी दूरी के संचार में सक्षम होगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को एयरशिप-बेस्ड हाई एल्टीट्यूड स्यूडो सैटेलाइट (एएस-एचएपीएस) नाम दिया गया है। इसे रक्षा मंत्रालय की मेक फर्स्ट नीति के तहत विकसित किया जा रहा है। जिसमें सरकार चयनित निजी कंपनियों को रिसर्च और डेवलपमेंट लागत का 70 प्रतिशत तक फंड दे सकती है। फरवरी में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। इसकी कुल अनुमानित लागत करीब 15,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है, जिसमें डेवलपमेंट की लागत और कुछ संख्या में सिस्टम की खरीद शामिल है।

ड्रोन और सैटेलाइट के बीच बनेगा नया निगरानी प्लेटफॉर्म :

जानकारी के मुताबिक, एएस-एचएपीएस को इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि यह करीब 12 किलोमीटर ऊंचाई पर उड़ने वाले हाई-एल्टीट्यूड ड्रोन और 500 से 2000 किलोमीटर ऊंचाई पर मौजूद लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट के बीच काम कर सके। यह एयरशिप महीनों तक एक ही क्षेत्र में तैनात रहकर लगातार निगरानी कर सकेगा। इसमें ऑप्टिकल सेंसर, रडार और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम लगाए जाएंगे। जिससे दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलेगी।

वैष्णो देवी में चढ़ी 500 करोड़ की नकली चांदी?

कोर्ट ने किया जवाब-तलब

जम्मू, 14 जुलाई (एजेंसियां)। श्री माता वैष्णो देवी धाम में 500 करोड़ रुपये की कथित नकली चांदी चढ़ाए जाने के मामले में अदालत ने अब जवाब मांगा है। कोर्ट ने क्राइम ब्रांच के जांच अधिकारी को रिकॉर्ड के साथ अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) जम्मू मुनीश कुमार मनहास ने सोमवार को अधिवक्ता दीपक शर्मा द्वारा दायर एक आवेदन पर यह निर्देश जारी किए। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 29 जुलाई को तय की है।

इससे पहले अधिवक्ता दीपक शर्मा ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी), क्राइम ब्रांच, जम्मू और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), क्राइम ब्रांच, आर्थिक अपराध शाखा, जम्मू के समक्ष एक विस्तृत शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई चांदी में कथित मिलावट, असली चांदी की जगह दूसरी धातु का इस्तेमाल और संभावित गबन की जांच के लिए एफआईआर दर्ज करने तथा व्यापक जांच कराने की मांग की गई थी।

जीतू पटवारी के भाई के मोबाइल में ऑनलाइन सट्टा एपः फोन में 3 संदिग्ध कॉन्टैक्ट नंबर मिले

इंदौर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई कुलभूषण उर्फ नाना पटवारी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इंदौर पुलिस को उनके मोबाइल से ऑनलाइन सट्टे के दो एप, तीन संदिग्ध मोबाइल नंबर और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन के डिजिटल सुराग मिले हैं। इन्हीं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस अब नाना पटवारी से दोबारा पूछताछ की तैयारी कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि ऑनलाइन सट्टा, संदिग्ध लेन-देन और कथित ड्रग्स पार्टी के बीच कोई कनेक्शन था या नहीं।

डीसीपी नरेंद्र रावत ने बताया कि मोबाइल की फोरेंसिक जांच में दो ऑनलाइन सट्टा एप, तीन अहम मोबाइल नंबर और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन के संकेत मिले हैं। इन नंबरों से जुड़े लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। राजेंद्र नगर थाना पुलिस की विशेष टीम मोबाइल डेटा के साथ अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की भी पड़ताल कर रही है।

देवघर चारा घोटाला मामले में लालू यादव को बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत रद्द करने से किया इंकार

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को देवघर चारा घोटाला मामले में बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव की जमानत को रद्द करने से इंकार कर दिया है। आपको बता दें कि सीबीआई ने चारा घोटाला मामले में दोषी करार दिए गए लालू यादव की जमानत को रद्द करने की मांग की थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव को जमानत देने के हाई कोर्ट के आदेश मे दखल देने से इंकार कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

जानकारी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव की जमानत रद्द करने की सीबीआई की मांग को इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि हम हाई कोर्ट के आदेश में दखल नहीं देना चाहते, खासकर इसलिए क्योंकि तब से सात साल बीत चुके हैं। सीबीआई की अपील साल 2018 की हैं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से लालू यादव के मामले की सुनवाई मे तेजी लाने को कहा है।

सीबीआई ने क्या दलील दी?

सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई की तरफ से एएसजी एसवी राजू ने दलील दी कि लालू की जमानत याचिका दो बार खारिज कर दिया गया था। लेकिन बाद में हाई कोर्ट ने उन्हें इस आधार पर जमानत दे दी कि उन्होंने 50% सजा पूरी कर ली है, जो असल में गलत है। इस बात पर विचार किए बिना कि यह एक साथ चलने वाली सजा नहीं है।

क्या है पूरा मामला?

ये पूरा मामला बिहार के विभिन्न जिलों में धोखाधड़ी कर सरकारी खजाने से सार्वजनिक धन की निकासी से संबंधित है। चारा घोटाला मामला जनवरी 1996 में पशुपालन विभाग में छापेमारी के बाद सामने आया। सीबीआई ने जून 1997 में प्रसाद को एक आरोपी के रूप में नामित किया था। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष और बिहार के पूर्व सीएम राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को 950 करोड़ रुपये के चारा घोटाला से जुड़े पांच मामलों में जेल की सजा हुई है।

यह घोटाला 1992 से 1995 के बीच उस वक्त हुआ था जब लालू यादव बिहार के मुख्यमंत्री थे और वित्त एवं पशुपालन विभाग का जिम्मा भी संभाल रहे थे। तब बिहार का बंटवारा भी नहीं हुआ था। लालू यादव उन चर्चित नेताओं में शामिल थे जिनको इस घोटाले के मामले में दोषी ठहराया गया था। फिलहाल वह खराब स्वास्थ्य के आधार पर जमानत पर हैं।

दिल्ली में मजलिस पार्क मेट्रो के पास दर्दनाक हादसा, स्कूल बस की टक्कर से 12 साल की छात्रा की मौत, चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 12 वर्षीय स्कूली छात्रा की जान चली गई। हादसा मजलिस पार्क मेट्रो स्टेशन के पास हुआ। घटनाक्रम में एक स्कूल बस ने स्कूली बच्चों को लेकर जा रहे ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक, टक्कर लगते ही ई-रिक्शा में बैठी 12 वर्षीय प्रियांशी सड़क पर गिर गई और बस के नीचे आ गई।

गंभीर हालत में उसे तुरंत बाबू जगजीवन राम मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में किसी अन्य बच्चे के घायल होने की सूचना नहीं है। सूचना मिलते ही आदर्श नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि स्कूल बस कमल सिंह (55) चला रहा था, जबकि ई-रिक्शा अजय प्रसाद (45) चला रहा था। पुलिस ने बस चालक को मौके से हिरासत में ले लिया है।

वाईएसआरसीपी नेता जगन आज भीमवरम में एक्वा किसानों से मिलेंगे

विजयवाड़ा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी 15 जुलाई को पश्चिम गोदावरी जिले के भीमवरम का दौरा करेंगे। वे एक्वा किसानों से बातचीत करेंगे और एक्वाकल्चर सेक्टर (मछली और झींगा पालन उद्योग) पर आए गंभीर संकट का जायजा लेंगे। इस दौरे का मकसद किसानों की मुश्किलों को समझना और बढ़ते नुकसान से जूझ रहे लोगों को पार्टी का समर्थन देना है। दौरे के दौरान, वाईएस जगन एक्वा किसानों से मिलेंगे, उनकी शिकायतें सीधे सुनेंगे और सेक्टर के सामने आ रही चुनौतियों की समीक्षा करेंगे। इन चुनौतियों में एक्वा उत्पादों के लिए कम दाम, बिजली की बढ़ती कीमतें, एक्सपोर्ट से जुड़ी दिक्कतें और सरकारी अनदेखी का असर शामिल हैं। वे किसानों को हुए आर्थिक नुकसान के बारे में पूरी जानकारी लेंगे और उन्हें भरोसा दिलाएंगे कि न्याय की लड़ाई में वाईएसआरसीपी उनके साथ खड़ी रहेगी।

इस दौरे में मौजूदा संकट पर एक्वा किसानों के साथ सीधी बातचीत, उनकी समस्याओं और नुकसान के बारे में सीधे जानकारी जुटाना और सेक्टर को फिर से पटरी पर लाने के उपायों पर चर्चा शामिल होगी। वाईएस जगन किसान समुदाय को भरोसा दिलाएंगे कि उनकी चिंताओं को मजबूती से उठाया जाएगा और जब तक उन्हें सही राहत नहीं मिल जाती, वाईएसआरसीपी उनके मुद्दों को उठाती रहेगी।

एक्वा किसानों की मुश्किलों पर बार-बार चिंता जताने के बाद, वाईएस जगन एक्वाकल्चर और किसानों की ज़मीनी स्थिति को खुद समझने के लिए यह दौरा कर रहे हैं।

पति विदेश में, एक रियल एस्टेट बिज़नेसमैन से मिलने के बाद दिए गए पैसे वापस मांगने पर हत्या की साज़िश!

तिरुपति, 14 जुलाई (एजेंसियां)। महिला का पति विदेश में काम करता है और वह अपने दो बच्चों के साथ रहती है। उसने विदातला वरिगा नाम के एक रियल एस्टेट बिज़नेसमैन से 46 लाख रुपये लिए थे। जब उसने पैसे वापस मांगे तो बिज़नेसमैन नाराज़ हो गया। असल में, उसने पैसे वापस मांगने के बजाय उसकी हत्या की साज़िश रची। लेकिन जब महिला वहाँ से भाग निकली तो उसकी साज़िश नाकाम हो गई।

38 वर्षीय हिमाबिंदु वैकुंठपुरम आर्च के पास अपने दो बच्चों के साथ रहती हैं। उनके पति मोहम्मद शरीफ अभी नौकरी के सिलसिले में विदेश में रह रहे हैं। दोपहर करीब 12:30 बजे, हिमाबिंदु ऑटो से वैकुंठपुरम से जीवकोनकु जा रही थीं। तभी चेरलोपल्ले का रहने वाला आकाश कार से आया और रेड्डीपल्ले प्राइमरी हेल्थ सेंटर के पास एमपीडीओ ऑफिस के पास ऑटो को रुकवा लिया। आकाश ने अपने साथ लाए गैंती से बिना किसी हिचकिचाहट के हिमा बिंदु पर हमला कर दिया। जब उसने बचाव करने की कोशिश की, तो उसके हाथों, गर्दन और पीठ पर गंभीर चोटें आईं।

वन विभाग के कर्मचारियों ने एमएलए ब्रजकिशोर प्रधान के आश्रम में कैद तीन मोरों को बचाया

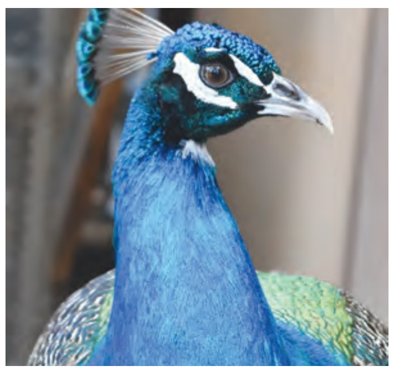

भुवनेश्वर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। वन विभाग के अधिकारियों ने तीन मोरों को बचाया, जिन्हें कोलियरी इलाके में स्थित एक आश्रम में कैद करके रखा गया था। कहा जाता है कि यह आश्रम तालचेर से बीजद के एमएलए ब्रजकिशोर प्रधान का है। वन विभाग ने यह कार्रवाई तब की जब तालचेर बीजेपी यूनिट ने तालचेर रेंज ऑफिस में शिकायत दर्ज कराई। आरोप लगाया गया था कि एमएलए के आश्रम में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करते हुए मोरों को कैद करके रखा गया है। शिकायत के आधार पर, तालचेर रेंजर चारुलता नाइक की अगुवाई में वन विभाग की एक टीम ने आश्रम में छापा मारा और तीनों मोरों को बचाया। अधिकारियों ने बताया कि पक्षियों को रेंज ऑफिस ले जाया गया, जहाँ उन्हें दो-तीन दिन तक निगरानी में रखा जाएगा और फिर किसी सुरक्षित जगह पर भेज दिया जाएगा। नाइक ने बताया कि उन्हें एक आश्रम में कुछ मोरों को कैद करके रखे जाने की शिकायत मिली थी।

इसके बाद, वह अपनी टीम के साथ मौके पर गईं और पक्षियों को बचाया। वन रेंजर ने कहा कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि पक्षियों को कितने समय से कैद में रखा गया था। आश्रम के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा क्योंकि मोरों को कैद करके रखना वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि अंगुल के डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ) पक्षियों को आगे कहाँ भेजा जाएगा, इस पर फैसला लेंगे। तालचेर के एमएलए प्रधान से संपर्क करने की कोशिशें नाकाम रहीं क्योंकि उन्होंने कॉल का कोई जवाब नहीं दिया।

कोच्चि एयरपोर्ट पर तमिलनाडु के एक जोड़े को लगभग 2 करोड़ रुपये के सोने के साथ पकड़ा गया

कोच्चि, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ज़रिए लगभग 2 करोड़ रुपये का सोना तस्करी करने की कोशिश नाकाम कर दी गई। कस्टम अधिकारियों ने तमिलनाडु के एक जोड़े को गिरफ़्तार किया और उनकी पैंट की कमर में छिपाकर रखा गया सोने का पेस्ट ज़ब्त किया।आरोपियों की पहचान तमिलनाडु के पुडुकोट्टई ज़िले के रहने वाले रिफ़नास हामिद मोहम्मद शरीफ़ (26) और उनकी पत्नी जानोफ़र कादर बीवी उमर फ़ारूक़ (23) के तौर पर हुई है। वे 13 जुलाई को अबू धाबी से एयर आईएक्स 418 से एयरपोर्ट पहुँचे थे। कस्टम विभाग के अनुसार, शक के आधार पर जोड़े को रोका गया और उनकी बारीकी से जाँच की गई। जाँच के बाद 1,353.92 ग्राम 24-कैरेट सोना (पेस्ट के रूप में) बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 1.94 करोड़ रुपये है। यह तस्करी का सोना यात्रियों द्वारा पहनी गई पैंट की सिली हुई कमर के अंदर छिपाकर रखा गया था।दोनों यात्रियों को कस्टम एक्ट के प्रावधानों के तहत गिरफ़्तार किया गया है। आगे की जाँच चल रही है।

स्कूलों में जल्द लागू हो सकती है यौन शिक्षा

किशोरों के अधिकारों और पॉक्सो कानून के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता के बाद सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। लंबे समय से चली आ रही झिझक को तोड़ते हुए केंद्र सरकार ने स्कूलों में 'व्यापक यौन शिक्षा' को अनिवार्य रूप से पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट में चल रही एक अहम सुनवाई के दौरान सरकार ने बताया कि मसले पर विचार के लिए एक 26 सदस्यीय विशेषज्ञ कमिटी बनाई गई थी, जिसकी रिपोर्ट आ चुकी है। कोर्ट से अंतिम मंजूरी मिलते ही उसे लागू कर दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने किशोरों के 'निजता के अधिकार' को लेकर स्वतः संज्ञान लिया था। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है। कोर्ट की मुख्य चिंता इस बात को लेकर है कि 15 से 18 वर्ष के किशोरों के बीच होने वाले आपसी सहमति के संबंधों को बिना सोचे-समझे गंभीर अपराध में तब्दील होने से कैसे बचाया जाए।

मामले में केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया गया था। इसमें स्कूलों में यौन शिक्षा को लेकर भी जानकारी मांगी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के पिछले निर्देश के बाद केंद्र सरकार ने 26 सदस्यीय राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया। इस पैनल का नेतृत्व महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव ने किया। इसमें टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) के विशेषज्ञ, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट और अलग-अलग मंत्रालयों के प्रतिनिधि शामिल थे।

पैनल को जिम्मेदारी दी गई थी कि वह पॉक्सो एक्ट के मामलों में किशोरों के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें जागरूक बनाने के लिए एक व्यावहारिक रोडमैप तैयार करें। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कानून के गलत इस्तेमाल पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। कोर्ट ने कहा कि 15 से 18 वर्ष की आयु शारीरिक बदलावों की उम्र होती है।

अस्पतालों में लागू होगा 'एक मरीज एक रिश्तेदार' नियम, बीएमसी मेयर ने दिए सख्त निर्देश

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के सिविक अस्पतालों में 'एक मरीज, एक रिश्तेदार' नियम लागू होने जा रहा है। अब मुंबई के अस्पतालों में एक मरीज से सिर्फ एक ही रिश्तेदार मिल पाएगा। इसके लिए मरीज के रिश्तेदार को पास लेना अनिवार्य होगा। इस नियम को लेकर बीएमसी मेयर ने सिविक हॉस्पिटल के लिए 'एक मरीज-एक रिश्तेदार' नियम और डिजिटल विजिटर पास का प्रस्ताव रखा है। मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने बीएमसी एडमिनिस्ट्रेशन को सभी सिविक हॉस्पिटल में डिजिटल विजिटर पास मैनेजमेंट सिस्टम के साथ 'एक मरीज-एक रिश्तेदार' पॉलिसी लागू करने का निर्देश दिया है। बीएमसी कमिश्नर अश्विनी भिडे को लिखे एक ऑफिशियल लेटर में मेयर ने इस बात पर जोर दिया कि भीड़ कम करने, साफ-सफाई बनाए रखने और मरीजों को साफ, इन्फेक्शन-फ्री माहौल देने के लिए ये उपाय बहुत जरूरी हैं।

मेयर ने रिक्वेस्ट की कि केईएम, सायन और नायर जैसे बड़े सिविक हॉस्पिटल में नए सिस्टम को पायलट बेसिस पर तुरंत शुरू किया जाए। प्रस्तावित पॉलिसी के तहत, हॉस्पिटल के वार्ड के अंदर मरीज के साथ सिर्फ एक रिश्तेदार को रहने की इजाजत होगी, जिससे डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को बिना किसी रुकावट के मेडिकल केयर देने में मदद मिलेगी। हॉस्पिटल के एंट्रेंस पर सिक्योरिटी वाले मॉडर्न डिजिटल विजिटर पास चेक करेंगे ताकि बिना इजाजत के लोग कैंपस में न घूमें। क्रिटिकल या इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) के मरीजों के लिए हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन के पास इंसानियत के आधार पर कई पास जारी करने का अधिकार होगा।

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में संदिग्ध ड्रोन मिलने से हड़कंप

सीमा पार गतिविधि की आशंका, फोरेंसिक जांच के लिए भेजा

सांबा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सांबा जिले में मंगलवार सुबह एक खुले खेत से एक ड्रोन बरामद किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, यह ड्रोन देवक के पास स्थित एक खेत में पड़ा मिला। चक सलारिया गांव के एक निवासी ने सुबह 5:50 बजे मॉर्निंग रन के दौरान इसे सबसे पहले देखा। खेत में संदिग्ध वस्तु देखकर ग्रामीण ने बिना देरी किए पास में तैनात सेना की यूनिट को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही सेना के जवान मौके पर पहुंचे और ड्रोन को अपने कब्जे में ले लिया। स्थानीय निवासी की सतर्कता के कारण सेना को समय रहते ड्रोन के बारे में पता चल गया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन मिलने के बाद उसे तुरंत जब्त कर लिया गया और अब इसकी गहन जांच की जा रही है।

सेना और सुरक्षा एजेंसियां इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि यह ड्रोन कहां से आया और इसका मकसद क्या था। चूंकि सांबा जिला अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक है, इसलिए इसे सीमा पार से भेजे जाने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा रहा।

इस घटना से एक रात पहले, नंदपुर गांव में तैनात सेना के जवानों ने एक अज्ञात उड़ती हुई वस्तु देखी थी। यह वस्तु अरनिया की तरफ से आती हुई दिखाई दी थी, जिसे ड्रोन होने का संदेह जताया गया था। सेना ने तुरंत एंटी-ड्रोन प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया और संदिग्ध ड्रोन को जाम करने के लिए जरूरी कदम उठाए।

अधिकारियों का मानना है कि मंगलवार सुबह बरामद हुआ ड्रोन वही हो सकता है, जो जामिंग ऑपरेशन के बाद नीचे गिर गया। बरामद किए गए ड्रोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में तीन मुख्य बिंदुओं पर फोकस किया जाएगा जिसमें यह ड्रोन किस देश या कंपनी का बना हुआ है।

ममता बनर्जी की फायरब्रांड सांसद महुआ मोइत्रा को सता रहा गिरफ्तारी का डर

कलकत्ता हाईकोर्ट से की ये मांग

कोलकाता, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ममता बनर्जी की फायरब्रांड सांसद महुआ मोईत्रा को गिरफ्तारी का डर सताने लगा है। इसलिए उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट की शरण ली है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की वरिष्ठ नेता और सांसद की याचिका पर कोर्ट आगामी 15 जुलाई (बुधवार) को सुनवाई करेगा।

महुआ मोईत्रा ने कोर्ट से मांग की है कि मामले की जांच के दौरान पुलिस की ओर से की जाने वाली किसी भी दंडात्मक या कठोर कार्रवाई (जैसे कि गिरफ्तारी) पर अंतरिम रोक लगायी जाये। इसके साथ ही उन्होंने थाने में व्यक्तिगत उपस्थिति की बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वर्चुअल) से पूछताछ की मांग की अनुमति देने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने मामले का उल्लेख किये जाने पर कहा कि वह बुधवार को इस याचिका पर सुनवाई करेंगे। उन्होंने मोईत्रा के वकील को सभी प्रतिवादियों (प्रतिपक्षों) को नोटिस तामील कराने का निर्देश दिया।

अदालत में सुनवाई के दौरान महुआ मोईत्रा के वकील ने पूरे विवाद की पृष्ठभूमि की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हाल ही में जब सांसद महुआ मोईत्रा नदिया जिले की एक निचली अदालत में गयी थीं, तब चेहरा ढककर कुछ उपद्रवियों ने उन पर अंडे फेंके और हमला किया। इस घटना के बाद महुआ मोईत्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर लिखा था कि जो लोग अपना चेहरा छिपाते हैं, उन्हें बुर्का पहन लेना चाहिए। वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि महुआ मोईत्रा के इस बयान को कथित तौर पर नफरती भाषण माना गया। भाषण का यह मतलब निकाला गया कि उन्होंने हिंदुओं को बुर्का पहनने के लिए कहा है। इसी के आधार पर उनके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कर लिया गया।

महिला ने जज को भी नहीं बख्शा! कुर्सी पर काला जादू करने के आरोप में हुई गिरफ्तार

चिक्काबल्लापुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के चिक्काबल्लापुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 65 साल की महिला को जज की कुर्सी पर काला जादू करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। महिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। चिक्काबल्लापुर सिटी पुलिस ने मंजुला नाम की 65 साल की महिला को गिरफ्तार किया क्योंकि उस पर आरोप है कि उसने चिक्काबल्लापुर में 'फर्स्ट एडिशनल सीनियर सिविल जज और जेएमएफसी कोर्ट' के जज की कुर्सी पर कथित तौर पर काला जादू किया। दरअसल 2 दिन पहले का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया था, जिसमें महिला जज की कुर्सी पर कथित तौर पर मंत्र पढ़ते हुए और सफेद सरसों के दाने छिड़कते हुए देखी गई थी। इस मामले के सामने आने के बाद कोर्ट की चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर नेत्रा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था।

इस मामले की जांच के बाद आरोपी महिला को गिरफ्तार किया गया। आरोपी महिला के खिलाफ 'कर्नाटक अमानवीय कुप्रथाओं और काले जादू की रोकथाम और उन्मूलन अधिनियम, 2017' के तहत मामला दर्ज किया गया है। कोर्ट ने महिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

राहुल गांधी मुख्यमंत्री शिवकुमार और राज्य के नेताओं को दिल्ली बुला सकते हैं

बेंगलुरु, 14 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विदेश यात्रा से लौटने और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेंगलुरु से नई दिल्ली वापस आने के बाद, शिवकुमार कैबिनेट के विस्तार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होने से पहले बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए खड़गे ने कहा, यह जल्द से जल्द होगा, क्योंकि राहुल के (विदेश से) लौटने के बाद हम इस मामले पर चर्चा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, जो अपने गृह राज्य केरल में थे, भी दिल्ली आ रहे हैं।

साथ ही, अंतिम फैसला लेने से पहले पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डॉ. जी। परमेश्वर और केपीसीसी अध्यक्ष बी।के। हरिप्रसाद को बुलाए जाने की संभावना है। इस बीच, राहुल के गुरुवार को देहरादून जाने की संभावना है, जहां उनकी मां सोनिया गांधी समेत परिवार के सदस्य छुट्टियां मना रहे हैं।

दिल्ली में डेरा डाले हुए एक विधायक ने टीएनआईई को बताया कि इसलिए, कैबिनेट विस्तार पर फैसला गुरुवार से पहले लिए जाने की संभावना है। उधर, रामदुर्ग के विधायक अशोक पट्टन, श्रृंगेरी के विधायक टीडी। राजे गौड़ा और अर्सिकेरे के विधायक के एम। शिवलिंगे गौड़ा जैसे दावेदारों ने खड़गे से मुलाकात की। जल संसाधन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा, देखते हैं अगले दो-तीन दिनों में क्या होता है। मुख्यमंत्री कल दिल्ली जा सकते हैं। सत्र 6 अगस्त से शुरू होगा और तब तक कैबिनेट का विस्तार हो जाएगा। आषाढ़ महीने और कैबिनेट विस्तार के बीच क्या संबंध है?

ओडिशा सरकार ने आंध्र प्रदेश से सटे ज़िलों से कोविड पर नज़र बढ़ाने को कहा

भुवनेश्वर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में कोविड के कई मामले मिलने और दो संदिग्ध मौतों की खबरों के बीच, ओडिशा सरकार ने पड़ोसी राज्य से सटे सभी ज़िलों से निगरानी और सावधानी के उपाय बढ़ाने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि सीमा से सटे मलकानगिरी, कोरापुट, रायगडा, गजपति, गंजाम, नबरंगपुर और कुछ अन्य ज़िलों को अलर्ट रहने और ज़िला मुख्यालय अस्पतालों (डीएचएचएस) में संदिग्ध मामलों की जांच करने के लिए कहा गया है। डीएचएचएस से कोविड किट का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने के लिए भी कहा गया है। जन स्वास्थ्य निदेशक डॉ। रवींद्रनाथ मिश्रा ने कहा कि राज्य में चल रही जांच के नतीजे अब तक नेगेटिव रहे हैं। हालांकि, ज़िला मुख्यालय अस्पतालों में जांच जारी है और निगरानी बढ़ा दी गई है।

डॉ. मिश्रा ने कहा, हालांकि चिंता की कोई बात नहीं है, फिर भी कोविड गाइडलाइंस के अनुसार सावधानी बरतनी चाहिए, जैसे हाथ धोना, मास्क पहनना और भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचना। उन्होंने सर्दी, खांसी और बुखार के लक्षण वाले लोगों को कोविड टेस्ट कराने की सलाह भी दी। आंध्र प्रदेश के कडप्पा ज़िले में कोविड से दो संदिग्ध मौतों और आधा दर्जन मामलों की खबरों के बाद, राज्य सरकार ने ज़िलों को अलर्ट रहने के लिए कहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
बुधवार, 15 जुलाई, 2026 3

सुविचार
कर्म का कोई विकल्प नहीं होता, आप जैसा बोते हैं वैसा ही काटते हैं।

तेलंगाना में गोशाला नीति लाने की तैयारी

चार आधुनिक गोशालाएं स्थापित होंगी

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य पशुपालन विभाग और तेलंगाना गोशाला सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में तेलंगाना के विभिन्न जिलों के गोशाला संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में तेलंगाना पशुगण विकास प्राधिकरण (टीजीएलडीए) के अध्यक्ष डॉ. चरण कौशिक यादव ने राज्य सरकार की प्रस्तावित योजनाओं और पहलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार गोशाला नीति लाने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है।

इसके तहत एनिकापल्ली में 99 एकड़ भूमि पर लगभग 157 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक गोशाला स्थापित की जाएगी। इसके अलावा वेमुलवाड़ा में 100 एकड़ भूमि पर तथा यादाद्रि और पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय परिसर में भी राज्य सरकार नई गोशालाएं स्थापित करेगी। डॉ. चरण कौशिक यादव ने बताया कि राज्य सरकार 2,216 करोड़ रुपये की लागत से मंदिरों के पुनर्निर्माण का कार्य कर रही है। साथ ही 1,000 करोड़ रुपये गोदावरी पुष्कर महोत्सव के लिए आवंटित किए हैं, ताकि सनातन धर्म और लोगों की धार्मिक आस्थाओं का संरक्षण दिया जा सके। उन्होंने दावा किया कि इस प्रकार की व्यापक पहल पहले किसी सरकार ने नहीं की। बैठक के दौरान गोशाला संचालकों और प्रतिनिधियों ने कई महत्वपूर्ण मांगें भी रखीं। उन्होंने टीजीएलडीए के अधीन गोशालाओं के लिए पृथक बोर्ड गठित करने, पशुपालन बोर्ड का तत्काल गठन करने, प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने, टीजीएलडीए के तत्वावधान में गोमाता उत्सव को सरकारी स्तर पर आयोजित करने तथा गाय को तेलंगाना का सांस्कृतिक पशु घोषित करने की मांग की। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने गोसंरक्षण और गोशालाओं के विकास से संबंधित विभिन्न सुझाव भी दिए। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. गोपी, टीजीएलडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुब्बारायुडु, उपनिदेशक डॉ. श्रीनिवास राव, तेलंगाना गोशाला सेवा समिति के अध्यक्ष विजयराम, सचिव बालकृष्ण गौड़ तथा कोषाध्यक्ष धनुंजय सहित विभिन्न जिलों के गोशाला संचालक एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केंद्र से वैश्विक मानकों पर हवाई अड्डों का निर्माण करने का आग्रह

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से आग्रह किया कि वारंगल (ममनूर) और आदिलाबाद में बनने वाले नए हवाई अड्डों का निर्माण अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना राज्य में स्थित इन दोनों नए हवाई अड्डों के रणनीतिक और वाणिज्यिक लाभों पर प्रकाश डाला। मंगलवार को रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के कार्यालय राजीव गांधी भवन में राममोहन नायडू से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने वारंगल हवाई अड्डे परियोजना के संबंध में केंद्रीय मंत्री के साथ विस्तृत चर्चा की। रेवंत रेड्डी ने राममोहन नायडू को वारंगल शहर की रणनीतिक स्थिति के बारे में जानकारी दी। वारंगल पहले से ही रेल और सड़क नेटवर्क से जुड़ा हुआ है और काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क, काजीपेट कोच फैक्ट्री और अन्य उद्योगों का केंद्र है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि हवाई अड्डे पर उड़ानें शुरू होने के बाद वारंगल में उद्योग जगत में जबरदस्त वृद्धि देखने को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, वारंगल पूर्व आदिलाबाद, करीमनगर, वारंगल और खम्मम क्षेत्रों के उत्तरी तेलंगाना जिलों के साथ-साथ नालगोंडा के लिए एक केंद्रीय केंद्र के रूप में उभरेगा। उन्होंने राममोहन नायडू से वारंगल हवाई अड्डे पर रखरखाव, मरम्मत और जीर्णोद्धार (एमआरओ), हवाई माल ढुलाई और हैंगर सुविधाओं की व्यवस्था करने का अनुरोध किया। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, यह देखते हुए रेवंत रेड्डी ने मंत्री जी से निविदाएं आमंत्रित करने और काम शीघ्रता से शुरू करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री जी से अनुरोध किया गया है कि हवाई अड्डे का निर्माण कार्य 2 जून, 2028 तक पूरा कर लिया जाए और इसका उद्घाटन कर दिया जाए। वारंगल हवाई अड्डे के डिजाइन पर चर्चा के दौरान, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वारंगल की समृद्ध काकतीय इतिहास और संस्कृति की विरासत को इसमें प्रतिबिंबित किया जाना चाहिए। राममोहन नायडू ने मुख्यमंत्री के सुझाव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और यह भी आश्वासन दिया कि आदिलाबाद में रक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित हवाई अड्डे के साथ-साथ एक नागरिक हवाई अड्डा स्थापित करने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। बैठक में वारंगल हवाई अड्डे की तर्ज पर आदिलाबाद हवाई अड्डे पर एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल), एयर कार्गो और हैंगर सुविधाओं की स्थापना और वारंगल और आदिलाबाद दोनों हवाई अड्डों पर फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन (एफटीओ) की स्थापना पर भी चर्चा की गई। रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को हुसैन सागर और प्रकाशम बैराज के बीच समुद्री विमानों के संचालन की व्यवहार्यता की जांच करने का सुझाव दिया। राममोहन नायडू ने मुख्यमंत्री से इस पहल के लिए आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। नलगोंडा के सांसद रघुवीर रेड्डी, आर एंड बी के विशेष मुख्य सचिव विकास राज, सरकारी सलाहकार के. रामकृष्ण राव, विशेष सचिव (समन्वय) अद्वैत कुमार सिंह, नागरिक उड्डयन सचिव मुरलीधर मोहोल और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष विपिन कुमार सहित अन्य लोग बैठक में उपस्थित थे।

सिंगरेणी से ही तेलंगाना में भाजपा की सत्ता की नींव रखनी होगी : रामचंदर राव

'सिंगरेणी भरोसा यात्रा' के तहत आयोजित बैठक में बीआरएस पर हमला

मंचेरियल, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि सिंगरेणी के श्रमिकों का संघर्ष केवल एक सार्वजनिक उपक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यही आंदोलन तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनने की आधारशिला साबित होना चाहिए।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सिंगरेणी से ही राज्य में भाजपा को सत्ता तक पहुंचाने की मजबूत शुरुआत की जाए। मंचेरियल में 'सिंगरेणी भरोसा यात्रा' के तहत आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं की विस्तृत बैठक को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दल भ्रष्टाचार, जनता को गुमराह करने और चुनावी वादों को पूरा न करने के मामले में एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार जनकल्याण और विकास के बजाय भ्रष्टाचार में अधिक रुचि रखती है तथा केवल कमीशन के लिए परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए परियोजनाओं की चर्चा करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार विद्यार्थियों, किसानों और बेरोजगारों की समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल रही है। राज्य सरकार जहां किसान सहायता योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी कर रही है, वहीं केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत किसानों के खातों में समय पर राशि सीधे जमा कर रही है। रामचंदर राव ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने तेलंगाना के विकास के लिए अब तक लगभग 13 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

उन्होंने कहा कि इन निधियों से उद्योग, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे अवसंरचना, औद्योगिक पार्क सहित अनेक विकास कार्य किए गए हैं, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार निःशुल्क चावल, छात्रवृत्ति तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लगातार तेलंगाना का सहयोग कर रही है, जबकि राज्य सरकार राजनीतिक लाभ के लिए केंद्र के खिलाफ दुष्प्रचार कर रही है।

18 वर्ष पूरे होने पर कर सकेंगे आवेदन

फॉर्म-6 भरकर जुड़ सकता है नाम

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यदि कोई नागरिक इस वर्ष के अंत तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने जा रहा है, तो वह मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकता है। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि जो व्यक्ति 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर लेंगे, वे मतदाता बनने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करने के पात्र होंगे। अधिकारियों के अनुसार, घर-घर चल रहे सर्वेक्षण के दौरान बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) से फॉर्म-6 और घोषणा पत्र प्राप्त कर उसे भरकर जमा किया जा सकता है। इसके बाद संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी आवेदन की जांच करेंगे। यदि आवेदक निर्धारित सभी पात्रता शर्तों को पूरा करता है, तो उसका नाम अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची में शामिल कर दिया जाएगा। निर्वाचन विभाग ने पात्र युवाओं से समय पर आवेदन करने और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की अपील की है।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की मुलाकात

एसआईआर की समय सीमा बढ़ाने की मांग की

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की समय सीमा बढ़ाने की मांग को लेकर हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी से मुलाकात की। उनके साथ विधान परिषद सदस्य अद्दंकी दयाकर, बालमुरी वेंकट, विधायक श्री गणेश, नवीन यादव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक जॉन, मोथा रोहित, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के निर्वाचन आयोग समन्वय समिति के अध्यक्ष राजेश तथा अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। मुलाकात के बाद मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्यभर, विशेषकर हैदराबाद जिले की 15 विधानसभा सीटों पर मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद जिले में अब तक औसतन केवल 21 प्रतिशत मतदाता संशोधन कार्य ही पूरा हो पाया है, जबकि अभियान पूरा करने के लिए केवल 10 दिन का समय शेष है। इसलिए समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद में लगभग 4,500 मतदान केंद्र हैं और शहरी क्षेत्रों में मतदाता सूची संशोधन अपेक्षित गति से नहीं हो रहा है। इस कार्य में इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों, सरकारी शिक्षकों तथा ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के सहयोग का उपयोग करने का सुझाव भी निर्वाचन आयोग को दिया गया है। मंत्री ने कहा कि शिकायतें मिल रही हैं कि बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) कई स्थानों पर घर-घर नहीं पहुंच रहे हैं और मतदाता प्रपत्र भी सही ढंग से उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। हालांकि राज्य सरकार ने बीएलओ के भुगतान में कोई समस्या नहीं आने दी है। उन्होंने कहा कि एक भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी पात्र नागरिकों का मतदाता सूची में शामिल होना आवश्यक है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी अगले दस दिनों तक अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई है। सरकारी योजनाओं का लाभ केवल मतदाता पहचान के आधार पर मिलने संबंधी चर्चाओं पर मंत्री ने कहा कि इस विषय पर विभिन्न स्तरों पर चर्चा चल रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे समय रहते अपने नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने अथवा आवश्यक संशोधन कराने की प्रक्रिया पूरी करें।

फीस प्रतिपूर्ति बकाया राशि को लेकर वामपंथी छात्र संगठनों का सचिवालय घेराव का प्रयास

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई स्थानों पर तीखी नोकझोंक

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लंबित फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति राशि जारी करने की मांग को लेकर वामपंथी समर्थित छात्र संगठनों ने मंगलवार को तेलंगाना सचिवालय घेराव का प्रयास किया। इस दौरान सचिवालय के आसपास तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। 'चलो सचिवालय' कार्यक्रम के तहत प्रदर्शन कर रहे छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड लगाए थे। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई स्थानों पर तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने कई छात्र नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। कुछ छात्रों को हल्की चोटें आने की भी जानकारी मिली है। प्रदर्शन में भाग लेने से रोकने के लिए कई जिलों में एहतियाती हिरासत भी ली गई। अखिल भारतीय छात्र संघ (एआईएसएफ), छात्र संघ (एसएफआई), अखिल भारतीय लोकतांत्रिक छात्र संगठन (एआईडीएसओ), प्रगतिशील लोकतांत्रिक छात्र संघ (पीडीएसयू), अखिल भारतीय छात्र भारती (एआईएसबी) और अखिल भारतीय प्रगतिशील छात्र संघ (एआईपीएसयू) के नेताओं ने आरोप लगाया कि फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति में देरी के कारण आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लाखों विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि बकाया फीस का भुगतान नहीं होने के कारण कई शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र रोक रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी छात्र संगठनों ने सरकार से लंबित 11,000 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति राशि तत्काल जारी करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो राज्यभर में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को बाद में विभिन्न पुलिस थानों में स्थानांतरित किया गया।

श्रम अधिकारों को मजबूत करना जरूरी है : विवेक वेंकटस्वामी

ब्रिक्स ट्रेड यूनियन फोरम शिखर सम्मेलन-2026 का उद्घाटन

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया और तेलंगाना के श्रम, रोजगार एवं खान मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी ने मंगलवार को हैदराबाद के एक होटल में प्रतिष्ठित ब्रिक्स ट्रेड यूनियन फोरम शिखर सम्मेलन-2026 का औपचारिक उद्घाटन किया। तीन दिवसीय यह अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन 14 से 16 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि तकनीकी प्रगति, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और स्वचालन के उदय के कारण वैश्विक श्रम बाजार में तीव्र परिवर्तन हो रहा है।

उन्होंने कहा कि ये परिवर्तन रोजगार के स्वरूप को नया रूप दे रहे हैं और विश्वभर के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा, निरंतर कौशल विकास और आजीवन शिक्षा को अनिवार्य बना रहे हैं। मंत्री ने कहा कि श्रमिक औद्योगिक विकास में तभी अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सकते हैं जब उन्हें अपनी नौकरियों की सुरक्षा और अपने परिवारों के कल्याण के प्रति विश्वास हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य के लिए एक सशक्त कार्यबल तैयार करने हेतु राष्ट्रों को सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने, श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने और कौशल विकास में निवेश करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि शिखर सम्मेलन में तकनीकी परिवर्तन, कार्य का भविष्य, कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा, श्रम अधिकार और ट्रेड यूनियनों की भूमिका जैसे प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंच का एक प्राथमिक उद्देश्य विभिन्न देशों में लागू की गई सफल श्रम नीतियों का अध्ययन करना और वैश्विक स्तर पर सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए सिफारिशें तैयार करना है।

तेलंगाना की पहलों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना भर में उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र (एटीसी) स्थापित करके भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए अपने कार्यबल को तैयार करने पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि ये केंद्र उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को अत्याधुनिक तकनीकी कौशल से लैस कर रहे हैं। मंत्री ने आगे कहा कि कुशल मानव संसाधन की वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है और तेलंगाना सरकार, तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी (टॉमकॉम) के माध्यम से, जर्मनी, जापान, कई यूरोपीय देशों और मध्य पूर्व जैसे देशों में युवाओं के लिए विदेशी रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि इन पहलों से युवाओं को उच्च वेतन वाली अंतरराष्ट्रीय नौकरियां प्राप्त करने में मदद मिल रही है और साथ ही राज्य के कुशल कार्यबल को भी मजबूती मिल रही है।

तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बेलारूस, मलेशिया और नाइजीरिया सहित 14 देशों के लगभग 110 प्रतिनिधि एक साथ आए हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, KAILASH DEVI, legally Mother of Service No-14687513W, Rank-HAV, Name- SANDEEP KUMAR, R/o Vill & Po-Ganiyar, Teshil-Ateli Mandi, Dist- Mahendergarh, Haryana, I have to change my Name from - KAILASH DEVI to KELA DEVI For all purpose vide affidavit dated: 14-07-2026.

I, S Magas Wari, Mother of No. 15819071K, Hav, Raj S, R/o, Dist: Ranipet, Tamil Nadu, changed my name from S Magas Wari to Maheshwari S, vide Affidavit No. 467639 dt. 13.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 772639X, Sub, Chauhan Ashok Kumar, R/o, Dist: Rewari, Haryana, changed my Mother's name from Prama Devi to Prem Devi vide Affidavit No. 467637 dt. 13.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I. JC 772639X, Sub, Chauhan Ashok Kumar,R/o, Dist: Rewari, Haryana, changed my Father's name from Sukhpal Singh to Sukhpal, vide Affidavit No. 467638 dt. 13.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, C V Alice, W/o, JC 776432P, Sub, Abraham, R/o, Dist: Kodagu, Karnataka, changed my name from C V Alice to Alice C V, vide Affidavit dt.14.07.2026, before Advocate and Notary, Kodagu, Karnataka.

I, R Bakiya, W/o, No. 14661459W, Hav, Satheesh Kumar S, R/o, Dist,: Vellore, Tamil Nadu, changed my name from R Bakiya to S Bakiya, vide Affidavit No. BU 316309, before Spl Judicial Magistrate, at L B Nagar.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर रुख करने की सलाह : मंत्री तुम्मला

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने मंगलवार को किसानों से अल नीनो की स्थिति को ध्यान में रखते हुए फसल योजना तैयार करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि सामान्य से कम वर्षा से कृष्णा और गोदावरी नदी घाटियों में पानी की उपलब्धता कम हो सकती है। 'रैतु नेस्थम' कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना, महाराष्ट्र और कर्नाटक में इस मौसम में कम वर्षा हुई है, जिससे सावधानीपूर्वक फसल योजना बनाना आवश्यक हो गया है। उन्होंने कृषि, सिंचाई, भूजल और जल प्रबंधन विभाग के अधिकारियों को घनिष्ठ समन्वय स्थापित करने और किसानों को समय पर सलाह देने का निर्देश दिया। तुम्मला ने कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों जैसे ज्वार, बाजरा, फॉक्सटेल बाजरा, हरी मूंग, काली मूंग और लाल मूंग की खेती की सिफारिश की, साथ ही किसानों को कम अवधि वाली, उच्च उपज वाली फसल किस्मों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। आईएमडी हैदराबाद की निदेशक स्टेला ने कहा कि अल नीनो के कारण तेलंगाना में 30-35 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई है और चेतावनी दी है कि अगले तीन महीनों तक सामान्य से कम बारिश जारी रह सकती है। सिंचाई अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि ऊपरी राज्यों में कम वर्षा के कारण कृष्णा और गोदावरी नदियों में जल प्रवाह कम होने की संभावना है, जबकि भूजल विभाग के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भूजल स्तर और गिर सकता है, और किसानों को धान और गन्ना जैसी अधिक पानी की खपत वाली फसलों से बचने की सलाह दी है। भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान, पीजेटीएसएयू, आईआईओआर, सीआरआईडीए और अन्य संस्थानों के विशेषज्ञों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और सूखा-प्रतिरोधी कृषि, कुशल जल प्रबंधन और वैकल्पिक फसल रणनीतियों पर वैज्ञानिक मार्गदर्शन प्रदान किया। कृषि विभाग के सचिव के. सुरेंद्रमोहन, कृषि विभाग के निदेशक बी. गोपी, सहकारिता विभाग के विशेष निदेशक राहुल राज, तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अल्दास जनय्या, सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता (ईएनसी) मधुसूदन राव, भूजल विभाग के निदेशक लक्ष्मण और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

मुद्रगड़ा पद्मनाभम के निधन पर टीपीसीसी ने जताया शोक

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री, वरिष्ठ राजनेता और कापू आंदोलन के प्रमुख नेता मुद्रगड़ा पद्मनाभम के निधन पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने गहरा दुख व्यक्त किया है। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में मुद्रगड़ा पद्मनाभम की भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी। उन्होंने पिछड़े वर्गों के उत्थान और सामाजिक न्याय के लिए जो संघर्ष किया, उसे हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधायक, मंत्री और सांसद के रूप में मुद्रगड़ा पद्मनाभम ने जनता की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाई और अपनी अलग पहचान बनाई। वे देश में प्रभाव छोड़ने वाले विशिष्ट नेतृत्व गुणों से युक्त महान नेता थे। टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि मुद्रगड़ा पद्मनाभम का निधन राजनीतिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों और समर्थकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

मथुरा जन्मभूमि विवाद

सुप्रीम कोर्ट की सुलह की कोशिशें नाकाम, पक्षकार बोले- पूरी जमीन लेंगे

मथुरा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह के बीच चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने विशेष अनुमति याचिका पर समझौते की संभावनाएं देखी हैं। लेकिन कोई पक्ष समझौते को तैयार नहीं है। हिंदू पक्ष का कहना है कि हम कोर्ट में लड़कर पूरी जमीन लेंगे।

ईदगाह पक्ष भी समझौता वार्ता में शामिल नहीं होना चाहता है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह के बीच चल रहे विवाद में दाखिल हुई विशेष अनुमति याचिका में दोनों पक्षों के बीच समझौता वार्ता की संभावना देखने की मांग की गई थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पत्रावली भेजकर दोनों पक्षों में समझौते का प्रयास कराने को कहा था।

चार जुलाई को प्राधिकरण में सुनवाई हुई, लेकिन शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी पक्ष उपस्थित नहीं हुआ। कमेटी के सचिव तनवीर अहमद ने लिखकर दे दिया कि यह वाद लोक अदालत में सूचीबद्ध न किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने समझौता वार्ता के लिए 21,22, 23 अगस्त की तिथि तय की है। इस मामले हिंदू पक्ष की एक याचिकाकर्ता अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री का कहना है कि हम इस समझौता वार्ता में सुप्रीम कोर्ट में शामिल नहीं होंगी। हम कोर्ट में मुकदमा लड़कर अपनी पूरी जमीन लेंगे। दूसरे याचिकाकर्ता अजय प्रताप सिंह का कहना है कि हम सुप्रीम कोर्ट की वार्ता में शामिल होंगे लेकिन हम समझौता नहीं करेंगे पूरी जमीन लेंगे। एक याचिकाकर्ता महेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि हमें पूरी जमीन चाहिए। अभी सुप्रीम कोर्ट की ओर से कोई पत्र नहीं मिला है, पत्र मिलेगा तो हम निश्चित ही जाएंगे।

शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के सचिव तनवीर अहमद कहते हैं कि शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी और श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ के बीच 1968 में समझौता हो गया, इसकी डिक्री भी हो गई। अब किस बात का समझौता होगा। हमें यह स्वीकार नहीं है।

दवा बाजार में बड़ा खेल, फार्मा कंपनियों से लिए 10 डिब्बे; उस बैच नंबर पर छपाए 1000 नकली पैक

आगरा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। फव्वारा दवा बाजार में छापेमारी में औषधि विभाग ने एक वर्ष में छापेमारी में तीन नकली दवा के सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है। ये फार्मा कंपनी से 10 डिब्बे खरीदते थे, इन डिब्बों के बैच नंबर और क्यूआर कोड से पुडुचेरी, रुड़की की अवैध फैक्ट्री में एक हजार नकली डिब्बे तैयार कराते थे। आधा दर्जन थोक दवा की फर्मों से बिलों को डायवर्ट कर कर एक हजार डिब्बों की कोलकाता, दिल्ली, लखनऊ के साथ ही हरियाणा और राजस्थान के थोक दवा कारोबारियों को सप्लाई करते थे। पिछले वर्ष अगस्त में औषधि विभाग की टीम और एसटीएफ ने हे मां मेडिको से जाइडस, सन फार्मा, जीएसके, ग्लेनमार्क सहित आधा दर्जन कंपनियों की दवाओं के नकली होने की आशंका पर जब्त किया था।

'सीएम योगी आदित्यनाथ के रुख के कारण' राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर इकबाल अंसारी का बड़ा बयान

अयोध्या, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने अहम प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिक्र करते हुए अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रुख के कारण गलत काम करने वालों को बख्शा नहीं जाता है। राम मंदिर ट्रस्ट अच्छा काम कर रहा है। इकबाल अंसारी ने कहा कि अयोध्या भगवान राम का शहर है। पूरे देश की आस्था भगवान राम से जुड़ी है। सभी को यहां आना चाहिए, पूजा-अर्चना करनी चाहिए और अपनी आस्था बनाए रखनी चाहिए। लोगों को सरयू नदी में पवित्र डुबकी लगानी चाहिए, पूजा करनी चाहिए और भगवान राम के दर्शन करने चाहिए। अयोध्या की संस्कृति का पूरे देश में सम्मान किया जाता है। यहां हर धर्म और हर समुदाय के लोग मौजूद हैं और सभी देवी-देवताओं का सम्मान किया जाता है।

ज्ञानवापी मामलाः मध्यस्थता कोर्ट में सुनवाई पूरी, दोनों पक्षों ने समझौता से किया इनकार

वाराणसी, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ज्ञानवापी मामले में मध्यस्थता कोर्ट में सुनवाई आज (यानि मंगलवार) को पूरी हो गई। दोनों पक्षों ने मध्यस्थता से इनकार कर दिया है। चार पत्रावलियों पर ये बातचीत हुई है। चारों पत्रावलियों के पक्षकार आए थे और सभी ने इस मामले में किसी भी प्रकार की मध्यस्थता से इनकार किया और कोर्ट के निर्णय को सर्वमान्य मानने की बात कही।

वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद से जुड़ा ऐतिहासिक और कानूनी विवाद है।

मंदिर पक्ष का मानना है कि ज्ञानवापी के नीचे आदि-विश्वेश्वर का मंदिर मौजूद है। 1669 में औरंगजेब द्वारा इसे तोड़े जाने के ऐतिहासिक साक्ष्य दिए जाते हैं। मस्जिद पक्ष का दावा है कि यह जमीन सदियों से वक्फ की संपत्ति है और यहां नियमित नमाज होती रही है। वह 'पूजा स्थल अधिनियम 1991' का हवाला देता है, जो किसी भी धार्मिक स्थल के 1947 वाले स्वरूप को बदलने से रोकता है।

मंदिर पक्ष की मांग पर जिला जज की अदालत ने एएसआई सर्वे कराया, जिसमें मंदिर से जुड़े अवशेष और मूर्तियां मिलने का दावा किया गया है। फिलहाल यह मामला वाराणसी जिला अदालत, इलाहाबाद हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

नशे में धुत सिपाही ने कार से कई लोगों को मारी टक्कर, टायर निकलने पर भी नहीं रोकी गाड़ी

अमरोहा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले से एक बेहद हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां कानून के रखवाले ने ही सरेआम कानून की धज्जियां उड़ा दीं। अमरोहा के डिडौली थाना क्षेत्र के जोया इलाके में 13 जुलाई की देर रात यूपी पुलिस के एक सिपाही संजीव तोमर ने शराब के नशे में धुत होकर सड़क पर जमकर तांडव मचाया। नशे में चूर सिपाही ने अपनी तेज रफ्तार कार से कई राहगीरों और वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में दो युवक अमित कुमार और रवींद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। सिपाही संजीव तोमर की लापरवाही और संवेदनहीनता यहीं नहीं रुकी।

लोगों और गाड़ियों को टक्कर मारने के बाद उसने गाड़ी रोकने की जहमत नहीं उठाई, बल्कि पकड़े जाने के डर से कार की रफ्तार और बढ़ा दी। इसी बीच उसकी कार का एक टायर बुरी तरह फटकर पहिए से अलग हो गया। इसके बावजूद आरोपी सिपाही ने कार नहीं रोकी और सिर्फ रिम (व्हील) के सहारे ही गाड़ी को हाईवे पर दौड़ाता रहा। रिम से सड़क पर चिंगारियां निकल रही थीं, जिसे देखकर सड़क पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

'दोषियों को फांसी हो', बंटी यादव के परिजनों से मिले पप्पू यादव, बोले- हम मजबूती से परिवार के साथ हैं

पटना, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बंटी यादव के परिजनों से पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने मुलाकात की। मंगलवार को वे न्यू करबिगहिया स्थित बंटी यादव के घर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बंटी के परिजनों का ढाढस बांधा और सांत्वना भी दिया। सांसद से मिलते ही बंटी यादव की मां फफक-फफककर रो पड़ी। पप्पू यादव के वहां पहुंचने से आस-पास के लोगों की भीड़ जुट गई।

परिजनों से मुलाकात कर पप्पू यादव ने पूरी घटना की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने दोषियों को फांसी दिए जाने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने परिजनों को आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी भी दिए जाने की मांग की। पप्पू यादव ने कहा कि हम परिजनों के साथ मजबूती से खड़े हैं। दोषियों को स्पीडी ट्रायल के जरिए फांसी की सजा दी जाए। इस दौरान मीडिया के सामने पप्पू यादव ने पुलिस पर भी जमकर निशाना साधा। मंगलवार को ही पटना के चर्चित बंटी यादव अपहरण और हत्याकांड मामले में पुलिस विभाग ने कार्रवाई की है। सिटी एसपी (सेंट्रल) ममता कल्याणी ने कर्तव्य के प्रति लापरवाही, अनुशासनहीनता और उदासीनता बरतने के आरोप में कोतवाली थाना के तीन सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) और एक होमगार्ड जवान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सिटी एसपी के आदेश के अनुसार, निलंबित पुलिसकर्मियों में एएसआई प्रवीण कुमार पंकज, एएसआई अवधेश कुमार, एएसआई वीर बहादुर सिंह और होमगार्ड जवान सुदर्शन प्रसाद शामिल हैं।

सभी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस तरह से पुलिस की तरफ से जांच और कार्रवाई दोनों जारी है। जानकारी के अनुसार, बंटी यादव के साथ मारपीट और अपहरण की घटना पटना जंक्शन स्थित टीओपी से महज 100 मीटर की दूरी पर हुई थी। इसके बावजूद न तो टीओपी प्रभारी को इसकी जानकारी मिली और न ही कोतवाली थाना के गश्ती दल या ईआरएसएस-112 पर तैनात पुलिसकर्मी घटना की सूचना प्राप्त कर सके। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए सिटी एसपी ने सख्त कार्रवाई की।

भरत तिवारी एनकाउंटर केसः न्यायिक आयोग के सामने परत दर परत खुल रहा राज, तीसरे दिन छोटे भाई ने दी गवाही

आरा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में 17 जून को हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले की न्यायिक जांच आयोग के समक्ष मंगलवार की दोपहर तीसरे दिन भी गवाही हुई। आयोग के अध्यक्ष विनोद कुमार सिन्हा के समक्ष मृतक भरत तिवारी के छोटे भाई चंदन तिवारी एवं जवैनिया गांव की ललिता देवी ने अपना बयान दर्ज कराया। वहीं, ग्रामीण राजाराम चौधरी निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हो सके, जिसके कारण उनका बयान दर्ज नहीं हो पाया। इस मामले में बुधवार को चार और गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

इनमें सरोज त्रिपाठी, अंजनी तिवारी, उषा देवी, चंद्रावती देवी समेत अन्य गवाह आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे। गौरतलब है कि 11 जुलाई को मृतक की मां आशा देवी और पिता काशीनाथ तिवारी ने आयोग के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया था। इसके बाद सोमवार को तीन अन्य गवाहों मृतक की भाभी सुमन देवी सममेत तीन की गवाही हुई थी। मंगलवार की गवाही के साथ अब तक कुल सात गवाहों के बयान न्यायिक जांच आयोग के समक्ष दर्ज किए जा चुके हैं।

सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर अखिलेश यादव ने कहा 'अनशन तोड़ दें'

लखनऊ, 14 जुलाई (एजेंसियां)। जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे शिक्षाविद और पर्यावरण एक्टविस्ट सोनम वांगचुक की लगातार बिगड़ती सेहत के बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भावुक अपील की है। उन्होंने वांगचुक से अपना अनशन समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि उनका जीवन केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अनमोल है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार पर भी तीखा राजनीतिक हमला बोला। अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा कि, श्री सोनम वांगचुक जी से हमारा अति विनम्र आग्रह और सविनय अपील है कि वो अपना अनशन तोड़ दें। उनका जीवन समस्त विश्व के लिए अनमोल है क्योंकि उसमें मानवता, पर्यावरण और लोकतंत्र के प्रति अद्भुत प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि देश को वांगचुक जैसे लोगों की जरूरत है और उनका संघर्ष आगे भी लोकतंत्र और पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रेरणा देता रहे। अपनी पोस्ट में अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिस सरकार को जगाने के लिए वांगचुक आमरण अनशन पर बैठे हैं, वह 'सिद्धांतहीन, भ्रष्ट और असंवेदनशील' है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को किसी के त्याग या जीवन की कोई परवाह नहीं है और वह केवल सत्ता और धन के अहंकार में डूबी हुई है। उन्होंने लिखा कि सत्याग्रह का महत्व वो क्या जानें, जो सत्ताग्रह के लालच में मंदिर तक लूट ले रहे हैं।

साथ ही दावा किया कि भाजपा सरकार युवाओं, उनके भविष्य और परिवारों के सपनों के प्रति भी संवेदनशील नहीं है। अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट के अंत में कहा कि सोनम वांगचुक का मनोबल और नैतिक शक्ति हर सच्चे भारतीय के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कामना की कि वांगचुक लोकतंत्र, युवाओं और पर्यावरण की लड़ाई में नकारात्मक ताकतों के खिलाफ आगे भी प्रकाश स्तंभ बने रहें।

बाल कथावाचक अभिनव अरोड़ा परिवार समेत बाल-बाल बचे, यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती कार में लगी आग

मथुरा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बाल कथावाचक अभिनव अरोड़ा से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। वह परिवार समेत बाल-बाल बचे हैं। दरअसल उनकी कार में यमुना एक्सप्रेसवे पर चलते समय आग लग गई। समय रहते कार सवार सभी लोग बाहर निकल आए और अनहोनी टल गई। थाना सुरीर इलाके के यमुना एक्सप्रेसवे पर सोमवार तड़के एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब प्रसिद्ध बाल कथावाचक अभिनव अरोड़ा के परिवार की चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। समय रहते परिवार के सभी सदस्य वाहन से बाहर निकल आए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

हालांकि देखते ही देखते कार आग की लपटों में घिरकर पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना थाना सुरीर क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के माइल स्टोन-84 के पास रात करीब 2 बजे की है। सूचना मिलते ही थाना सुरीर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई तथा कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली के विकासपुरी निवासी तरुण राज अरोड़ा अपनी पत्नी ज्योति अरोड़ा, पुत्र अभिनव अरोड़ा तथा पुत्री मन्नत अरोड़ा के साथ यूपी के वृंदावन से दिल्ली लौट रहे थे। वे डस्टर कार संख्या डीएल8सीएक्यू0548 से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान कार से अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही क्षणों में आग की लपटें निकलने लगीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चालक ने तत्काल वाहन को सड़क किनारे रोक दिया और परिवार के सभी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह जल चुका था।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है। आग बुझने के बाद परिवार के लिए दूसरे वाहन की व्यवस्था कर उन्हें सुरक्षित दिल्ली रवाना कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण वाहन में तकनीकी खराबी माना जा रहा है। घटना के चलते एक्सप्रेसवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने शीघ्र ही सामान्य करा दिया।

बांकीपुर उपचुनाव पर अनंत सिंह की पहली प्रतिक्रिया, अपने अंदाज में दिया जवाब

पटना, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में कुछ चेहरे ऐसे हैं जो अपने अंदाज और बेबाक बयान के लिए चर्चित हैं। ऐसे नेताओं का जिक्र किया जाए तो जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव और मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह का नाम तो जरूर आता है। यह चर्चा इसलिए क्योंकि अनंत सिंह ने बांकीपुर सीट से होने वाले उपचुनाव पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

अनंत सिंह बिहार के गोपालगंज पहुंचे थे। एक केस के सिलसिले में वे एमपी-एमएलए कोर्ट में उपस्थित हुए। गोपालगंज में ही पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि बांकीपुर में उपचुनाव है, क्या लग रहा है? इस पर अनंत सिंह ने जवाब देने की जगह कहा, कहां चुनाव है... नहीं पता है। जानकारी हो कि बांकीपुर सीट से 30 जुलाई को मतदान है और एनडीए से बीजेपी ने नीरज कुमार सिन्हा को अपना प्रत्याशी बनाया है। इसके बाद जेडीयू विधायक से पत्रकार ने पूछा कि नीतीश कुमार तो चले गए हैं और सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री हैं।

क्या कहिएगा? इस पर अनंत सिंह ने कहा, वो (नीतीश कुमार) चले ही गए हैं और वो (सम्राट चौधरी) है हीं तो इसमें कहना क्या है? अनंत सिंह से नीतीश कुमार संग रिश्तों को लेकर किए गए सवाल पर जवाब दिया, मेरा सबसे से रिश्ता अच्छा ही है। अनंत सिंह के इस तरह के बयान से एक बार सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। अनंत सिंह पहले भी अपने अनोखे जवाबों और बेबाक बयानों के कारण सुर्खियों में रहे हैं। मोकामा से जेडीयू विधायक अनंत सिंह को कुछ दिनों पहले बिहार विधानसभा की पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति का सदस्य बनाया गया था। उस दौरान भी उनसे इस पद को लेकर सवाल किया गया था तो उन्होंने मीडिया से अनभिज्ञता जताते हुए कहा था कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है कि उन्हें क्या बनाया गया है।

स्कूल छोड़ने जा रहे परिवार पर टूटा कहर! ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से मां की मौत

औरैया, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला की ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। श्यामनगर अटसू निवासी विशाल पोरवाल 27 वर्षीय पत्नी मोहिनी पोरवाल के साथ मंगलवार सुबह करीब आठ बजे अपने पांच वर्षीय पुत्रों लव और कुश के साथ स्कूटी से कान्हा इंटरनेशनल अकादमी, अजीतमल बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रहा था। जैसे ही वह स्कूटी से सिंह वाहिनी महाविद्यालय के समीप पुलिया के पास पहुंची, तभी अजीतमल की ओर से तेज गति और लापरवाही से आ रही महिंद्रा 265 ट्रैक्टर-ट्राली ने स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मोहिनी गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उनके पति और दोनों बच्चे बाल-बाल बच गए। राहगीरों की सूचना पर घायल महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रामपुर गोलीकांड : आरोपित कुलदीप सिंह की जमानत इलाहाबाद हाई कोर्ट में मंजूर, बिलासपुर में हुई थी घटना

प्रयागराज, 14 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रामपुर जिले के बिलासपुर थाना क्षेत्र में हुए गोलीकांड में आरोपी कुलदीप सिंह को सशर्त जमानत दे दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की एकलपीठ ने दिया है। कुलदीप सिंह पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 352, 109 (1) और 3 (5) के तहत आरोप हैं। घटना चार अप्रैल 2026 को दर्ज एफआइआर से जुड़ी है, जो घायल व्यक्ति प्रेम सिंह के बेटे की शिकायत पर दर्ज कराई गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपित और उसका बेटा खेत में विवाद के दौरान पहुंचे और गोली चला दी, जिससे प्रेम सिंह को गोली लगी। बचाव पक्ष का कहना था कि पक्षों के बीच संपत्ति को लेकर बंटवारे का मुकदमा लंबित था और इसी विवाद के चलते जब पक्षकार खेत जोत रहे थे, तब आरोपी ने उन्हें रोका था। आरोपित की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दयाशंकर मिश्रा ने बहस की, जिनकी सहायता चंद्रकेश मिश्रा और अजय कुमार सिंह यादव ने की।

दलील थी कि कुलदीप सिंह को झूठा फंसाया गया है। गोली चलाने की विशिष्ट भूमिका सह-अभियुक्त गुरशन सिंह की बताई गई है, जिससे हथियार भी बरामद हुआ है। कुलदीप सिंह पर केवल उकसाने का आरोप है। आरोपित ने स्वयं घटना में चोट लगने का दावा करते हुए सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत आवेदन दिया था। आरोपित पांच अप्रैल 2026 से जेल में बंद है। चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। आरोपित के विरुद्ध दो पुराने आपराधिक मामले हैं, एक में स्वीकारोक्ति के आधार पर सजा हुई थी, जबकि दूसरे में अभी समन तक जारी नहीं हुआ है। सूचनाकर्ता की ओर से अधिवक्ता गौरव कुमार श्रीवास्तव और राज्य की ओर से अपर शासकीय अधिवक्ता ने जमानत का विरोध किया। उनका कहना था कि उकसाने की भूमिका आरोपी की ही है, प्रत्यक्षदर्शी का बयान भी आरोपी के खिलाफ है, चोटें गंभीर प्रकृति की हैं और हथियार सह-अभियुक्त से बरामद हुआ है। इसलिए जमानत अर्जी खारिज की जानी चाहिए। कोर्ट ने पाया कि आरोपित की भूमिका केवल उकसाने की है, जबकि मामला संपत्ति विवाद से जुड़ा है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने बिना मामले के गुण-दोष पर टिप्पणी किए जमानत अर्जी स्वीकार कर ली।

वक्फ बोर्ड की जांच हुई तो राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों से भी बड़ा घोटाला निकलेगाः मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

बरेली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी का वक्फ बोर्ड को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि वक्फ बोर्ड की जांच हुई तो राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों से भी बड़ा घोटाला निकलेगा। उन्होंने सीएम योगी को पत्र लिखकर सुन्नी और शिया वक्फ बोर्ड की जांच कराने की मांग की है और आरोप लगाया है कि सपा शासनकाल में वक्फ संपत्तियों में हेराफेरी की गई। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने वक्फ बोर्ड को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश के सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। मौलाना ने कहा कि वक्फ पूरी तरह शरीयत और मजहब से जुड़ा मामला है।

हमारे बुजुर्गों ने अपनी जमीन-जायदाद इसलिए वक्फ की थी ताकि उससे होने वाली आमदनी गरीब, यतीम, बेवा और जरूरतमंद मुसलमानों की मदद, उनकी शिक्षा, इलाज और सामाजिक उत्थान पर खर्च हो। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड से जुड़े जिम्मेदार लोगों ने करोड़ों रुपये की वक्फ संपत्तियों को कौड़ियों के दाम बेच दिया और उन्हें भू-माफियाओं के हवाले कर दिया। मौलाना ने आरोप लगाया कि वक्फ संपत्तियों का सबसे ज्यादा नुकसान समाजवादी पार्टी के शासनकाल में हुआ। उन्होंने कहा कि तीन बार मुलायम सिंह यादव और एक बार अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री रहते हुए आजम खान अल्पसंख्यक, वक्फ और हज मंत्री रहे।

उनके कार्यकाल में उनके करीबी लोगों को सुन्नी और शिया वक्फ बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया। उन्होंने जुफर फारूकी, अमीर आलम और हाफिज मोहम्मद उस्मान का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि उनके समय में वक्फ बोर्ड के चेयरमैन, सदस्यों और अधिकारियों ने मिलकर वक्फ की जमीनों को खुर्द-बुर्द (इधर-उधर) किया और भू-माफियाओं के हाथों बेच दिया। मौलाना ने दावा किया कि यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोनों वक्फ बोर्डों की निष्पक्ष जांच करा दें तो राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों से भी बड़ा घोटाला सामने आएगा। यह घोटाला लाखों का नहीं, बल्कि अरबों-खरबों रुपये का होगा।

महानगरपालिका के गार्डन में ही उगा दी गांजे की फसल! सोचा कौन देखेगा?

नागपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। नागपुर में महानगरपालिका के गार्डन में गांजे की फसल उगाने की चौंकाने वाली खबर सामने आई है। आरोपी ने सरकारी गार्डन में किसी को कभी पता नहीं चलेगा ऐसा सोचकर फसल लगा दी। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के गार्डन में मिले बड़े-बड़े गांजे के पौधे मिले हैं। बीजेपी नेता मुन्ना यादव के वीडियो से हंगामा मच गया है। नागपुर के अजनी इलाके में गजानन गार्डन में बड़े-बड़े गांजे के पौधे लगाए गए हैं। बीजेपी नेता मुन्ना यादव ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिससे म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस में हड़कंप मच गया है। लोगों ने पुलिस से शिकायत की थी कि गजानन गार्डन में 16 से 19 साल के बच्चे और युवा गांजा पी रहे थे, लेकिन जांच हुई तो कोई नहीं मिला। इस मामले की आगे जांच के बाद मुन्ना यादव ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें दिखाया गया है कि गार्डन में बड़े-बड़े गांजे के पौधे लगाए गए हैं। मुन्ना यादव ने पूरे मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

थलपति विजय खरीदेंगे पूर्व सीएम जयललिता का पोएस गार्डन वाला बंगला

पड़ोसी रजनीकांत की फिर बढ़ सकती है परेशानी

चेन्नई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सीएम जोसेफ विजय चेन्नई के सबसे पॉश इलाके पोएस गार्डन में शिफ्ट होने का प्लान बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता का पोएस गार्डन वाला घर खरीदने का प्लान बना रहे हैं। सीएम विजय अगर यह बंगला खरीद लेते हैं तो वह सुपरस्टार रजनीकांत के पड़ोसी हो जाएंगे। बताया जा रहा है कि इस संभावित सौदे से रजनीकांत परेशान हैं।

सौदे को लेकर सरकार या विजय की पार्टी (टीवीके) की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस चर्चा ने तमिलनाडु की राजनीति में बड़ी हलचल मचा दी है। सुपरस्टार रजनीकांत भी चेन्नई के पोएस गार्डन इलाके में रहते हैं। सीएम बनने के बाद थलपति विजय रोज सुबह 10 बजे ऑफिस पहुंच जाते हैं और सरकारी टाइम 6 बजे तक दफ्तर में ही काम निपटाते हैं। वह रोजाना नीलांगरई स्थित अपने घर से 17 किलोमीटर का सफर तय करके मरीना बीच के पास स्थित राज्य सचिवालय आते-जाते हैं। इस कारण आम जनता को पीक आवर में ट्रैफिक जाम से जूझना पड़ता है। विजय ने इस समस्या को सुलझाने के लिए सीएम विजय पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता का मशहूर पोएस गार्डन वाला बंगला खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं। इस डील के लिए उनकी जयललिता की भतीजी और वर्तमान मालकिन दीपा जयकुमार के साथ बातचीत चल रही है। ऐतिहासिक बंगले की अनुमानित कीमत 350 करोड़ बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, सुबह सीएम के काफिले के कारण चेन्नई के ईसीआर रोड पर रोजाना सुबह-शाम भारी ट्रैफिक जाम लग रहा है। जाम से स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्रों और ऑफिस जाने वाले आम लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इनआलोचनाओं से बचने के लिए सीएम विजय राज्य सचिवालय के पास नया घर खरीदने का फैसला किया है। तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता का चेन्नई स्थित प्रसिद्ध घर 'वेदा निलयम' पोएस गार्डन इलाके में स्थित है। यह चेन्नई के सबसे पॉश और सुरक्षित इलाकों में से एक है। यह आलीशान बंगला लगभग 24,000) वर्ग फुट के क्षेत्र में फैला हुआ है।

पोएस गार्डन में रहना एक बड़ा स्टेट्स सिंबल माना जाता है। जयललिता इस घर में अपने जीवन के अंतिम 30 रहीं थीं। दिग्गज तमिल सुपरस्टार का आलीशान बंगला पोएस गार्डन में स्थित है। इसके अलावा कुछ समय पहले ही दक्षिण सिनेमा की अभिनेत्री नयनतारा ने भी इसी इलाके में एक महंगा डुप्लेक्स लिया है। अभिनेता धनुष भी इसी इलाके में रहते हैं।

पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मन्नान मल्लिक का निधन

धनबाद, 14 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मंत्री, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और धनबाद के पूर्व विधायक मन्नान मल्लिक का मंगलवार सुबह निधन हो गया। 83 वर्षीय मन्नान मल्लिक ने रांची के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। जानकारी के अनुसार, वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन की खबर से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। मन्नान मल्लिक के निधन की खबर से धनबाद समेत पूरे झारखंड और बिहार कांग्रेस में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन पर राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

बेरमो विधायक कुमार जयमंगल की पत्नी और धनबाद की पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अनुपमा सिंह ने भी दुख जताया है। कांग्रेस नेता अनुपमा सिंह ने अपने एक्स हैंडल पर मन्नान मल्लिक की तस्वीर पोस्ट कर लिखा कि झारखंड के पूर्व मंत्री एवं धनबाद के पूर्व विधायक, हमारे अभिभावक और मार्गदर्शक आदरणीय मन्नान मलिक साहब जी के दुखद निधन का समाचार अत्यंत मर्माहत करने वाला है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

सिमिलिपाल में बाघों की संख्या अब 35: वन विभाग

भुवनेश्वर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। वन विभाग के हालिया कैमरा-ट्रैप अनुमान के अनुसार, सिमिलिपाल इलाके में बाघों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है। सूत्रों ने बताया कि इन नतीजों की जानकारी वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) को दे दी गई है। इस जानकारी की पुष्टि करते हुए, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) और मुख्य वन्यजीव वार्डन प्रेम कुमार झा ने 'द न्यू इंडियन एक्सप्रेस' को बताया कि हालिया कैमरा-ट्रैप सर्वे में सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में 35 अलग-अलग वयस्क बाघों की पहचान की गई है। यह नया अनुमान सिमिलिपाल में बाघों की आबादी में लगातार हो रही बढ़ोतरी को दिखाता है। 'ऑल इंडिया टाइगर एस्टीमेशन' (एआईटीई) 2022 में रिजर्व में बाघों की संख्या 16 बताई गई थी, जबकि ओडिशा सरकार के अपने 2023-24 के अनुमान में 27 बाघ दर्ज किए गए थे। इसके बाद दिसंबर 2024 और जनवरी 2025 के बीच किए गए कैमरा-ट्रैप सर्वे में एक साल से ज़्यादा उम्र के 32 अलग-अलग बाघों की पहचान की गई थी।

इन 35 बाघों में से 17 नर और 18 मादा हैं। इस गिनती में जमुना और ज़ीनत भी शामिल हैं, जिन्हें 2024 में महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व से यहाँ लाया गया था। उन्हें रिजर्व की जेनेटिक विविधता (आनुवंशिक विविधता) को बेहतर बनाने के मकसद से शुरू किए गए 'टाइगर सप्लीमेंटेशन प्रोग्राम' के तहत यहाँ लाया गया था। झा ने इस बढ़ोतरी का श्रेय एसटीआर में पिछले कुछ सालों में सुरक्षा के कड़े उपायों, रहने की जगह (हैबिटेट) में सुधार और शिकार (प्रे-बेस) की उपलब्धता बढ़ाने के लिए किए गए कामों को दिया।

शेर के हमले में बच्चे की मौत

अहमदाबाद, 14 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के जूनागढ़ जिले में गिरनार पहाड़ी पर शेर के हमले में 11 साल के बच्चे की मौत के बाद राज्य सरकार ने तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा के लिए कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत ड्रोन की निगरानी, 25 नए ट्रैकर की तैनाती और शांत क्षेत्र घोषित किया जाना शामिल है। इससे वन्यजीवों को कोई परेशानी नहीं होगी। गुजरात के वन और पर्यावरण मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने गांधीनगर में कहा कि यह फैसला मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के निर्देशों के बाद लिया गया है। उन्होंने बताया कि घटना के तुरंत बाद मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा के लिए तत्काल और कड़े कदम उठाए जाएं। संवेदनशील स्थानों पर स्थायी सुरक्षा चौकियां बनाई जाएंगी। तीर्थ यात्रा मार्ग के आसपास वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन से निगरानी की व्यवस्था की जाएगी। तड़के गिरनार पहाड़ी पर परिवार के साथ चढ़ाई करते समय 11 वर्षीय मयूर चौहान की शेर के हमले में मौत हो गई थी।

यूएस-ईरान युद्ध

अब तक 14 अमेरिकी सैनिकों की मौत, 414 घायल

वॉशिंगटन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान युद्ध में अमेरिकी सेना का मौत का आंकड़ा बढ़कर 14 हो गया है। ताजा मौत अमेरिकी नौसेना (नेवी) के एक पायलट की हुई है, जिसकी जुलाई की शुरुआत में अरब सागर में हेलिकॉप्टर दुर्घटना में गंभीर चोट लग गई थी। इसके साथ ही युद्ध में घायल अमेरिकी सैनिकों की संख्या बढ़कर 414 हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, घायल सैनिकों में ज्यादातर ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) यानी सिर और दिमाग में गंभीर चोट से पीड़ित हैं।

ऐसी चोटें आमतौर पर मिसाइल हमलों और बड़े धमाकों के आसपास मौजूद सैनिकों को लगती हैं। मार्च में युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली नई मौत है। इससे पहले 13 अमेरिकी सैनिक अलग-अलग घटनाओं में मारे गए थे। हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच फिर से हमले शुरू हुए हैं, लेकिन अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि ताजा हमलों में कोई नया सैनिक जख्मी हुआ है या नहीं। अमेरिकी नौसेना ने पहले 1 जुलाई को हुई इस घटना को इमरजेंसी लैंडिंग बताया था। उस समय कहा गया था कि हेलिकॉप्टर किसी दुश्मन के हमले की वजह से नहीं गिरा था। हेलिकॉप्टर में मौजूद तीन अन्य नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया था। अब पेंटागन ने जुलाई की अपनी रिपोर्ट में इस घटना को गैर-युद्ध कारण से हुई मौत के रूप में दर्ज किया है।

इससे पहले हुई 13 मौतों में 6 अमेरिकी सैनिक कुवैत में एक कमांड सेंटर पर ईरानी ड्रोन हमले में मारे गए थे। एक अन्य सैनिक सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर हुए हमले में घायल हुआ था और एक हफ्ते बाद उसकी मौत हो गई। वहीं 6 अन्य सैनिक इराक में अमेरिकी सेना के केसी-135 ईंधन भरने वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से मारे गए थे। सेंट्रल कमांड ने बताया कि अब तक 414 अमेरिकी सैनिक घायल हो चुके हैं।

बंगाल के झाड़ग्राम में सीआइएसएफ जवान की बंदूक से चली गोली, दो मजदूर जख्मी

झाड़ग्राम, 14 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के बिनपुर थाना क्षेत्र के बेतकुंदरी इलाके में सीआइएसएफ के एक जवान की बंदूक से कथित तौर पर दुर्घटनावश गोली चलने से बालू खदान में काम करने वाले दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना दहिजुड़ी सीआइएसएफ कैंप के पास हुई। गोली चलने के बाद कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि पुलिस ने बताया कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य और नियंत्रण में है। पुलिस के अनुसार, घायलों की पहचान शुभदीप घोष और अमित मंडल के रूप में हुई है। दोनों बीरभूम जिले के दुबराजपुर थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुर गांव के निवासी हैं। जीविका की तलाश में वे झाड़ग्राम जिले के बिनपुर-1 ब्लॉक स्थित एक बालू खदान में मजदूरी करते हैं। दोनों मजदूर काम खत्म कर अपने ठिकाने लौट रहे थे।

इसी दौरान ये हादसा हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार बेतकुंदरी स्थित दहिजुड़ी सीआइएसएफ कैंप के पास ड्यूटी पर तैनात जवानों ने काम से लौट रहे मजदूरों से पूछताछ शुरू की। इसी दौरान एक सीआइएसएफ जवान की बंदूक से दुर्घटनावश गोली चल गयी, जिसकी चपेट में दोनों मजदूर आ गये। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। गोली लगने से शुभदीप घोष के सीने के पिछले हिस्से और बाएं पैर में गंभीर चोट लगी, जबकि अमित मंडल के बाएं पैर में गोली लगी। दोनों मौके पर ही घायल होकर गिर पड़े। दोनों घायलों को तत्काल झाड़ग्राम गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें कोलकाता रेफर कर दिया गया।

'भारत ने पनडुब्बियों पर तैनात किए 12 परमाणु बम' घबराईं पूर्व पाकिस्तानी राजदूत ने बताया खतरा

इस्लामाबाद, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की पूर्व राजनयिक मलीहा लोधी ने कहा है कि भारत अपनी पनडुब्बियों पर परमाणु हथियार तैनात कर रहा है। उन्होंने इसे पाकिस्तान के लिए उभरता हुआ बड़ा खतरा बताया है। लोधी ने पाकिस्तान के जियो न्यूज पर हामिद मीर के एक शो में ये दावा किया और इसे भारत की परमाणु नीति में बड़ा बदलाव बताया। पूर्व पाकिस्तानी राजदूत ने कहा कि भारत कम से कम 12 परमाणु हथियार को सबमरीन पर लगा रहा है। लोधी ने कहा, जो विश्वसनीय रिपोर्ट आ रही है वह पाकिस्तान के लिए उभरता हुआ रणनीतिक खतरा है।

रिपोर्ट यह है कि भारत ने न्यूक्लियर हथियार को ऑपरेशनल तौर पर तैनात करना शुरू कर दिया है। उन्होंने सिपरी का हवाला देते हुए आगे कहा कि 12 के करीब न्यूक्लियर वॉरहेड को तैनात करना शुरू कर दिया गया है। पाकिस्तान की पूर्व राजनयिक ने आगे कहा कि अगर ऐसा होता है तो यह भारत की परमाणु नीति के बिल्कुल उलट होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु हथियार संपन्न देश हैं, लेकिन दोनों ने अपने न्यूक्लियर वॉरहेड और मिसाइल को अलग रखा है। अगर भारत उनको 12 न्यूक्लियर वॉरहेड को मिसाइल के साथ लगाकर तैनाती की तरफ चला गया है,

यह पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ा खतरा है। उन्होंने तर्क दिया कि इससे पता चलता है कि भारत अपनी परमाणु प्रतिरोध नीति को औपचरिक तौर पर भले नहीं बदल रहा है, लेकिन ऑपरेशनल स्तर पर ऐसा कर रहा है। इससे पाकिस्तान के लिए खतरे का दायरा पूरी तरह बदल जाता है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट (सिपरी) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास 190 परमाणु हथियार हैं, जबकि पाकिस्तान के पास लगभग 170 परमाणु हथियार ही हैं। कुछ साल पहले तक भारत और पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की संख्या लगभग बराबर थी, लेकिन नई दिल्ली ने हाल के वर्षों में इसमें तेजी लाई है।

छापामारी कर लौट रही हजारीबाग पुलिस की गाड़ी खड़े ट्रेलर से टकराई, एक सिपाही की मौत; 4 की हालत गंभीर

हजारीबाग, 14 जुलाई (एजेंसियां)। धनबाद के मैथन से छापेमारी कर लौट रही चलकुशा थाना पुलिस की टीम मंगलवार की सुबह भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। जीटी रोड पर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से पुलिस वाहन की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में आरक्षी राम लखन यादव (43) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन चालक समेत चार अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार चलकुशा थाना की पुलिस टीम एक मामले में छापेमारी के लिए धनबाद के मैथन गई थी।

कार्रवाई पूरी कर सभी पुलिसकर्मी सरकारी वाहन से हजारीबाग लौट रहे थे। मंगलवार सुबह जीटी रोड पर सफर के दौरान वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े ट्रेलर के पिछले हिस्से से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पुलिस वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार जवान बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की हिमाचल सरकार की याचिका

60 साल की उम्र में रिटायर होंगे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

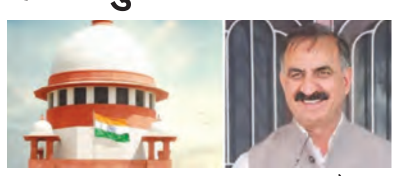

शिमला, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल सरकार की याचिका को खारिज करते हुए कर्मचारियों के हित में फैसला सुनाया है। प्रदेश के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को राहत मिली है, इनकी रिटायरमेंट अब 60 साल की आयु में ही होगी। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने सेवानिवृत्ति आयु को लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को राहत दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कोई त्रुटि न पाते हुए सरकार की अपील को खारिज कर दिया। हाई कोर्ट ने आदेश दिए थे कि सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर ही सेवानिवृत्त किया जाए। स्पष्ट किया था कि जो भी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी 10 मई 2001 से पहले अथवा बाद में सरकारी सेवाओं में लगे हैं, उन्हें 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर सेवानिवृत्त किया जाए। जिन कर्मचारियों को 60 वर्ष की आयु से पहले सेवानिवृत्त किया है, उन्हें नौकरी के लिए बुलाया जाए। कोर्ट ने उन्हें 60 वर्ष की आयु पूरी करने पर ही सेवानिवृत्त करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने उन कर्मचारियों को भी राहत दी थी, जिन्हें 60 वर्ष की आयु पूरी होने के कारण वापस नौकरी पर नहीं रखा जा सकता था। कोर्ट ने ऐसे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मुआवजे के तौर पर पेंशन काटकर दो वर्ष का वेतन देने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने 21 फरवरी 2018 को सरकार द्वारा जारी अधिसूचना को भी रद कर दिया था, जिसके तहत यह व्यवस्था दी थी कि 10 मई 2001 के बाद नियुक्त चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को 58 वर्ष की आयु पूरी करने पर सेवानिवृत्त किया जाएगा। इस अधिसूचना को विभिन्न याचिकाओं के माध्यम से हाई कोर्ट के समक्ष चुनौती दी गई थी। प्रदेश हाई कोर्ट में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव व न्यायाधीश ज्योत्सना रिवाल दुआ की खंडपीठ ने एक साथ 112 याचिकाओं का निपटारा करते हुए राज्य सरकार को निर्देश जारी किए थे कि जो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अंतरिम आदेश की दृष्टिगत सेवाएं 58 वर्ष के बाद भी जारी रखे हुए हैं, वे 60 वर्ष की आयु तक कार्य करेंगे।

किम जोंग उन ने भारी बारिश को लेकर 'पूरी सावधानी' बरतने का आदेश दिया

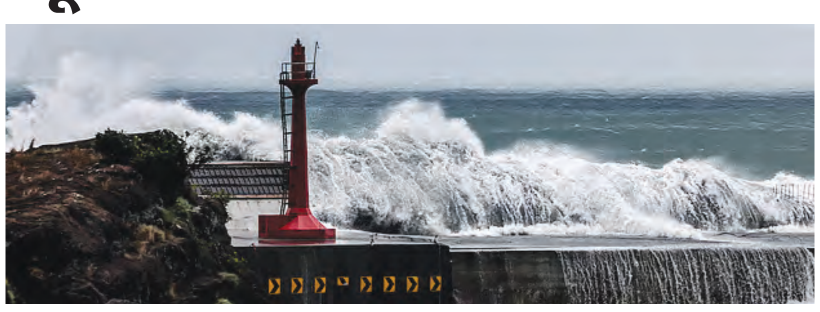

सियोल, 14 जुलाई (एजेंसियां)। टाइफून 'बावी' के करीब आने के साथ ही उत्तर कोरिया ने मंगलवार को भारी बारिश और तेज़ हवाओं की चेतावनी जारी की। नेता किम जोंग उन ने नुकसान से बचने के लिए पूरी सावधानी बरतने का आग्रह किया।कमज़ोर बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था के कारण, प्राकृतिक आपदाओं का उत्तर कोरिया जैसे अलग-थलग देश पर बहुत बुरा असर पड़ता है।

प्योंगयांग के सरकारी अख़बार 'रोडोंग सिनमुन' के अनुसार, मंगलवार और बुधवार के बीच येलो सी से होते हुए देश के मध्य क्षेत्र को पार करने से पहले टाइफून के कमज़ोर होकर कम दबाव वाले सिस्टम में बदलने की उम्मीद है।अख़बार ने बताया कि देश की मौसम एजेंसी ने भारी बारिश और तेज़ हवाओं की चेतावनी जारी की है। किम के हवाले से कहा गया कि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से पूरी सावधानी बरतने और नुकसान को कम करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया गया है।'रोडोंग' ने बताया कि मंगलवार को देश के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में 80-120 मिलीमीटर (3.1-4.7 इंच) बारिश और प्रति घंटे 30-60 मिलीमीटर की तेज़ बारिश का अनुमान है। दक्षिणी क्षेत्रों और अन्य इलाकों में 150-200 मिलीमीटर बारिश होने की संभावना है, साथ ही पश्चिमी तट और कुछ अंदरूनी इलाकों में 10-15 मीटर प्रति सेकंड की रफ़्तार से हवाएं चल सकती हैं।

कोरियाई सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी ने पिछले हफ़्ते बताया था कि उत्तर कोरिया ने आपदा से बचाव के प्रयास तेज़ कर दिए हैं। हाल ही में दक्षिण कोरिया में भी भारी बारिश हुई थी, जिससे कुछ इलाकों में 200 मिलीमीटर तक बारिश दर्ज की गई। मध्य चुंगचेओंग प्रांत में सैकड़ों निवासी या तो इलाका छोड़कर चले गए या बाढ़ के कारण फंस गए।

पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के नेटवर्क पर एटीएस का एक्शन; महाराष्ट्र में कई जगह छापेमारी, संदिग्धों से पूछताछ

मुंबई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े नेटवर्क के खिलाफ महाराष्ट्र एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) ने एक बार फिर बड़ा अभियान शुरू किया है। इस कार्रवाई के तहत पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ समेत राज्य के कई इलाकों में एक साथ छापेमारी की जा रही है। एटीएस की कई टीमें अलग-अलग शहरों में संदिग्ध व्यक्तियों के ठिकानों पर पहुंचीं और पूछताछ के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया है। महाराष्ट्र एटीएस के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया है कि शहजाद भट्टी अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सोशल मीडिया के जरिए भारतीय युवाओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहा था। इसके लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और व्हाट्सएप जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया जा रहा था। एटीएस इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है और सभी संदिग्ध संपर्कों की पड़ताल की जा रही है। इससे पहले 10 जुलाई को भी महाराष्ट्र एटीएस ने शहजाद भट्टी के संपर्क में आए संदिग्धों के खिलाफ बड़ा तलाशी और पूछताछ अभियान चलाया था। उस दौरान एटीएस की 14 यूनिटों की 58 टीमों ने राज्यभर में 102 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका थी कि शहजाद भट्टी सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय युवाओं को देश विरोधी गतिविधियों के लिए उकसाने की कोशिश कर रहा है।

लाल किला एक महीने के लिए बंद

नहीं मिलेगी एंट्री, प्लान बनाने से पहले जान लें क्या है नया नियम

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली घूमने की योजना बना रहे पर्यटकों के लिए एक जरूरी अपडेट सामने आया है। अगर आपकी यात्रा सूची में लाल किला शामिल है, तो पहले यह खबर जरूर पढ़ लें। स्वतंत्रता दिवस 2026 की तैयारियों के चलते ऐतिहासिक लाल किले में आम लोगों की एंट्री अस्थायी रूप से रोक दी गई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है, जिसके तहत एक महीने तक पर्यटक इस विश्वप्रसिद्ध धरोहर का भ्रमण नहीं कर सकेंगे। एएसआई के आदेश के मुताबिक 15 जुलाई 2026 से 15 अगस्त 2026 तक लाल किले में आम पर्यटकों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

इस दौरान टिकट बुक कराने या मौके पर पहुंचने वाले किसी भी पर्यटक को परिसर के भीतर जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। इसलिए यात्रा की योजना बनाने से पहले इस चीज का ध्यान रखें। पुरातत्व विभाग ने 9 जुलाई 2026 को जारी आदेश में बताया है कि यह फैसला प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल और अवशेष नियम, 1959 के नियम-5 के तहत लिया गया है। राष्ट्रीय महत्व के आयोजन को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से यह अस्थायी प्रतिबंध लागू किया गया है। स्वतंत्रता दिवस पर देश का मुख्य सरकारी कार्यक्रम हर साल लाल किले की प्राचीर से आयोजित होता है, जहां प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित करते हैं।

समारोह से पहले मंच तैयार करने, सुरक्षा उपकरण स्थापित करने, विभिन्न एजेंसियों के अभ्यास और अन्य व्यवस्थाओं के लिए पूरे परिसर को सुरक्षा बलों के नियंत्रण में दे दिया जाता है। इसी वजह से इस अवधि में पर्यटकों की एंट्री रोक दी जाती है। स्वतंत्रता दिवस समारोह समाप्त होने के बाद लाल किले में आम लोगों की आवाजाही दोबारा शुरू कर दी जाएगी।

विजय की टीवीके के विधायक को 35 करोड़ की रिश्वत ऑफर केस में ईडी की जांच शुरू पुलिस ने सौंपे अहम दस्तावेज

चेन्नई, 14 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चेन्नई के रॉयपेट्टा से जुड़े कथित अवैध मनी ट्रांसफर मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके तहत सोमवार को ईडी अधिकारियों ने चेन्नई महानगर पुलिस से इस मामले से जुड़े दस्तावेजों की प्रतियां हासिल कीं। इस मामले में पुलिस पहले ही एक संदिग्ध के पास से 60 लाख रुपये की नकदी बरामद कर चुकी है। अब ईडी इस रकम के स्रोत और कथित धन लेनदेन के पूरे नेटवर्क की जांच करेगी। यह मामला तब सामने आया जब तमिलनाडु की सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के उथनकरई विधानसभा क्षेत्र से विधायक एन। इलैयाराजा ने चेन्नई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

अपनी शिकायत में विधायक ने आरोप लगाया कि तिरुनावुक्करासु नाम के एक व्यक्ति ने खुद को इंडियन पॉलिटिकल डेमोक्रेटिक स्ट्रैटेजीज (आईडीपीएस) नामक चुनावी सर्वेक्षण कंपनी का मालिक बताया। विधायक के अनुसार, आरोपी ने उनसे विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) के खिलाफ लाए जाने वाले अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए कहा। इसके बदले 35 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की पेशकश की गई। विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि प्रस्ताव ठुकराने पर उन्हें धमकी दी गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 15 जुलाई - 2026

लाभार्थी चयन में निष्पक्षता जरूरी

सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का मूल उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद वर्गों को सहायता प्रदान करना है। इन योजनाओं की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उनका लाभ सही और पात्र लोगों तक पहुंचे। यदि लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही का अभाव हो, तो योजनाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना को लेकर हाल में सामने आए घटनाक्रम ने इसी चिंता को उजागर किया है। महाराष्ट्र सरकार ने जुलाई 2024 में इस योजना की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य 21 से 65 वर्ष आयु वर्ग की पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करना था। योजना के तहत लगभग 2.4 करोड़ महिलाओं को लाभार्थी बनाया गया। किंतु हाल ही में लगभग 5 लाख महिलाओं को अपात्र घोषित कर सूची से बाहर कर दिया गया। इससे लाभार्थी चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और प्रशासनिक दक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं। किसी भी सरकारी योजना के लिए पहले पात्रता के स्पष्ट नियम निर्धारित किए जाते हैं। इसके बाद संबंधित विभाग दस्तावेजों के सत्यापन के आधार पर लाभार्थियों का चयन करता है। ऐसे में यदि बड़ी संख्या में लोगों को बाद में अपात्र घोषित किया जाता है, तो यह केवल लाभार्थियों की गलती नहीं मानी जा सकती। यह प्रशासनिक लापरवाही, सत्यापन प्रक्रिया की कमजोरी या नियमों के प्रभावी अनुपालन में कमी का संकेत भी हो सकता है। विपक्ष ने इसे चुनावी लाभ के लिए नियमों में ढील देने का परिणाम बताया है, जबकि सरकार का कहना है कि समय-समय पर पात्रता का सत्यापन प्रत्येक कल्याणकारी योजना की सामान्य प्रक्रिया है और अपात्र पाए जाने पर नाम हटाना प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा है। यह आवश्यक है कि सरकार केवल अपात्र लाभार्थियों को हटाने तक सीमित न रहे, बल्कि यह भी जांच करे कि प्रारंभिक चयन में त्रुटि क्यों हुई। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही, गलत सत्यापन या अन्य कारणों से अपात्र व्यक्तियों को लाभ मिला है, तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। साथ ही जिन वास्तविक पात्र लोगों का नाम छूट गया है, उन्हें शीघ्र योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाना चाहिए। आज अधिकांश सरकारी योजनाओं में आधार आधारित सत्यापन और डिजिटल तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके बावजूद यदि बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने आती हैं, तो यह स्पष्ट करता है कि केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। जमीनी स्तर पर प्रभावी सत्यापन, नियमित ऑडिट, सामाजिक अंकेक्षण, शिकायत निवारण तंत्र और पारदर्शी निगरानी व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक है। लाभार्थियों की सूची को सार्वजनिक करने तथा समय-समय पर स्वतंत्र समीक्षा कराने से जनता का विश्वास मजबूत होगा। अंततः, कल्याणकारी योजनाएं केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास का आधार भी हैं। सार्वजनिक धन जनता के करों से प्राप्त होता है, इसलिए उसका उपयोग पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ होना चाहिए।

कारामेलो डॉग: जब एक आवारा कुत्ता बन गया दो देशों की सांस्कृतिक अस्मिता का सवाल

अनिकेत सिंह

ब्राजील के लोगों के लिए, कारामेलो केवल एक आवारा कुत्ता नहीं, बल्कि उनकी संस्कृति, लोकजीवन और भावनाओं का प्रतीक है। दूसरे ओर मेक्सिको भी इसे अपनी स्थानीय विरासत का दर्जा देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस मुद्दे ने दोनों देशों के बीच सोशल मीडिया पर तीखी बहस छेड़ दी है। दुनिया में सीमाओं, इतिहास और संस्कृति को लेकर देशों के बीच विवाद होते रहे हैं, लेकिन शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक साधारण आवारा कुत्ता भी दो देशों के बीच सांस्कृतिक विवाद का कारण बन सकता है। आज यही स्थिति कारामेलो डॉग को लेकर ब्राजील और मेक्सिको के बीच देखने को मिल रही है।

ब्राजील के लोग कारामेलो को अपनी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा मानते हैं, जबकि मेक्सिको भी उसे अपनी स्थानीय नस्ल के रूप में मान्यता देने की कोशिश कर रहा है। यह विवाद केवल एक कुत्ते का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और भावनात्मक जुड़ाव का बन गया है। इस पूरे विवाद की शुरुआत 16 अप्रैल 2026 को हुई, जब मेक्सिको के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य मेक्सिको स्टेट की संसद में एक प्रस्ताव के माध्यम से कारामेलो को राज्य की सांस्कृतिक विरासत घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की गई।यह घोषणा होते ही ब्राजील में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। सोशल मीडिया पर हजारों लोगों ने विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि कारामेलो ब्राजील की पहचान है और उसे किसी दूसरे देश की स्थानीय नस्ल बताना उचित नहीं है।कारामेलो कोई दुर्लभ नस्ल का कुत्ता नहीं है। यह सामान्य तौर पर सड़कों पर दिखाई देने वाला मिश्रित नस्ल का श्वान है। अनुमानों के अनुसार ब्राजील में लगभग दो करोड़ आवारा कुत्ते हैं, जिनमें करीब 90 प्रतिशत यानी लगभग 1.8 करोड़ कारामेलो हैं। मेक्सिको में भी इनकी संख्या बहुत अधिक है और लगभग हर शहर की गलियों में ये आसानी से दिखाई देते हैं। फिर भी ब्राजील में कारामेलो को जो लोकप्रियता मिली है, वह उसे केवल एक सड़क के कुत्ते से कहीं आगे ले जाती है। ब्राजील में कारामेलो केवल लोगों का साथी नहीं, बल्कि लोकप्रिय संस्कृति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोकगीतों, उपन्यासों, फिल्मों और चित्रकला तक में इसकी उपस्थिति दिखाई देती है। कुछ वर्ष पहले ब्राजील में नागरिकों ने अभियान चलाकर सरकार से मांग की थी कि कारामेलो का चित्र देश की मुद्रा पर भी छापा जाए। इस मांग के समर्थन में दो लाख से अधिक लोगों ने याचिका पर हस्ताक्षर किए थे।लोगों का तर्क था कि जब मुद्रा पर अन्य जीवों को स्थान मिल सकता है, तो देश की सबसे लोकप्रिय पहचान बन चुके कारामेलो को भी सम्मान मिलना चाहिए।यही कारण है कि जब मेक्सिको ने उसे अपनी स्थानीय विरासत घोषित करने की पहल की, तो ब्राजील में इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान पर दावा माना गया। कारामेलो किसी एक नस्ल का कुत्ता नहीं है। यह सैकड़ों नस्लों के प्राकृतिक मिश्रण का परिणाम है।

कई संस्थाओं, जिनमें डीएनए पेट्स भी शामिल है, के अध्ययनों में पाया गया कि इसमें यूरोप, एशिया और अमेरिका की लगभग 300 नस्लों के आनुवंशिक तत्व मौजूद हैं। पुर्तगालियों द्वारा लाए गए शेफर्ड डॉग, जर्मन और स्पेनिश शिकारी कुत्तों तथा स्थानीय नस्लों का मिश्रण इसमें देखने को मिलता है। विशेषज्ञों का मानना है कि शुद्ध नस्ल के कुत्तों में आनुवंशिक बीमारियों की संभावना अधिक होती है, जबकि कारामेलो में अत्यधिक आनुवंशिक विविधता होने के कारण गंभीर बीमारियों की संभावना अपेक्षाकृत कम रहती है। इनका स्वभाव भी शांत, संतुलित और मिलनसार होता है।

आस्था के धाम में अपवित्र सेंध और धार्मिक शुचिता का संकट

अशोक भाटिया

भारत एक ऐसा देश है जहाँ धर्म सिर्फ जीवन पद्धति नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की रगों में दौड़ता विश्वास है। यहाँ एक आम नागरिक अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई से एक हिस्सा निकालकर भगवान के चरणों में इस विश्वास के साथ अर्पित करता है कि उसका यह दान समाज के कल्याण, दरिद्र नारायण की सेवा और मंदिर की व्यवस्था में काम आएगा। लेकिन जब इसी 'आस्था के धाम' से घोटालों, चोरी, वित्तीय हेरफेर और गबन की खबरें सुर्खियां बनती हैं, तो सिर्फ कानून नहीं टूटता, बल्कि देश की सामूहिक चेतना और करोड़ों श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास तार-तार हो जाता है।

हाल के दिनों में देश के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित धार्मिक केंद्रों से सामने आई वित्तीय अनियमितताओं ने यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारे पावन परिसर अब धार्मिक शुचिता के केंद्र न रहकर केवल अकूत संपत्ति के प्रबंधन और उस पर कुंडली मारकर बैठने वाले कुछ भ्रष्ट तत्वों के चारागाह बन चुके हैं? अयोध्या के भव्य राम मंदिर परिसर में दानपात्रों की गिनती के दौरान हुई लाखों-करोड़ों की चोरी और राजस्थान के सुप्रसिद्ध बुटाटी धाम में लगभग 22.74 करोड़ रुपये के गबन के मामलों ने देश को झकझोर कर रख दिया है। यह संपादकीय इस कड़वी हकीकत के विभिन्न पहलुओं, इसके पीछे के कारणों और व्यवस्थागत सुधारों की आवश्यकता पर एक गहरी नजर डालता है।वैसे धार्मिक स्थलों पर घोटालों का इतिहास नया नहीं है, लेकिन हाल ही में सामने आए दो मामलों ने इस समस्या की भयावहता को पूरी तरह उजागर कर दिया है। पहला - अयोध्या में राम लला के भव्य मंदिर का निर्माण हर भारतीय के लिए सदियों के इंतजार और अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से ही यहाँ देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का ताँता लगा हुआ है और मंदिर को भारी मात्रा में नकद, सोना और चांदी दान में मिल रहे हैं। लेकिन हाल ही में इस पवित्र परिसर से जो खबर आई, उसने हर सनातनी का सिर शर्म से झुका दिया।मंदिर के ही कुछ कर्मचारियों द्वारा दानपात्रों की गिनती के समय बड़े पैमाने पर नकद और आभूषणों को चुराने का मामला प्रकाश में आया। यह चोरी कोई छोटी-मोटी घटना नहीं थी, बल्कि एक संगठित तरीके से अंजाम दी जा रही व्यवस्थागत सेंधमारी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस समय सुप्रीम कोर्ट खुद इसकी निगरानी कर रहा है और विशेष जांच दल से स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई है। अब तक करीब 80 लाख रुपये नकद बरामद किए जा चुके हैं और कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस घटना के बाद मंदिर ट्रस्ट के पिछले पांच साल के खातों का फिर से ऑडिट (री-ऑडिट) कराने का आदेश दिया गया है, जो यह दर्शाता है कि गड़बड़ी की जड़ें कितनी गहरी हो सकती हैं। दूसराराजस्थान के नागौर जिले में स्थित बुटाटी धाम (श्री चतुरदास महाराज मंदिर) देश भर में लकवा पीड़ितों के इलाज और उनकी सेवा के लिए एक चमत्कारी व पवित्र स्थान माना जाता है। यहाँ लोग बिना किसी स्वार्थ के केवल सेवा भाव और श्रद्धा से आते हैं। लेकिन जांच रिपोर्टों में यहाँ जो खुलासा हुआ, वह आँखें खोलने वाला है।प्रशासनिक जांच में सामने आया है कि बुटाटी धाम में लगभग 22.74 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताएं की गईं। श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोने-चांदी के गहने रहस्यमयी ढंग से गायब हो गए। हद तो तब हो गई जब मंदिर की भोजनशाला (रसोई) और सीसीटीवी कैमरों के नाम पर लाखों रुपये के फर्जी बिल बनाकर पैसे निकाल लिए गए। स्थानीय प्रशासन ने मंदिर की तत्कालीन समिति के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की है। जो स्थान पीड़ितों के दर्द को हरने के लिए जाना जाता था, वहाँ चंद लोगों की तिजोरियां भरने का घिनौना खेल चल रहा था।धार्मिक स्थलों पर इस प्रकार के घोटालों और चोरियों के बार-बार सामने आने के पीछे कुछ स्पष्ट व्यवस्थागत और नैतिक कमियाँ हैं, जिन्हें समझे बिना इसका समाधान संभव नहीं है: जैसे अपारदर्शी वित्तीय व्यवस्था में आज भी कई बड़े मंदिरों और धार्मिक ट्रस्टों में आज भी चढ़ावे और खर्च का कोई डिजिटल या पारदर्शी रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं किया जाता। दानपात्रों से निकलने वाले पैसे की गिनती बंद कमरों में होती है, जहाँ आधुनिक तकनीक जैसे लाइव सीसीटीवी मॉनिटरिंग या तीसरे पक्ष की निगरानी का अभाव होता है।दूसरा जवाबदेही और कड़े ऑडिट का न होना:धार्मिक मामलों में अक्सर सरकारें और समाज सीधे हस्तक्षेप करने से कतराते हैं। इसी 'स्वायत्तता' का फायदा उठाकर कुछ ट्रस्ट और कमेटियां निरंकुश हो जाती हैं। नियमित और स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा फॉरेंसिक ऑडिट न होने के कारण वित्तीय हेरफेर सालों-साल दबे रह जाते हैं।तीसरा राजनीतिकरण और रसूखदारों का कब्जा:

देश के कई बड़े मंदिरों की प्रबंधन समितियों में सेवादारों या धार्मिक विद्वानों के बजाय राजनीतिक रसूख वाले लोगों, नौकरशाहों के करीबियों या स्थानीय बाहुबलियों को जगह मिल जाती है। इनके लिए मंदिर एक पवित्र स्थान से ज्यादा शक्ति, प्रभाव और धन अर्जित करने का जरिया बन जाता है।चौथा कर्मचारियों का नैतिक पतन और कम वेतन:अक्सर देखा गया है कि मंदिरों में दान गिनने या व्यवस्था संभालने वाले निचले स्तर के कर्मचारियों को बहुत कम वेतन दिया जाता है। जब ये कर्मचारी अपनी आँखों के सामने रोजाना करोड़ों रुपये का चढ़ावा देखते हैं, तो उनका नैतिक संयम डगमगा जाता है और वे चोरी के रास्ते पर चल पड़ते हैं।भक्तों की अंधश्रद्धा:भक्त अक्सर भगवान के डर या अत्यधिक श्रद्धा के कारण यह सवाल कभी नहीं पूछते कि उनके द्वारा दिए गए दान का इस्तेमाल कहाँ हो रहा है। वे रसीद लिए बिना नकद या सोना चढ़ा देते हैं, जिससे यह काला धन सीधे तौर पर भ्रष्ट प्रबंधकों की जेब में चला जाता है।सामाजिक और धार्मिक ताने-बाने पर इसका प्रभाव बहुत पड़ता है क्योकि जब आस्था के केंद्रों में घोटाले होते हैं, तो इसका नुकसान केवल वित्तीय नहीं होता। इसके दूरगामी सामाजिक और धार्मिक परिणाम होते हैं:जैसे नास्तिकता और अविश्वास की भावना पैदा होना : युवा पीढ़ी, जो पहले से ही धर्म और तार्किकता के बीच संतुलन तलाश रही है, जब ऐसी खबरें देखती है तो उसका धर्म और व्यवस्था से भरोसा उठने लगता है। यह समाज में एक प्रकार के नैतिक शून्यवाद को जन्म देता है।परोपकार की भावना में कमी होना : मंदिरों का मुख्य उद्देश्य केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समाज के गरीब तबके की मदद करना, स्कूल-अस्पताल चलाना और आपदा के समय संबल बनना होता है। घोटालों के कारण जब लोग दान देना कम या बंद कर देते हैं, तो इन कल्याणकारी कार्यों पर सीधा असर पड़ता है।वैश्विक पटल पर छवि धूमिल होना : भारत को दुनिया भर में 'अध्यात्म की भूमि' के रूप में देखा जाता है। अयोध्या जैसे वैश्विक सांस्कृतिक महत्व के केंद्रों में होने वाली चोरियाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को नुकसान पहुँचाती हैं।

रोजगार नहीं, अवसर का सृजन ही शक्ति कौशल है

योगेश कुमार गोयल

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निर्माताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दर्शाता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है। युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो।

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है, इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है और इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान बढ़ा सकें। दरअसल युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं, इसलिए उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेन्टसशिप प्रोमोशन स्कीम', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने हेतु 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं भी शामिल हैं।संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हिंसक संघर्ष शिक्षा और स्थिरता को बाधित करते हैं, ऑनलाइन वातावरण में नकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला ध्रुवीकृत वातावरण और लगातार आर्थिक असमानता अवसरों को सीमित करती है। ये मुद्दे न केवल व्यक्तिगत भविष्य बल्कि समाज की समग्र स्थिरता को भी खतरे में डालते हैं। शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने, जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों का पोषण करने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं की क्षमता को पहचानने, उन्हें चुनौतियों का सामना करने तथा शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए कौशल और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर देता है। दरअसल तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सैट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है।

हर साल करोड़ों पेड़ लग रहे फिर भी घट रहा ग्रीन कवर

स्नेहा सिंह

जैसे ही मानसून की पहली बारिश होती है, सबसे पहले सरकारी तंत्र की प्रीमानसून तैयारियों की पोल खुल जाती है और उसके बाद एक और सरकारी दिखावा भी भीग जाता है। बारिश शुरू होते ही सरकारी विभाग अपनी परिचित औपचारिकताओं में व्यस्त हो जाते हैं। वन विभाग, नगरपालिकाएं, जिला प्रशासन और स्वयंसेवी संस्थाएं लाखों पौधे लगाने के लक्ष्य घोषित करती हैं, प्रेस विज्ञप्तियां जारी होती हैं और अगले वर्ष के मानसून तक चलने वाले कार्यक्रमों की लंबी सूची तैयार कर ली जाती है। लेकिन पौधों की देखभाल करने वाला कोई नहीं होता। इन अभियानों में विज्ञापनों, तस्वीरों, सोशल मीडिया की चर्चाओं और अधिकारियों की कथित उपलब्धियों के अलावा वास्तव में कुछ भी दिखाई नहीं देता।

हर वर्ष करोड़ों पौधे लगाए जाने के दावे किए जाते हैं और हर साल आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर हरियाली उतनी ही तेजी से घटती चली जाती है। यह उस व्यवस्था की लापरवाही का स्वाभाविक परिणाम है, जहां जवाबदेही की जड़ें भी उतनी ही कमजोर हैं, जितनी सड़क किनारे गड्ढों में रोप दिए गए उन पौधों की, जिन्हें न पानी मिलता है, न संरक्षण और न ही जीवित रहने का वास्तविक अवसर।

दिल्ली इसका सबसे सटीक उदाहरण है। पिछले चार वर्षों में राजधानी में 2 करोड़ 5 लाख पौधे लगाए गए, लेकिन उनमें से केवल 60 प्रतिशत ही जीवित रह सके। जब देश की राजधानी का यह हाल है, जहां सरकारी मशीनरी सबसे अधिक सक्रिय मानी जाती है, तो दूरदराज के जिलों और गांवों की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। इसलिए जब भी हरित क्षेत्र बढ़ने के दावे किए जाते हैं, उनकी गंभीरता से पड़ताल आवश्यक हो जाती है।

दिसंबर 2024 में जारी 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट–2023' में दावा किया गया कि वर्ष 2021 से 2023 के बीच देश के कुल वन एवं वृक्ष क्षेत्र में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है और यह देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत हो गया है। हालांकि रिपोर्ट प्रकाशित होते ही अनेक पर्यावरणविदों ने इस पर गंभीर आपत्तियां जताईं। विशेषज्ञों का कहना था कि सरकार ने बाँघस के बागानों, नारियल के पेड़ों तथा बगीचों को भी वन क्षेत्र में शामिल कर लिया, जिससे वास्तविक स्थिति की बजाय आंकड़ों को अधिक आकर्षक बनाकर प्रस्तुत किया गया। रबर, नीलगिरी और बबूल जैसे व्यावसायिक वृक्षारोपण जैव।विविधता की दृष्टि से उन प्राकृतिक, सघन और प्राचीन वनों की बराबरी नहीं कर सकते, जिनका विकास होने में सदियों लग जाती हैं और जिनका प्रत्येक वृक्ष असंख्य जीवजंतुओं का आश्रय होता है। दुर्भाग्य से ऐसे विशाल और घने वृक्ष लगातार काटे जा रहे हैं, लेकिन उनका कोई समुचित लेखाजोखा नहीं रखा जाता। वनों की निगरानी करने वाली संस्था ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के अनुसार वर्ष 2001 से 2024 के बीच भारत ने 23.1 लाख हेक्टेयर हरित क्षेत्र खो दिया, जो वर्ष 2000 की तुलना में लगभग 7.1 प्रतिशत की कमी है। इसके कारण लगभग 1.29 गीगाटन कार्बन डाइआक्साइड का उत्सर्जन हुआ। वर्ष 2015 से 2020 के बीच वनों की कटाई के मामले में भारत विश्व में दूसरे स्थान पर रहा, जहां प्रतिवर्ष लगभग 6.68 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हुआ।

ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि वृक्षारोपण के बड़े-बड़े दावों और वास्तविकता के बीच कितना गहरा अंतर है। विकास की लगभग हर परियोजना, चाहे वह राष्ट्रीय राजमार्ग हो, बांध हो, खनन परियोजना हो या औद्योगिक विस्तार, सबसे पहले पेड़ों की बलि लेती है। पूर्वोत्तर राज्यों में झूम खेती, मध्य भारत में खनन और पश्चिमी घाटों में सड़क निर्माण तथा पर्यटन का बढ़ता दबाव मिलकर उन वनों को नष्ट कर रहा है, जिन्हें तैयार करने में प्रकृति को हजारों वर्ष लगे थे।

विश्व में प्रति व्यक्ति औसतन लगभग 400 पेड़ उपलब्ध हैं, जबकि भारत में यह संख्या इससे कहीं कम है। विडंबना यह है कि जिस देश ने कभी 'चिपको आंदोलन' के माध्यम से वृक्षों की रक्षा का संदेश पूरी दुनिया को दिया था, वहीं आज बिना पर्याप्त विचार किए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई जारी है। ऐसे समय में कनाडा के क्यूबेक प्रांत के एक छोटे से नगर से यह समाचार आता है कि वहाँ पेड़ों को आधिकारिक रूप से अधिकार संपन्न जीवित अस्तित्व के रूप में मान्यता दी गई है। ओंटारियो में 'म्युनिसिपल एक्ट–2001' के अंतर्गत नगरपालिकाओं को वृक्ष संरक्षण के लिए विस्तृत उपनियम बनाने और उन्हें कठोरता से लागू करने का अधिकार प्राप्त है। टोरंटो में किसी पेड़ को काटने पर 500 डालर से लेकर एक लाख डालर प्रति पेड़ तक का जुर्माना लगाया जाता है तथा गंभीर उल्लंघन की स्थिति में अतिरिक्त एक लाख डालर का दंड भी लगाया जा सकता है।

इसी का परिणाम है कि टोरंटो हर वर्ष लगभग एक लाख बीस हजार नए पेड़ लगाता है और शहर के लगभग 11 करोड़ 50 लाख पेड़ों का वैज्ञानिक प्रबंधन करता है। इससे शहर को प्रतिवर्ष 5 करोड़ 50 लाख डालर से अधिक का पर्यावरणीय लाभ प्राप्त होता है। यह केवल पर्यावरण संरक्षण का नहीं, बल्कि मजबूत आर्थिक सोच का भी उदाहरण है। दुर्भाग्य से भारत में यह दृष्टिकोण अभी तक न तो नीतियों का हिस्सा बन पाया है और न ही प्रशासनिक व्यवस्था का।

महान कौन महिष या मस्तिष्क..?

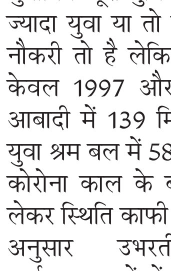

डॉ टी महादेव राव

भैया मुझे एक सवाल सता रहा है क्या आप उसका जवाब दे सकेंगे? कोशिश करूंगा छोटू! चलता फिरता एनसाइक्लोपीडिया तो नहीं समझ लिया तुमने मुझे?

न भैया! आप मुझसे ज्यादा जानकार हैं। अनुभवी हैं इसलिए। मेरा सवाल यह है कि अक्ल बड़ी कि भैंस? इस सवाल का जवाब अलग अलग संदर्भों में अलग अलग होता है। बोलो किस संदर्भ में यह प्रश्न है?

सामान्य रूप से पूछ रहा हूं, अचानक यह बात मेरे मन में आई। अक्ल या भैंस से बड़े तो तुम ही हो छोटू! मैं बीच में कहां से आ गया भैया? मैं तो सवाल में हूं ही नहीं। सवाल पूछ रहे हो न इसलिए तुम भी हो इसमें। तुम में अक्ल भी ज्यादा है, भैंस सा शरीर भी है। हां रंग भैंस का नहीं है, तो बड़े तो तुम्हीं हुए न! भैया! मेरी बात छोड़िए सही जवाब दीजिए न? यही बात किसी नेता से पूछो तो क्या कहेगा। भैंस बड़ी है क्योंकि वह बहुत उपयोगी है, दूध देती है, बच्चे देती है। दूधों नहाओ पूतों फलो के आशीष को सच करती है। अक्ल का क्या है? जिसमें अक्ल होती है वह नेता नहीं बन सकता सिर्फ एक मध्यमवर्ग जीव बनकर रह जाता है।

सही तर्क देता है नेता।

तभी तो वह नेता हुआ। उसको पैसे, पावर और अपना परिवार चाहिए जो उसे बिना अक्ल के मिल जाते हैं तो फिर?यही प्रश्न किसी विद्वान से पूछोगे तो वह कहेगा अक्ल, बुद्धि, विद्वत्ता ही श्रेष्ठ है। उसका उपयोग कर कई भैंसें ही नहीं बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। विद्वान भैंस को बड़ा नहीं मानेगा। यह बात भी सही है। अगर किसी जरूरतमंद बेरोजगार से पूछें तो?वह कहेगा भैंस दे दो। अक्ल का तो मैंने अचार बना रखा है। भैंस की देखभाल करूंगा और अपनी जीविका चलाऊंगा। भैंस बड़ी है अक्ल से। सही है भैया। उसके हिसाब से यही सही जवाब है। मैंने कहा न संदर्भों और स्थितियों के हिसाब से जवाब बदलते हैं और सही लगते हैं। यही सवाल अगर किसी मंत्री से पूछोगे तो क्या जवाब होगा छोटू? यही जो नेता का जवाब था। न। मंत्री कहेगा अक्ल आप रखलो और मेरी तरफ से भैंस भी। लेकिन इस तरह के क्लिष्ट सवाल मुझसे न पूछा करो। अब चलते बनो।

आप बताओ भैया। आपका अपना व्यक्तिगत जवाब क्या होगा?

मैंने बताया न। तुम दोनों से बड़े हो। खैर एक कहानी बताता हू। गौर से सुनो और तुम खुद ही फैसला कर लो।चार मित्र गुरु के पास शिक्षा प्राप्त करने गए। तीन बड़ी कुशाग्र बुद्धि के थे। चौथा मंद बुद्धि था। जब शिक्षा पूरी हुई सारे मित्र वापस अपने गांव की ओर पैदल जा रहे थे। जंगल के रास्ते में उन्हें बहुत सारी हड्डियां एक जगह पड़ी मिलीं। सभी ने उसे देखा। पहले ने कहा ये शेर की हड्डियां हैं। मैं इसे फिर से शेर के आकार में बना सकता हूं और उसने शेर के पूरे अस्थिपंजर को बना डाला। दूसरे ने कहा मैं इसमें मांस मज्जा और सारे शरीर की संरचना भर दूंगा। उसने वैसा ही किया। तीसरे ने कहा इस मृत शेर में मैं प्राण फूंक दूंगा। इससे पहले वह कुछ कर पाता उनके मंदबुद्धि मित्र ने कहा ...नहीं ऐसा मत करो शेर जिंदा होगा तो हम सबको खा जाएगा। तीनों मित्र हंसने लगे और कहा हम तो उसके जीवनदाता हैं, हमें क्यों खाएगा? मंदबुद्धि मित्र ने कहा अगर ऐसा है तो मुझे उस ऊंचे पेड़ पर चढ़ जाने दो। फिर तुम लोग चाहो जो कर लेना कहकर वह पास के ऊंचे पेड़ पर चढ़ गया।

तीसरे ने उस शेर के मृत शरीर में प्राण फूंके। शेर जीवित हो उठा और तीनों पर हमला करके उन्हें मार डाला और जंगल के अंदर भाग गया। पेड़ से उतरकर चौथे ने आंसू बहाए और रोते हुए अपने गांव की ओर चल पड़ा। अब तुम बताओ कौन बड़ा हुआ?

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा कल

द्वितीया तिथि का प्रारंभः 15 जुलाई 2026, सुबह 11:50 बजे
द्वितीया तिथि का समापनः 16 जुलाई 2026, सुबह 8:52 बजे
उदया तिथि के अनुसार मुख्य रथयात्राः 16 जुलाई 2026 (गुरुवार)
रथयात्रा 2026 का पूरा शेड्यूल
रथयात्राः 16 जुलाई 2026 (गुरुवार)
हेरा पंचमीः 20 जुलाई 2026
सुना बेष (स्वर्ण आभूषण रस्म): 23 जुलाई 2026
बहुड़ा यात्रा (रथों की वापसी): 24 जुलाई 2026 (शुक्रवार)
नीलाद्रि बिजय (भगवान का गर्भगृह में पुनः प्रवेश): 28 जुलाई 2026

भगवान जगन्नाथ की पवित्र रथयात्रा 16 जुलाई 2026 को निकाली जाएगी. इस शुभ अवसर पर महाप्रभु जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे. यहां जानें रथयात्रा की सही तिथि और इसका धार्मिक महत्व।

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की पवित्र रथयात्रा का शुभारंभ होता है. धार्मिक मान्यता है कि इस दौरान महाप्रभु जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं. यह पर्व पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और गुजरात समेत देश के कई राज्यों में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है. हालांकि, इनमें सबसे भव्य और प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा ओडिशा के पुरी में आयोजित होती है. इस दिव्य यात्रा के दर्शन के लिए हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं।

रथयात्रा 2026: शुभ मुहूर्त और तिथियां
हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि का प्रारंभ और समापन इस प्रकार होगाः

रथयात्रा का धार्मिक महत्व

भगवान जगन्नाथ को भगवान श्रीहरि विष्णु का स्वरूप माना जाता है. ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर भारत के चार पवित्र धामों में से एक है. पौराणिक मान्यता के अनुसार, एक बार देवी सुभद्रा ने अपने दोनों भाइयों, भगवान कृष्ण और बलराम से नगर भ्रमण की इच्छा व्यक्त की थी. तब भगवान कृष्ण और बलराम ने उन्हें रथ पर विराजमान कर पूरे नगर का भ्रमण कराया. इसी दिव्य घटना की स्मृति में प्रतिवर्ष भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाती है. इस पावन अवसर पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचकर महाप्रभु के दर्शन करते हैं और रथयात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं।

भगवान जगन्नाथ क्यों निकाले जाते हैं रथ पर?

जगन्नाथ रथ यात्रा 2026 का आयोजन 16 जुलाई से 24 जुलाई तक होगा। दुनिया भर के करोड़ों श्रद्धालु इस दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के दिव्य दर्शन करेंगे। यह यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भगवान और भक्त के बीच अटूट प्रेम का प्रतीक मानी जाती है।

सत्ययुग से चली आ रही है यह परंपरा

स्कंद पुराण, पद्म पुराण और पुरुषोत्तम माहात्म्य में रथ यात्रा का विस्तृत वर्णन मिलता है। मान्यता है कि जो लोग किसी कारणवश पूरे वर्ष मंदिर में जाकर भगवान के दर्शन नहीं कर पाते, उनके लिए भगवान स्वयं रथ पर सवार होकर बाहर आते हैं। यही कारण है कि जगन्नाथ रथ यात्रा को जन-जन की यात्रा कहा जाता है।

भगवान स्वयं आते हैं भक्तों के बीच
रथ यात्रा का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भगवान अपने भक्तों से दूरी नहीं रखते। वे स्वयं मंदिर से निकलकर लोगों के बीच आते हैं और सभी को समान रूप से दर्शन का अवसर प्रदान करते हैं। यह परंपरा भगवान के करुणामय और भक्तवत्सल स्वरूप को दर्शाती है। रथ यात्रा हमें यह भी सिखाती है कि सच्ची भक्ति के लिए किसी भेदभाव या विशेष अधिकार की आवश्यकता नहीं होती।

कुरुक्षेत्र में हुआ था भावनात्मक पुनर्मिलन

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, श्रीकृष्ण के वृंदावन छोड़ने के बाद ब्रजवासी उनके वियोग में दुखी हो गए थे। कई वर्षों बाद सूर्य ग्रहण के अवसर पर कुरुक्षेत्र में उनका पुनर्मिलन हुआ। हालांकि गोपियों को राजसी स्वरूप में श्रीकृष्ण को देखकर वह आनंद नहीं मिला जो वृंदावन की मधुर लीलाओं में मिलता था।

राधारानी ने बताया प्रेम का वास्तविक अर्थ

श्रीराधा ने श्रीकृष्ण से कहा कि उनका मन ही वृंदावन है और वे उनके हृदय रूपी रथ पर सवार होकर पुनः उस प्रेमभूमि में लौटें। श्रीचैतन्य महाप्रभु ने इसी भाव को जगन्नाथ रथ यात्रा का गूढ़ रहस्य बताया। इसलिए यह यात्रा केवल रथ खींचने का उत्सव नहीं, बल्कि प्रेम और समर्पण की आध्यात्मिक अभिव्यक्ति है।

प्रेम में प्रकट हुआ जगन्नाथ स्वरूप

कथा के अनुसार, जब रोहिणी माता द्वारका में श्रीकृष्ण की ब्रज लीलाओं का वर्णन कर रही थीं, तब श्रीकृष्ण, बलराम और सुभद्रा प्रेमभाव में इतने डूब गए कि उनका स्वरूप बदलने लगा। उनके हाथ-पांव संकुचित हो गए, नेत्र विस्फारित हो गए और वे उसी रूप में प्रकट हुए जिसे आज जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रूप में पूजा जाता है।

नारदजी के वरदान से मिला जगत को यह दिव्य रूप

देवर्षि नारद ने भगवान से प्रार्थना की कि उनका यह प्रेममय स्वरूप संसार के कल्याण के लिए सदैव विद्यमान रहे। भगवान ने उनकी प्रार्थना स्वीकार की और जगन्नाथ पुरी में अपने इस विशेष स्वरूप में प्रकट होने का वरदान दिया।

भक्ति, प्रेम और समानता का संदेश देती है रथ यात्रा

जगन्नाथ रथ यात्रा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह संदेश देती है कि भगवान का प्रेम सभी के लिए समान है। जब भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं, तो यह मानवता, प्रेम, करुणा और समर्पण का अद्भुत उदाहरण बन जाता है। यही कारण है कि हर वर्ष लाखों श्रद्धालु इस महापर्व में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

आज से शुरू होगी आषाढ़ गुप्त नवरात्रि

रात्रि को जहां सार्वजनिक रूप से 'प्रकट नवरात्रि' के रूप में मनाया जाता है, वहीं माघ और आषाढ़ मास की नवरात्रि को 'गुप्त नवरात्रि' कहा जाता है। गुप्त नवरात्रि मुख्य रूप से तंत्र साधना, गूढ़ आध्यात्मिक उन्नति और शक्ति उपासना के लिए जानी जाती है। साल 2026 में आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत 15 जुलाई (बुधवार) से हो रही है, जो 23 जुलाई (गुरुवार) तक चलेगी। इन नौ दिनों में साधक मां आदिशक्ति को प्रसन्न करने के लिए विशेष मंत्र जाप, हवन, यंत्र पूजन और कठिन तांत्रिक अनुष्ठान करते हैं।

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त

गुप्त नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना के साथ नौ दिनों की साधना का संकल्प लिया जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, 15 जुलाई 2026 को कलश स्थापना के लिए दो शुभ मुहूर्त हैं।

सुबह का शुभ मुहूर्तः प्रातः 5:33 बजे से 10:09 बजे तक

विशेष अभिजीत संयोगः सुबह करीब 8:02 बजे, जब पुष्य नक्षत्र और हर्षण योग का शुभ संयोग रहेगा। इसे साधना शुरू करने के लिए अत्यंत शुभ माना गया है।

गुप्त नवरात्रि में क्या करें?

यदि आप तांत्रिक साधना नहीं भी कर रहे हैं, तो एक आम गृहस्थ के रूप में मां दुर्गा की कृपा पाने के लिए इन नियमों का पालन अवश्य करेंः

साधना को गुप्त रखेंः गुप्त नवरात्रि का सबसे बड़ा नियम यही है कि आप जो भी पूजा, मंत्र जाप या उपवास कर रहे हैं, उसकी चर्चा किसी बाहरी व्यक्ति से न करें। पूजा जितनी गुप्त होगी, फल उतना ही अधिक मिलेगा।

सात्विक जीवनशैली अपनाएंः इन नौ दिनों के दौरान मन, वचन और कर्म से शुद्धता बनाए रखें। दोनों समय मां की आरती करें और सात्विक आहार का सेवन करें।

घर खाली न छोड़ेंः अगर आपने घर में कलश स्थापना की है या अखंड ज्योति जलाई है, तो घर को कभी भी अकेला या खाली न छोड़ें।

गुप्त नवरात्रि में क्या न करें?

तामसिक भोजन से दूरीः इन नौ दिनों में भूलकर भी प्याज, लहसुन, मांस, मदिरा या किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

इन फूलों और पत्तियों को न चढ़ाएंः शास्त्रों के अनुसार, मां दुर्गा की पूजा में आक, मदार, दूब (दूर्वा) और तुलसी दल का प्रयोग वर्जित माना गया है, इन्हें माता रानी को अर्पित न करें।

विवाद और अपशब्दों से बचेंः ब्रह्मचर्य का पालन करें और घर में क्लेश, वाद-विवाद या किसी की निंदा करने से बचें। क्रोध करने से संचित की गई सकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है।

चमड़े की वस्तुओं का प्रयोगः पूजा के दौरान या व्रत के समय चमड़े के बेल्ट, पर्स या जूते-चप्पलों के इस्तेमाल से परहेज करें।

जीवन में भक्ति उतर आए तो फिर हर कृत्य में सेवा ही होगी

कहते हैं कि सेवक को सपने में भी सुख नहीं मिलता। लेकिन यह बात लक्ष्मण जी और हनुमान जी जैसे सेवकों ने बदल दी। तुलसीदास जी ने लिखा है- कहइ भसुंड सुनहु खगनायक, राम चरित सेवक सुखदायक। भुशुंडि कहते हैं कि पक्षीराज गरुड़ सुनिए, श्रीराम का चरित्र सेवकों को सुख देने वाला है। तो यह तो तय है कि सेवक को सुख मिलेगा, यदि वह श्रीराम से जुड़ा रहेगा।

सेवा प्रदर्शन के लिए भी की जाती है, अहंकार बढ़ाने के लिए भी की जाती है, लेकिन यदि जीवन में भक्ति उतर आए तो फिर जो भी कृत्य होगा, वो सेवा ही होगी। बाजार की दुनिया में इस समय एक शब्द चलता है- गिग वर्कर्स। अपनी शर्तों पर, अपने समय के अनुसार काम करने वाले लोगों को गिग वर्कर्स कहते हैं। यह सेवक की बिल्कुल नई परिभाषा है। जब कोई व्यक्ति अपने को परमात्मा से जोड़ देता है तो वह गिग वर्कर हो जाता है। सब कुछ आपका है- समय, परिणाम, प्रयास। पर भाव जाग जाता है कि करा कोई और रहा है, कर हम रहे हैं। और कराने वाला ईश्वर है।

हस्तरेखा शास्त्र में हथेली पर मौजूद रेखाओं को व्यक्ति के स्वभाव, भाग्य और भविष्य से जोड़कर देखा जाता है। इन्हीं में एक बेहद शुभ और चर्चित निशान है 'मनी ट्रायंगल' यानी धन त्रिकोण। मान्यता है कि जिस व्यक्ति की हथेली में यह त्रिकोण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, उसे जीवन में आर्थिक मजबूती, धन संचय और वित्तीय सफलता प्राप्त होती है। यह निशान न केवल धन अर्जित करने की क्षमता का संकेत देता है, बल्कि पैसों को सही दिशा में उपयोग करने की योग्यता भी दर्शाता है।

त्रिकोण का निर्माणः कैसे बनता है धन त्रिकोण?

हस्तरेखा विशेषज्ञों के अनुसार मनी ट्रायंगल हथेली के मध्य भाग में बनता है। यह त्रिकोण तब बनता है जब मस्तिष्क रेखा, बुध रेखा और भाग्य रेखा एक विशेष स्थिति में मिलकर त्रिकोणीय आकार का निर्माण करती हैं। यदि यह आकृति स्पष्ट, गहरी और पूरी तरह बंद हो, तो इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। यह संकेत देता है कि व्यक्ति में आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता मजबूत है और वह अपने संसाधनों का सही प्रबंधन करना जानता है।

आर्थिक लाभः धन प्रबंधन में होते हैं माहिर

जिन लोगों की हथेली में मनी ट्रायंगल होता है, उन्हें धन संबंधी मामलों में समझदार माना जाता है। ऐसे लोग केवल अच्छी कमाई ही नहीं करते, बल्कि बचत और निवेश की कला भी जानते हैं। वे जोखिम और अवसर के बीच संतुलन बनाकर चलते हैं, जिससे आर्थिक नुकसान की संभावना कम हो जाती है। करियर और व्यवसाय में भी इन्हें अच्छे अवसर मिलने की संभावना अधिक रहती है। कठिन परिस्थितियों में भी ये लोग अपनी आर्थिक स्थिति को संभालने में सफल रहते हैं।

महत्वपूर्ण बातः अधूरा त्रिकोण कम कर सकता है प्रभाव

हस्तरेखा शास्त्र में यह भी माना गया है कि धन त्रिकोण का प्रभाव तभी अधिक होता है जब वह पूरी तरह बंद और स्पष्ट हो। यदि त्रिकोण किसी स्थान से टूटा हुआ, धुंधला या खुला हो, तो व्यक्ति को धन संचय में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों के पास धन आता तो है, लेकिन उसे लंबे समय तक बचाकर रखना आसान नहीं होता।

सफलता का मूल मंत्रः रेखाओं के साथ जरूरी है कर्म

हस्तरेखा शास्त्र संभावनाओं और संकेतों की बात करता है, लेकिन वास्तविक सफलता केवल रेखाओं पर निर्भर नहीं करती। मेहनत, सही निर्णय, सकारात्मक सोच और समय पर उठाए गए कदम ही व्यक्ति को आर्थिक रूप से मजबूत बनाते हैं। इसलिए यदि आपकी हथेली में मनी ट्रायंगल है तो इसे प्रेरणा मानें, लेकिन सफलता के लिए निरंतर प्रयास करना न भूलें।

क्या आपका जन्म 1, 10, 19 या 28 तारीख को हुआ है?

यदि आपका जन्म किसी भी महीने की 1, 10, 19 या 28 तारीख को हुआ है, तो आपका मूलांक 1 है। अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 1 का स्वामी सूर्य है, जो नेतृत्व, आत्मविश्वास, सफलता और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। इस मूलांक के लोग स्वतंत्र विचारों वाले, महत्वाकांक्षी और लीडरशिप की अच्छी क्षमता रखने वाले होते हैं। हालांकि, रिश्तों और विवाह में इनकी हर किसी के साथ अच्छी नहीं बनती। इनके आत्मसम्मानी और प्रभावशाली स्वभाव को समझने और संतुलित करने के लिए कुछ खास मूलांक के लोग सबसे अच्छे साथी साबित होते हैं।

मूलांक 1 की इन मूलांक वालों के साथ बनती है अच्छी जोड़ी

मूलांक 2 (जन्म तिथिः 2, 11, 20, 29)

मूलांक 1 वालों के लिए मूलांक 2 के लोग अच्छे जीवनसाथी माने जाते हैं। मूलांक 2 का स्वामी चंद्रमा है। सूर्य जहां आत्मविश्वास, नेतृत्व और दृढ़ता का प्रतीक है, वहीं चंद्रमा शांति, संवेदनशीलता और भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है।

तालमेलः मूलांक 1 का आत्मविश्वासी और कभी-कभी हावी रहने वाला स्वभाव, मूलांक 2 के शांत और समझदार व्यवहार से संतुलित हो जाता है। मूलांक 2 वाले अपने साथी का पूरा साथ देते हैं, इसलिए यह जोड़ी एक-दूसरे की कमियों को पूरा करते हुए मजबूत रिश्ता बनाती है।

मूलांक 3 (जन्म तिथिः 3, 12, 21, 30)

मूलांक 3 का स्वामी बृहस्पति (गुरु) है। अंक ज्योतिष में मूलांक 1 और मूलांक 3 की जोड़ी को काफी शुभ माना गया है।

तालमेलः मूलांक 3 के लोग बुद्धिमान, सकारात्मक सोच वाले और अच्छे सलाहकार होते हैं। वे मूलांक 1 की नेतृत्व क्षमता को सही दिशा देने में मदद करते हैं। शादी हो या बिजनेस पार्टनरशिप, दोनों मिलकर समझदारी से फैसले लेते हैं और समाज में सम्मान प्राप्त करते हैं।

मूलांक 9 (जन्म तिथिः 9, 18, 27)

मूलांक 9 का स्वामी मंगल है। सूर्य और मंगल दोनों ही ऊर्जा, साहस और नेतृत्व के प्रतीक माने जाते हैं, इसलिए मूलांक 1 और 9 की जोड़ी काफी दमदार मानी जाती है।

तालमेलः मूलांक 1 और 9 दोनों ही ऊर्जा, साहस और नेतृत्व से भरपूर होते हैं। इनके बीच आकर्षण और तालमेल अच्छा रहता है। हालांकि, दोनों का स्वभाव तेज होने के कारण कभी-कभी बहस हो सकती है, लेकिन वे जल्दी ही मतभेद भुलाकर रिश्ता सामान्य कर लेते हैं।

जो व्यक्ति हमेशा सच बोलता है और ईमानदारी से काम करता है

हमारी बातों, व्यवहार, सोच, स्वभाव और चरित्र में सच्चाई होनी चाहिए। जो व्यक्ति हमेशा सच बोलता है और ईमानदारी से काम करता है, उसे लोगों का विश्वास मिलता है। सत्य के रास्ते पर चलने वाला व्यक्ति अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकता है। प्रकृति भी ऐसे व्यक्ति की मदद करती है। सच्चाई हमें सही निर्णय लेने की शक्ति देती है और जीवन में सम्मान दिलाती है। इसलिए हमें हर स्थिति में सत्य के साथ रहना चाहिए। **स्वामी अवधेशानंद गिरि**

बॉलीवुड जितना हिट नहीं है हॉलीवुड करियर

बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी बड़ा नाम कमा चुकी प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में प्रोड्यूसर बनने और अमेरिका में अपने करियर को आगे बढ़ाने को लेकर खुलकर बातें कीं। उसने कहा कि अब हॉलीवुड में नए कलाकारों और फिल्म प्रोड्यूसरों के लिए एंट्री की बाधाएं पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं। प्रियंका ने कहा, "मुझे लगता है कि अगर आपके पास कोई अच्छा विचार है तो आप उसे शूट कर सकते हैं, यू-ट्यूब पर डाल सकते हैं और वह 'ऑब्सेशन' जैसी बड़ी फिल्म बन सकती है, जो हाल ही में रिलीज हुई है।

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के लिए यह बेहद शानदार समय है, क्योंकि आज के दौर में विचार ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं।

प्रियंका ने बताया कि जब उसने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब हालात इतने आसान नहीं थे। पिछले एक दशक से हॉलीवुड में करियर बना रही प्रियंका ने कहा कि शुरुआत में उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसका फिल्मी दुनिया से कोई संबंध नहीं था । हालांकि, उसने माना कि इतनी सारी इंटरनैशनल फिल्मों और वैब सीरीज में काम करने के बावजूद हॉलीवुड में उसका काम भारतीय सिनेमा में उसके द्वारा अर्जित किए गए काम की तुलना में फीका पड़जाता है। उसने हॉलीवुड में अपने करियर को और विस्तार देने करियर' की इच्छा जाहिर की है ।

उसने कहा, अपने हिन्दी भाषा के फिल्मी करियर में मैंने सभी बेहतरीन फिल्ममेकर्स और बेहतरीन एक्टर्स के साथ काम किया है, मैंने अद्भुत कहानियां सुनाई हैं और अलग-अलग शैलियों में काम किया है जबकि अमेरिका में, हॉलीवुड में, अपने अंग्रेजी भाषा के काम में, मैंने वास्तव में उतना नहीं किया है। मेरे माता-पिता डॉक्टर थे, इसलिए हममें से किसी को नहीं पता था कि फिल्म इंडस्ट्री में कैसे आगे बढ़ना है। जब मैंने शुरुआत की, तब यह बहुत सीमित और खास लोगों तक पहुंच वाला क्षेत्र था । अगर आपको फिल्म निर्माण में आना होता था तो पहले यह तय करना पड़ता था कि आप किस विभाग में काम करना चाहते हैं।

प्रियंका ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि उसे बताया गया था कि भारतीय सिनेमा की सीमाएं हैं ।

उसने कहा, ₹मुझे बताया जाता था कि भारतीय सिनेमा कभी हॉलीवुड जितना ग्लोबल नहीं होगा, क्योंकि हमारी फिल्में अंग्रेजी में नहीं बनतीं और हर कोई हिन्दी, तेलुगु, मराठी या अन्य भारतीय भाषाओं को नहीं समझता ।

अपना प्रोडक्शन हाऊस शुरू करने का कारण बताते हुए उसने कहा, मैं ऐसे नए फिल्मकारों का समर्थन करना चाहती हूं जिनके पास शानदार विचार हैं, लेकिन उनके पास उन अवसरों तक पहुंच नहीं है, जिन तक मैं उन्हें पहुंचाने में मदद कर सकती हूं।

प्रियंका का मानना है कि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स और कोविड- 19 महामारी के दौरान बदली दर्शकों की आदतों ने दुनिया भर की सामग्री को नए दर्शक दिए हैं। उसके अनुसार, अब लोग विभिन्न देशों और भाषाओं की कहानियों को पहले से कहीं ज्यादा अपनाने लगे हैं, जिससे ग्लोबल एंटरटेनमैंट इंडस्ट्री में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं।

मां बनने के बाद अपनी जिंदगी में बदलाव पर उसने कहा, " आपकी प्राथमिकताएं वाकई बदल जाती हैं। अब मैं यूं ही सामान पैक करके फिल्म देखने नहीं निकल जाती। मैं साल में 5 फिल्में नहीं करती। मैं पहले की तरह ट्रैवल नहीं करती। मैं अपने साथ समय बिताने वाले लोगों को लेकर बहुत ही चुनिंदा हो गई हूं, मैं कामकाजी मां की जिंदगी को संभाल रही हूं।

अक्षरा सिंह ने की बॉलीवुड में धमाकेदार शुरुआत

भोजपुरी सिनेमा के कलाकारों का डंका अब सिर्फ यू.पी. - बिहार तक ही नहीं, बल्कि मायानगरी मुंबई से लेकर साऊथ फिल्म इंडस्ट्री तक जोर-शोर से बज रहा है। हाल ही में भोजपुरी गायिका - अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार की मल्टी- स्टारर कॉमेडी फिल्म 'वैल्कम टू द जंगल' से हिन्दी सिनेमा में एक धमाकेदार शुरुआत की है।

खुद अक्षरा ने इस बड़े प्रोजैक्ट को अपने करियर का एक शानदार मोड़ माना है और इसके तुरंत ही बाद उसके हाथ एक और बड़ी फिल्म लग चुकी है। फिल्म 'वैल्कम टू द जंगल' के मजेदार गाने ' घिस घिस घिस ' में अक्षय के साथ अक्षरा का देसी और एनर्जेटिक अंदाज दर्शकों को बेहद पसंद आया, और यह गाना सोशल मीडिया से लेकर चार्टबस्टर लिस्ट तक पर एक बड़ा हिट साबित हुआ।

अक्षरा की यह कामयाबी इस बात का साफ इशारा है कि अब मेनस्ट्रीम की बड़ी फिल्मों में भोजपुरी स्टार्स और वहां के गानों की डिमांड काफी बढ़ गई है, जो फिल्म के बिजनैस और पहुंच को एक नए मुकाम पर ले जा रही है। एक समय था जब भोजपुरी सिनेमा के अंदाज को बहुत रीजनल या ठेठ मानकर मुख्यधारा की फिल्मों से थोड़ा अलग रखा जाता था लेकिन आज वक्त पूरी तरह बदल चुका है।

अक्षरा के हाथ जो दूसरी बड़ी फिल्म लगी है वह है मैडॉक फिल्म्स की 'ईठा' जिसमें श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आएगी। दिलचस्प बात है कि पिछली बार जब मैडॉक की फिल्म में श्रद्धा नजर आई थी, तो उसमें भी तगड़ा भोजपुरी कनैक्शन निकल कर सामने आया था।

बॉक्स ऑफिस पर करीब 880 करोड़ रुपए कमाने वाली 'स्त्री 2' में भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह ने सुपरहिट गाना ' आई नई' गाया था। यह फ्यूजन गाना वायरल हो गया था और इस हॉरर-कॉमेडी ब्लॉकबस्टर फिल्म में एक खास देसी रंग जोड़ दिया था। अब देखना होगा कि पवन के बाद अक्षरा श्रद्धा के लिए लक्की होती है या नहीं।

सोफी चौधरी ने खोल दिया अपनी सुंदरता का राज

लैमर की दुनिया में चा बनाने वाली सोफी चौधरी दो दशक से ज्यादा समय से मनोरंजन जगत का हिस्सा हैं। कभी लोकप्रिय वीडियो जॉकी के रूप में पहचान बनाने वाली सोफी आज एक बेहतरीन लाइव परफॉर्मर और इवेंट होस्ट के तौर पर जानी जाती है । खुद को 'स्टेज क्वीन' कहने वाली सोफी की चमक-दमक के पीछे घंटों की मेहनत और खास ब्यूटी रूटीन छिपी है। सोफी ने अपनी खूबसूरती के राज और मेकअप से जुड़े कई सीक्रेट्स शेयर करते हुए बताया कि उम्र बढ़ने के साथ उसने खुद को स्वीकार करना सीखा है। पहले वह अपनी छोटी- छोटी कमियों को लेकर परेशान रहती थी, लेकिन अब उसे लगता है कि यही कमियां इंसान को खास बनाती हैं । सोफी ने कहा कि युवा उम्र में लोग दूसरों की सलाह और राय को बहुत गंभीरता से लेते हैं, लेकिन समय के साथ यह समझ आती है कि सबसे बड़ा सहारा खुद का होना चाहिए। उसका मानना है कि हर व्यक्ति को अपना सबसे बड़ा, प्रशंसक बनना चाहिए। बात जब स्किन केयर की आती है तो सोफी इसे बेहद गंभीरता से लेती है। उसका कहना है कि दिनभर मेकअप में रहने के बाद रात की स्किन केयर सबसे ज्यादा जरूरी है। वह चाहे कितनी भी थकी हो, मेकअप हटाए बिना कभी नहीं सोती । सोफी अपनी नाइट रूटीन में पहले चेहरे की अच्छी तरह सफाई करती है, फिर फोमिंग फेसवॉश, टोनर, सीरम और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करती है । उसका मानना है कि अच्छी त्वचा ही खूबसूरत मेकअप की असली नींव होती है। रैड कार्पेट लुक की बात करें तो सोफी के लिए सबसे जरूरी चीज है 'हाइलाइटर' ।

गाने के हर स्टैप और हर एक्सप्रैशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं : तमन्ना

उस गाने के लिए मैंने करीब 15 दिन रिहर्सल की थी। मैं चाहती थी कि गाने के हर स्टैप और हर एक्सप्रैशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं। मुझे तैयारी के लिए समय देना पसंद है, इससे मैं बेहतर परफॉर्म कर पाती हूं।

तमन्ना भाटिया ने भारतीय फिल्म उद्योग में एक लंबा सफर तय किया है। 'बाहुबली' जैसी पैन-इंडिया फिल्मों में अभिनय करने से लेकर 'लस्ट स्टोरीज 2' के साथ ओ.टी.टी. पर डेब्यू करने और फिल्म 'स्त्री 2' में ' आज की रात' जैसे डांस नम्बरों तक, अपने करिश्मे और आकर्षण के कारण तमन्ना दर्शकों के दिलों में बसी है । आज तमन्ना हिंदी के साथ साऊथ की फिल्मों में बिजी है।

तमन्ना ने हाल ही में साऊथ सिनेमा को लेकर कुछ ऐसा कहा है जिसने एक नई बहस छेड़ दी है। उसका कहना है कि हिंदी सिनेमा की तुलना में साऊथ में महिलाओं को देखने का नजरिया अलग है। तमन्ना ने एक इंटरव्यू के दौरान साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में अपने बुरे अनुभवों को लेकर बात की। साथ ही यह भी बताया कि ये उसके खुद के निजी अनुभव और राय हैं । उसके अनुसार साऊथ में पुरुष प्रधान सोच ज्यादा है और वहां महिलाओं को जिस नजरिए से देखा जाता है वह 'बहुत अच्छा नहीं' है ।

साऊथ और बॉलीवुड के बीच का फर्क समझाते हुए उसने कहा, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में दो तरह के एक्टर्स होते हैं । जो लोग चीजों को ज्यादा आर्टिस्टिक नजरिए से देखते हैं, वे कुछ खास तरह के किरदारों के लिए ज्यादा बेहतर होते हैं। हो सकता है कि वे हमेशा ग्लैमरस गाने और डांस वाले नंबर न करें। असल में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री आपको दोनों में से कोई एक या दोनों ही करने का मौका देती है, और जो दोनों करते हैं, वे आखिरकार सुपरस्टार बन जाते हैं।

उसने आगे बताया कि जब साऊथ में डेब्यू किया था, उसी वक्त वह इन चीजों को समझ गई थी। उसने कहा, यह एक खास तरह की नजर है। इसमें पितृसत्तात्मक सोच झलकती है या फिर यह ऐसी नजर है जो तारीफ करने वाली नहीं होती। मुझे लगा कि मैं इसके हर पहलू को समझ गई थी । साऊथ में आपको इससे बचने के लिए स्टार क्वालिटी की जरूरत होती है । मुझे लगता है कि इस मामले में साऊथ का सिनेमा काफी पाबंदियों वाला है । मैं ट्रेंड डांसर नहीं, पहले रिहर्सल करनी पड़ती है

तमन्ना ने साऊथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' के हिट गाने 'कावाला' से देशभर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। इस गाने में उसके डांस और अंदाज की खूब तारीफ हुई थी लेकिन उसका मानना कि वह इसमें और बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी । हाल ही में उसने इस बारे में बात की और बताया कि उस समय उसके मन में क्या चल रहा था। दरअसल, निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान अपने यू- ट्यूब ब्लॉग के लिए तमन्ना के घर पहुंची थी । इस दौरान उसने तमन्ना के करियर, उसके लोकप्रिय गीतों और एक्टिंग के सफर को लेकर बातचीत की। जब गाने 'कावाला' का जिक्र आया तो तमन्ना ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थी। उसने कहा, जब इस गाने की शूटिंग पूरी हुई, तब मुझे महसूस हुआ कि मैं इससे बेहतर कर सकती थी । तमन्ना की बात सुनकर फराह खान ने भी अपनी राय रखी। उसने कहा, तमन्ना का स्वभाव ही ऐसा है कि वह हमेशा अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करती है । उसने मजाकिया अंदाज में कहा, तमन्ना उन लोगों में से है, जिन्हें हर बार लगता है कि वह और अच्छा कर सकती थीं । इस पर तमन्ना ने भी सहमति जताई और बताया कि वह अपने हर प्रोजैक्ट के लिए पूरी मेहनत करती । उसने कहा, मैं ट्रेंड डांसर नहीं हूं, इसलिए किसी भी गाने के लिए मुझे पहले ज्यादा रिहर्सल करनी पड़ती है ।

इसी बातचीत में तमन्ना ने अपने दूसरे चर्चित गाने 'आज की रात' का भी जिक्र किया। उसने बताया, इस गाने के लिए मैंने करीब 15 दिन रिहर्सल की थी । मैं चाहती थी कि गाने के हर स्टैप और हर एक्सप्रैशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं। मुझे तैयारी के लिए समय देना पसंद है, इससे मैं बेहतर परफॉर्म कर पाती हूं।

फिल्मों में आइटम नंबर्स को लेकर तमन्ना दो टूक

तमन्ना वह अभिनेत्री है जिसने अपनी अदाकारी का जलवा हिंदी से लेकर साऊथ सिनेमा तक बखूबी बिखेरा है लेकिन मौजूदा समय में वह आइटम सॉन्ग्स के लिए जानी जाती है । 'स्त्री 2' और 'रेड 2 ' जैसी कई फिल्मों और वैब सीरीज में तमन्ना ने अपने आइटम सॉन्ग्स से फैंस के दिलों पर बिजली गिराने का काम किया है। उसने आइटम नंबर्स के चुनाव को लेकर भी खुलकर बात की है।

क्यों चुनी आइटम नंबर्स की राह

'कावाला' और 'आज की रात' जैसे गानों के बाद तमन्ना की लोकप्रियता में खूब बढ़ी है। कुछ रिपोर्ट्स में तो यह भी दावा किया गया कि तमन्ना ने इन डांस नंबरों के लिए एक फिल्म करने की फीस से भी ज्यादा पैसे लिए। ऐसे में तमन्ना की यह रणनीति अभिनेत्रियों के लिए एक बिजनैस मॉडल बन सकती है।

इस पर उसने कहा, मैंने उन डांस नंबर्स को इस सोच के साथ नहीं किया था कि यह एक बिजनैस मॉडल बन जाएगा। मुझे लगता है कि हम उस समय में हैं, जहां आपका प्रभाव ज्यादा महत्वपूर्ण है न कि आप कितने समय के लिए स्क्रीन पर दिखते हैं । 'आप प्रोजैक्ट के किसी भी हिस्से में परफॉर्म कर सकते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा मायने यह रखता है कि उसमें आप कितना प्रभावित कर पाते हैं। वर्तमान समय में आपको इंडस्ट्री में इसी के हिसाब से मान्यता मिलती है इसलिए मैं अपनी छोटी से छोटी उपस्थिति में भी ज्यादा से ज्यादा प्रभाव डालने की कोशिश करती हूं, क्योंकि मेरा उद्देश्य हमेशा ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच पहुंचने का रहा है। फिर वह बात एक्टिंग की हो या अपने बिजनैस की ।

तमन्ना की अगली फिल्में

तमन्ना अब सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म 'वन : फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में नजर आएगी । यह फिल्म 26 अगस्त, 2026 को रिलीज होगी। दीपक मिश्रा के डायरैक्शन में बनी इस फिल्म में तमन्ना के साथ मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी और अनूप सोनी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अब मुझे किसी के साथ इंटिमेट नहीं होना : आकांक्षा चमोला

लॉकअप 2 में आकांक्षा चमोला आए दिन अपने जीवन के बड़े-बड़े राज खोल रही हैं। कुछ दिन पहले ही उन्होंने बताया था कि वो बाईसेक्शुअल हैं। अब उनके बयान फिर से बदलते हुए दिख रहे हैं। शो के दौरान दूसरे कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए आकांक्षा ने कहा कि वह एसेक्सुअल हैं, वो अब दोबारा शादी नहीं करना चाहती और न हो वो अब किसी के साथ इंटिमेट होना चाहती हैं।

मैं एसेक्सुअल हूं

इसके बाद आकांक्षा चमोला ने बताया कि उनके मन में अब रिस्तो को शारीरिक नजदीकियों को लेकर एक डर पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि इंसान की कामुकता समय और हालात के साथ बदल जाती है। फ़िलहाल उनके ये लिए समय सही नहीं चलो रहा है और चाहे फिर वो पुरुष और या कोई औरत वो किसी के साथ भी संबंध नहीं बनाना चाहतीं। उन्होंने अपने मौजूदा भावनात्मक चरण को एसेक्सुअल बताया।

कुछ समय पहले बताया था कि मैं बाईसेक्शुअल हूं

शो के दौरान जब श्रेया कालरा ने आकांक्षा चमोला की एक निजी बात का जिक्र करते हुए उन्हें बाइसेक्शुअल बताया, तो इस पर आकांक्षा ने खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि शायद श्रेया को ऐसा इसलिए लगा क्योंकि वह सभी के साथ खुलकर और मजाकिया अंदाज में रहती हैं

आकांक्षा ने बताया कि उन्होंने कभी खुद श्रेया से यह बात साझा नहीं की थी लेकिन यह उनकी निजी जिंदगी का एक हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा की शादी से पहले वह खुद को बाइसेक्शुअल मानती थीं और कुछ महिलाओं के साथ रिलेशनशिप में भी रह चुकि हैं। हालांकि, उन रिश्तो में किसी तरह की शारीरिक नजदीकी नहीं थी।

इसके बाद उन्होंने बताया की वो महिलाओं के साथ ज्यादा सहज और सुरक्षित महसूस करती हैं। उनके मुताबिक, पुरुष-प्रधान माहौल में महिलाओं के साथ एक अलग तरह का भरोसा और कम्फर्ट महसूस होता है। यही वजह है कि उन्हें महिलाओ की सकारात्मक और सुकून देने वाली ऊर्जा अपनी तरफ आकर्षित करती है।

जल्द ही गौरव-आकांक्षा लेंगे तलाक

2016 में आकांक्षा और गौरव ने शादी की थी लेकिन किस्मत ने दोनों का साथ नहीं दिया। लॉक अप 2' के प्रीमियर एपिसोड में आकांक्षा ने पहले दिन ही सबके सामने रिवील कर दिया कि वो दोनों जल्द ही तलाक लेने वाले हैं।

बच्चों से भूलकर भी न पूछें ये सवाल, धीरे-धीरे खत्म हो सकता है उनका आत्मविश्वास

हर कोई चाहता हैं कि उनका बच्चा आत्मविश्वासी, खुश और मानसिक रूप से मजबूत बने। इसके लिए वे अच्छी शिक्षा, बेहतर माहौल और हर संभव सुविधा देने की कोशिश करते हैं। लेकिन कई बार अनजाने में कही गई कुछ बातें या बार-बार पूछे जाने वाले सवाल बच्चों के आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं। माता-पिता का उद्देश्य भले ही बच्चे को प्रेरित करना या उसकी प्रगति जानना हो, लेकिन सवाल पूछने का तरीका और शब्दों का चयन बच्चे की सोच और भावनाओं को गहराई से प्रभावित करता है।

बच्चों का आत्मविश्वास केवल उनकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इस बात से भी बनता है कि वे अपने बारे में क्या महसूस करते हैं। अगर उन्हें बार-बार दूसरों से तुलना, असफलता या कमियों का एहसास कराया जाए, तो वे खुद पर संदेह करने लगते हैं। धीरे-धीरे यह आदत पढ़ाई, खेल, दोस्ती और भविष्य के फैसलों तक असर डाल सकती है। इसलिए माता-पिता के लिए यह समझना जरूरी है कि कौन-से सवाल बच्चों को प्रोत्साहित करते हैं और कौन-से सवाल उनके आत्मविश्वास को कमजोर कर सकते हैं। आइए जानते हैं वे

सवाल, जिन्हें बच्चों से पूछने से बचना चाहिए और उनकी जगह क्या कहना बेहतर होगा।

तुम्हारे इतने कम नंबर क्यों आए?

अगर हर परीक्षा के बाद केवल अंक ही चर्चा का विषय बन जाएं, तो बच्चा यह मानने लगता है कि उसकी पहचान सिर्फ उसके रिजल्ट से है। इससे वह असफलता से डरने लगता है।

तुम्हें किस विषय में सबसे ज्यादा मुश्किल हुई? हम मिलकर उसे बेहतर करेंगे।

देखो, शर्मा जी का बेटा कितना अच्छा है

दूसरों से तुलना करना बच्चे के आत्मसम्मान को चोट पहुंचा सकता है। हर बच्चे की क्षमता और सीखने की गति अलग होती है।

बच्चे की तुलना केवल उसकी पिछली प्रगति से करें।

तुमसे यह भी नहीं होता?

ऐसे शब्द बच्चे को यह महसूस करा सकते हैं कि वह सक्षम नहीं है। इससे वह नई चीजें सीखने से भी डर सकता है।

कोई बात नहीं, फिर से कोशिश करते हैं।

तुम हमेशा गलती क्यों करते हो?

₹हमेशा₹ और ₹कभी नहीं₹ जैसे शब्द बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ते हैं। इससे वे खुद को असफल मानने लगते हैं।

इस बार गलती हुई है, अगली बार इसे कैसे सुधार सकते हैं?

तुम इतने शर्मीले क्यों हो?

बच्चे के व्यक्तित्व को लेबल करना उसकी पहचान पर असर डाल सकता है। हर बच्चा सामाजिक रूप से एक जैसा नहीं होता।

उसे अपनी गति से लोगों से घुलने-मिलने का समय दें।

अगर फेल हो गए तो क्या होगा?

डर के आधार पर प्रेरित करने की कोशिश अक्सर उल्टा असर करती है। बच्चा दबाव और चिंता महसूस करने लगता है।

मेहनत और सीखने की प्रक्रिया पर ध्यान दें, केवल परिणाम पर नहीं।

तुम बड़े होकर क्या बनोगे?

यह सवाल सामान्य है, लेकिन बार-बार पूछने पर बच्चा दबाव महसूस कर सकता है, खासकर जब उसे अभी अपनी रुचि का पता न हो।

तुम्हें किस काम में सबसे ज्यादा मजा आता है?

बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के आसान तरीके

उनकी बात ध्यान से सुनें।

छोटी-छोटी सफलताओं की भी सराहना करें।

गलती होने पर डांटने की बजाय समाधान बताएं।

निर्णय लेने के छोटे-छोटे अवसर दें।

उनकी भावनाओं का सम्मान करें।

तुलना करने से बचें।

बिना शर्त प्यार और समर्थन का एहसास कराएं।

कुछ साल पहले तक समाज में यह धारणा आम थी कि पढ़ाई पूरी होने और नौकरी मिलने के बाद शादी जीवन का अगला स्वाभाविक कदम है। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। आज की युवा पीढ़ी, खासकर जेन जी शादी को पहले जैसी प्राथमिकता नहीं दे रही।

कई युवा अपने करियर, आर्थिक सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत लक्ष्यों को विवाह से पहले रखना पसंद कर रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं कि वे रिश्तों में विश्वास नहीं रखते, बल्कि वे रिश्तों को अधिक समझदारी और तैयारी के साथ निभाना चाहते हैं।

सोशल मीडिया, बदलती जीवनशैली, बढ़ती शिक्षा, करियर के नए अवसर और व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने युवाओं की सोच को काफी प्रभावित किया है। आज कई लोग मानते हैं कि सिर्फ सामाजिक दबाव या उम्र के आधार पर शादी करना सही फैसला नहीं है। वे ऐसे रिश्ते चाहते हैं जिनमें सम्मान, समानता, भावनात्मक जुड़ाव और आपसी समझ हो।

यही वजह है कि शादी की औसत उम्र भी कई जगहों पर बढ़ती दिखाई दे रही है। आइए जानते हैं कि आखिर कौन-से कारण हैं जिनकी वजह से आज की पीढ़ी शादी को लेकर पहले से अलग सोच रखती है।

करियर पहली प्राथमिकता

आज के युवा पहले अपने करियर को मजबूत बनाना चाहते हैं। इसके कई कारण है। जैसे, बेहतर नौकरी हासिल करने पर फोकस।उच्च शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट।आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की इच्छा। शादी से पहले प्रोफेशनल पहचान बनाना।

आर्थिक स्थिरता को दे रहे महत्व

महंगाई और बढ़ते खर्चों ने भी युवाओं की सोच बदली है। आज कल युवा कई आर्थिक मामलों के बारे में पहले सोचते हैं। जैसे, घर खरीदने का खर्च। बढ़ती जीवनशैली की लागत। भविष्य की वित्तीय सुरक्षा। शादी के बाद की जिम्मेदारियों की तैयारी।

व्यक्तिगत आजादी

कई युवा अपनी स्वतंत्र जीवनशैली को बनाए रखना चाहते हैं। इसमें शामिल हैं,अपनी पसंद के फैसले लेना। यात्रा और नए अनुभव जुटाना। अपने शौक पूरे करना। बिना सामाजिक दबाव के जीवन जीना।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता

अब रिश्तों में भावनात्मक संतुलन को भी अहम माना जा रहा है। युवाओं की सोच है, मानसिक शांति पहले।टॉक्सिक रिश्तों से दूरी। स्वस्थ संवाद की अपेक्षा। भावनात्मक सुरक्षा की तलाश।

सही साथी का इंतजार

कई युवा मानते हैं कि जल्दबाजी में शादी करने से बेहतर है सही व्यक्ति का इंतजार करना। युवा शादी को लेकर कुछ बातों का ध्यान देते हैं,

आपसी सम्मान।समान सोच।भरोसा।जीवन के लक्ष्यों में सामंजस्य।

बदल रही है रिश्तों की परिभाषा

आज रिश्तों को निभाने का तरीका भी बदल रहा है। रिश्तों और शादी को लेकर नई सोच है, बराबरी का रिश्ता। खुलकर बातचीत। व्यक्तिगत स्पेस का सम्मान। जिम्मेदारियों का साझा निर्वाह।

सोशल मीडिया और बदलती दुनिया का प्रभाव

डिजिटल दुनिया ने युवाओं को अलग-अलग जीवनशैलियों और विचारों से परिचित कराया है। इसका असर है, अलग-अलग संस्कृतियों को समझना।रिश्तों को लेकर नई सोच। आत्मनिर्भरता की प्रेरणा। जीवन के विकल्पों को खुलकर देखना।

क्या इसका मतलब है कि Gen Z शादी नहीं करना चाहती?

हालांकि इसका ये अर्थ नहीं कि जेन जी बिल्कुल ही शादी नहीं करना चाहते हैं। अधिकांश युवा शादी के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि वे चाहते हैं कि, फैसला सोच-समझकर लिया जाए। रिश्ता सम्मान और विश्वास पर आधारित हो। दोनों साथी मानसिक और आर्थिक रूप से तैयार हों। शादी सामाजिक दबाव नहीं, व्यक्तिगत इच्छा से हो।

पत्नी और मां के बीच क्यों फंस जाते हैं कई पुरुष?

भारतीय परिवारों में शादी के बाद पति, पत्नी और मां के रिश्तों को लेकर अक्सर कई तरह की चर्चाएं होती हैं। कई बार यह सवाल उठता है कि कुछ पुरुष अपनी पत्नी की तुलना में मां की बात को ज्यादा महत्व क्यों देते हैं। यह विषय केवल भावनाओं का नहीं, बल्कि परिवार, संस्कार, परवरिश, जिम्मेदारियों और रिश्तों की गहरी समझ से भी जुड़ा हुआ है।

असल में हर परिवार की परिस्थितियां अलग होती हैं। कुछ पुरुष अपनी मां के प्रति गहरा भावनात्मक जुड़ाव महसूस करते हैं क्योंकि बचपन से लेकर युवावस्था तक मां ने उनके जीवन में सबसे बड़ी भूमिका निभाई होती है। वहीं शादी के बाद जीवन में पत्नी एक नई और महत्वपूर्ण साथी बनकर आती है। ऐसे में कई बार दोनों रिश्तों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता।

विशेषज्ञों का मानना है कि किसी एक रिश्ते को दूसरे से ऊपर रखना हर स्थिति में सही नहीं माना जा सकता। एक सफल परिवार वही होता है जहां पति अपनी मां का सम्मान बनाए रखते हुए पत्नी को भी बराबर महत्व दे। खुला संवाद, आपसी सम्मान और समझदारी ऐसे रिश्तों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

बचपन से बना गहरा भावनात्मक जुड़ाव

अधिकांश पुरुषों का अपनी मां के साथ बचपन से ही मजबूत भावनात्मक रिश्ता होता है।

मां उनके पालन-पोषण, शिक्षा, बीमारियों और जीवन के हर महत्वपूर्ण पड़ाव में साथ रहती हैं।

वर्षों का यह जुड़ाव कई बार निर्णय लेने के तरीके को भी प्रभावित करता है।

इसका अर्थ यह नहीं कि पत्नी कम महत्वपूर्ण है, बल्कि पुराने रिश्ते की गहराई स्वाभाविक रूप से अधिक हो सकती है।

भारतीय परिवारों के संस्कार और सामाजिक सोच

भारतीय समाज में माता-पिता की सेवा और सम्मान को महत्वपूर्ण मूल्य माना जाता है।

कई पुरुष बचपन से यही सीखते हैं कि माता-पिता की बात

को प्राथमिकता देना उनका कर्तव्य है।

यही संस्कार शादी के बाद भी उनके व्यवहार में दिखाई देते हैं।

हालांकि आधुनिक परिवारों में पति-पत्नी के बीच साझेदारी और संयुक्त निर्णय लेने की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ रही है।

जिम्मेदारियों का दबाव

शादी के बाद कई पुरुष एक साथ कई भूमिकाएं निभाते हैं, बेटे, पति, पिता और कमाने वाले सदस्य की।

यदि मां उम्रदराज़ हों, अस्वस्थ हों या आर्थिक रूप से उन पर निर्भर हों, तो उनकी देखभाल को प्राथमिकता देना स्वाभाविक हो सकता है।

यह स्थिति पत्नी के महत्व को कम नहीं करती, बल्कि पारिवारिक जिम्मेदारियों का हिस्सा हो सकती है।

संवाद की कमी से बढ़ती हैं गलतफहमियां

कई बार पत्नी को लगता है कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही, जबकि पति स्वयं दो महत्वपूर्ण रिश्तों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे होते हैं।

यदि परिवार में खुलकर बातचीत न हो, तो छोटी-छोटी बातें भी विवाद का कारण बन सकती हैं।

नियमित संवाद, एक-दूसरे की भावनाओं को समझना और मिलकर निर्णय लेना ऐसे तनाव को कम कर सकता है।

रिश्तों में संतुलन जरूरी

रिश्ते किसी एक व्यक्ति को चुनने की प्रतियोगिता नहीं हैं।

एक सफल पति वही माना जाता है जो मां का सम्मान बनाए रखते हुए पत्नी के साथ विश्वास, सहयोग और समान भागीदारी का रिश्ता विकसित करे।

इसी तरह परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी आपसी सम्मान और सीमाओं का ध्यान रखना जरूरी है।

जब सभी एक-दूसरे की भूमिका को समझते हैं, तब परिवार में सामंजस्य और विश्वास मजबूत होता है।

शादी के बाद हर कपल को गुजरना पड़ता है इन चुनौतियों से

आदर्श जीवनसाथी की होती है पहचान

कई बार पति-पत्नी में अनबन हो जाती है और फिर मन में कई सवाल उमड़ने लगते हैं। हालांकि शादीशुदा जीवन में अक्सर ही ऐसे पड़ाव आते हैं, जहां अनबन हो जाती है, लेकिन इस दौरान जरूरत होती है- समझदारी, विश्वास और सहयोग की, फिर चाहे परिस्थिति कैसी भी हो। हर मोड़ पर साथ देने वाला जोड़ा ही आदर्श जीवन-साथी बन पाता है, लेकिन यह पड़ाव कौन से हैं?

आर्थिक संकट का दौर

शादी के शुरुआती वर्षों में नौकरी की अस्थिरता या व्यापार में नुकसान आर्थिक चुनौतियां पैदा कर सकते हैं। ऐसे समय में मजबूत रिश्तों की पहचान पारदर्शिता और आपसी भरोसा होती है। जब दोनों बिना किसी छिपाव के साथ खड़े रहते हैं, तभी विश्वास की मजबूत नींव बनती है।

संतान प्राप्ति और परवरिश

बच्चे का जन्म जीवन का सबसे सुंदर, लेकिन चुनौतीपूर्ण पड़ाव है। प्रसव पीड़ा, रात-रात जागना और पालन-पोषण में माता-पिता दोनों की समान भूमिका होती है, जिसे दोनों को निभाना है। अध्ययन बताते हैं, इस स्थिति में साथ निभाने वाले कपल्स में तलाक की दर 40 प्रतिशत कम होती है।

करियर की चुनौतियां

पति को पत्नी और पत्नी को पति की महत्वाकांक्षा का सम्मान करना चाहिए, भले ही इससे घरेलू संतुलन बिगड़ता हो। जिंदगी का यह पड़ाव ईर्ष्या या प्रतिस्पर्धा से बचने का सबक सिखाता है, जो रिश्ते को पारस्परिक विकास का माध्यम बनाता है।

वृद्धावस्था में

जीवन के अंतिम चरण में बीमारी या अकेलापन आ सकता है। आदर्श पति-पत्नी एक-दूसरे के सहारे पर चलते हैं। दवा समय पर देना, बातें करना और पुरानी यादें ताजा करना, यह सब महत्वपूर्ण होता है। पेंशन या बचत का साझा प्रबंधन भी यहां जरूरी है। जीवन के इस पड़ाव को प्यार से पार करना बेहद जरूरी है।

एक-दूसरे की भावनाओं को समझें

रिलेशनशिप काउंसलर अलका गलफट बताती हैं कि आदर्श पति-पत्नी का रिश्ता संकटों में सहयोग से मजबूत होता है। आर्थिक तंगी में पारदर्शिता, संतान परवरिश में संयुक्त जिम्मेदारी, करियर चुनौतियों में समर्थन, पारिवारिक बोझ में संतुलन और वृद्धावस्था में भावनात्मक सहारा, ये पड़ाव रिश्ते की असली परीक्षा हैं। जो महिलाएं इनसे अकेले नहीं, पति के साथ गुजरती हैं, उनका वैवाहिक जीवन 80 प्रतिशत अधिक सुखी रहता है। इसलिए आप दोनों को अपनी भावनाओं को समझना सीखना चाहिए।

हर पिता को अपनी बेटी के लिए जरूर करनी चाहिए ये बातें, रिश्ता होगा और मजबूत

बेटा, मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं। पिता के ये कुछ शब्द किसी भी बेटी के लिए दुनिया का सबसे बड़ा भरोसा बन सकते हैं। एक बेटी को जीवन में आगे बढ़ने के लिए सिर्फ अच्छी शिक्षा या संसाधनों की ही जरूरत नहीं होती, बल्कि उससे भी ज्यादा जरूरी होता है पिता का विश्वास और भावनात्मक साथ। जब पिता अपनी बेटी के फैसलों पर भरोसा जताते हैं, उसके सपनों को महत्व देते हैं और मुश्किल समय में उसके साथ खड़े रहते हैं, तब वही भरोसा उसके आत्मविश्वास की सबसे बड़ी ताकत बन जाता है।

आज के दौर में जहां बेटियां शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल और बिजनेस जैसे हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही हैं, वहां उनकी सफलता के पीछे परिवार, खासकर पिता की भूमिका भी बेहद अहम होती है। कई बार पिता का सिर्फ यह कहना कि ₹तुम कर सकती हो₹ किसी भी प्रेरणादायक भाषण से कहीं ज्यादा असर छोड़ता है। हर बेटी अपने पिता से महंगे उपहार या बड़ी सुविधाएं नहीं चाहती, बल्कि वह चाहती है कि उसकी बात सुनी जाए, उसके फैसलों का सम्मान किया जाए और जरूरत पड़ने पर पिता उसके साथ मजबूती से खड़े रहें। यही रिश्ता बेटियों को जीवन की हर चुनौती का सामना करने का साहस देता है।

जब पिता भरोसा करते हैं, बेटियां खुलकर सपने देखती हैं

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद की टेक और एआई कंटेंट क्रिएटर यामिनी गौड़ मानती हैं कि बेटियों

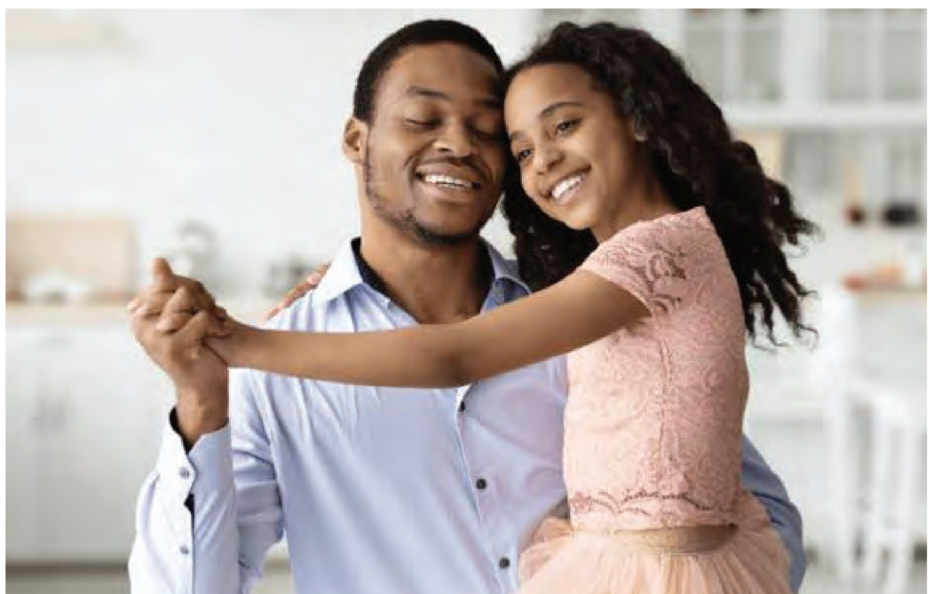

के लिए सबसे बड़ी ताकत पिता का विश्वास होता है। वह बताती हैं कि समाज ने कई बार उनके परिवार को यह महसूस कराने की कोशिश की कि बेटियां वंश आगे नहीं बढ़ातीं, लेकिन उनके पिता ने कभी ऐसी सोच को महत्व नहीं दिया।

यामिनी के अनुसार, उनके पिता ने उन्हें और उनकी बहन को हमेशा अपने फैसले लेने की आजादी दी और हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया। शादी के बाद भी उनकी बड़ी बहन से उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि हर हाल में समझौता करना है। उन्होंने हमेशा कहा कि अगर कभी लगे कि परिस्थितियां असहनीय हैं, तो मायके का दरवाजा हमेशा खुला है। यामिनी मानती हैं कि जब पिता भरोसा देते हैं, तब बेटियां जीवन के हर फैसले में अधिक आत्मविश्वास महसूस करती हैं।

सिर्फ आर्थिक सहयोग नहीं, भावनात्मक साथ भी जरूरी है

हरियाणा के हिसार की रहने वाली सिमरन आज माइक्रोसॉफ्ट जैसी वैश्विक टेक कंपनी में कार्यरत हैं। उनकी सफलता के पीछे उनके पिता राजेश कुमार का वर्षों का संघर्ष और विश्वास है।

राजेश कुमार गांव-गांव जाकर कबाड़ के बदले बर्तन बेचते थे, लेकिन सीमित आय के बावजूद उन्होंने बेटी की पढ़ाई में कभी समझौता नहीं किया। सिमरन ने आईआईटी मंडी से पढ़ाई की और कैंपस प्लेसमेंट के जरिए माइक्रोसॉफ्ट तक का सफर तय किया।

सिमरन कहती हैं कि पिता ने उन्हें केवल पढ़ाया ही नहीं, बल्कि हर कठिन परिस्थिति में यह विश्वास भी दिलाया कि मेहनत से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है। उनके अनुसार, बेटियों को सबसे ज्यादा जरूरत इस बात की होती है कि उनके माता-पिता उनके सपनों पर भरोसा करें।

सपनों की उड़ान में पिता बन सकते हैं सबसे बड़े कोच

चंडीगढ़ की जानवी जिंदल, जिन्होंने फ्रीस्टाइल स्केटिंग में 11 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं, अपनी सफलता का बड़ा श्रेय अपने पिता को देती हैं।

रिलेशनशिप

जानवी बताती हैं कि उनके पास शुरुआती दौर में न कोई बड़ा कोच था और न ही अत्याधुनिक सुविधाएं। उन्होंने और उनके पिता ने इंटरनेट पर वीडियो देखकर नई तकनीकें सीखीं और घंटों अभ्यास किया। नौकरी के बाद भी उनके पिता हर दिन समय निकालकर उनकी तैयारी में साथ देते थे। जानवी का मानना है कि हर पिता को अपनी बेटी के सपनों को गंभीरता से लेना चाहिए। कई बार केवल साथ, प्रोत्साहन और विश्वास ही किसी बच्चे को असाधारण उपलब्धियों तक पहुंचा सकता है।

ईरान युद्ध के बीच अंधेरी सुरंग में फंसा अमेरिका

हर महीने 209 अरब डालर बढ़ रहा है कर्ज

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में एक बार फिर घमासान शुरू हो गया है। अमेरिका ने पिछले तीन दिनों में ईरानी ठिकानों पर जोरदार हमला किया है। इससे कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। पिछले एक हफ्ते में कच्चे तेल की कीमत 11% उछलकर एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है। इससे एक बार फिर महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। इस बीच अमेरिका पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है।

अमेरिका का कर्ज 39.4 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है। पिछले 12 महीनों में इसमें 3.2 ट्रिलियन डॉलर की तेजी आई है। 2020 से यह 16.3 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। पिछले छह साल में सालाना 2.5 ट्रिलियन डॉलर की तेजी आई है। अगर इसी हिसाब से बढ़ता रहा तो 2030 से पहले यह 50 ट्रिलियन डॉलर पहुंच जाएगा। अमेरिका लगातार ऐसे कर्ज के ऐसे गर्त में जा रहा है जिससे निकलना मुश्किल लग रहा है।

कितना जा रहा है ब्याज?

देश का कर्ज कम करने के लिए ट्रंप सरकार की कोशिशें अब तक कोई रंग नहीं लाई हैं। अमेरिका के रेवेन्यू का एक बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में जा रहा है। यह रकम देश की जीडीपी का 3.2% पहुंच चुकी है जो 1970 के दशक के बाद सबसे ज्यादा है। पिछले पांच साल में यह राशि तीन गुना बढ़ चुकी है। 2020 से नॉमिनल इंटरेस्ट पेमेंट $711 अरब यानी करीब 140% बढ़कर $1.22 ट्रिलियन पहुंच गया है। यह नेशनल बजट का 15% है।

ईरान युद्ध का खर्च

अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। दोनों देशों के बीच 17 जून को अंतरिम समझौता हुआ था। इस दौरान 108 दिनों तक चली लड़ाई में अमेरिका ने केवल सैन्य अभियान पर करीब 113 अरब डॉलर खर्च किए। दोनों देशों के बीच एक बार फिर घमासान शुरू हो चुका है। इस बार अमेरिका ने इस लड़ाई में दुनिया का सबसे महंगा फाइटर एफ-22 रैप्टर उतारा है।

कुमार मंगलम बिड़ला 17200 करोड़ में स्प्रिंग एनर्जी का करेंगे अधिग्रहण

अंबानी-अदाणी को इस सेक्टर में देंगे कड़ी टक्कर!

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ की यूनिट, आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स लिमिटेड ने शेल ओवरसीज़ इन्वेस्टमेंट बीवी से स्प्रिंग एनर्जी को लगभग 1.8 अरब डॉलर (करीब 17,200 करोड़) में खरीदने का समझौता किया है। यह डील देश के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी प्लेटफॉर्म में से एक बनाने का रास्ता साफ करेगी। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने कहा कि इस अधिग्रहण से एब्रेन की कुल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता बढ़कर लगभग 9.3 गीगावाट-पीक हो जाएगी।

इसमें लगभग 3.3 जीडब्ल्यूपी के चालू प्रोजेक्ट और 1.7 जीडब्ल्यूपी के निर्माणाधीन प्रोजेक्ट शामिल हैं। इस डील के तहत, शेल ओवरसीज को दी जाने वाली इक्विटी की रकम कर्ज, कैश और अन्य चीजों के एडजस्टमेंट के बाद तय की जाएगी। बयान के अनुसार, इस अधिग्रहण के लिए ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ और ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर्स (जिसे ब्लैकरॉक चलाता है) द्वारा मैनेज किए जाने वाले फंड से डेट और इक्विटी के ज़रिए पैसे जुटाए जाएंगे। इस डील से एब्रेन के कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी बिज़नेस को स्प्रिंग एनर्जी के यूटिलिटी-स्केल पोर्टफोलियो के साथ मिलाया जाएगा। ज़रूरी रेगुलेटरी मंज़ूरी और दूसरी औपचारिकताओं के पूरा होने पर, इसके 2026 के आखिर तक पूरा होने की उम्मीद है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा, ग्रुप ने लंबे समय में वर्ल्ड-क्लास बिज़नेस बनाए हैं और भारत के एनर्जी ट्रांज़िशन को भी उसी नज़रिए से देखता है।

यह डील देश के एनर्जी भविष्य को मज़बूत करने और आर्थिक विकास की नींव रखने में मदद करेगी।ग्रुप के डायरेक्टर आर्यमान विक्रम बिड़ला ने कहा कि यह अधिग्रहण एब्रेन के लिए एक अहम पड़ाव है और इससे राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख रिन्यूएबल एनर्जी प्लेटफ़ॉर्म बनाने की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

एब्रेन के बिज़नेस हेड जयंत दुआ ने कहा कि दोनों कंपनियों के एक साथ आने से ऑपरेशनल क्षमता बेहतर होगी और प्रोजेक्ट डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन और एसेट मैनेजमेंट में तालमेल से प्रोजेक्ट पूरा करने की रफ़्तार बढ़ेगी। कंपनी ने बताया कि इस संयुक्त इकाई के पास अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स का पोर्टफोलियो और मज़बूत प्रोजेक्ट पाइपलाइन होगी, जिसका लक्ष्य आने वाले सालों में 20 गीगावाट-पीक से ज़्यादा क्षमता हासिल करना है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट

सेंसेक्स 561 अंक टूटा, रुपया फिर 96 के पार

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में संकट गहराने से आज एशियाई बाजारों में गिरावट आई। इसका असर घरेलू शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स 561.46 अंक यानी 0.72% गिरावट के साथ 77,054.94 अंक पर बंद हुआ जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स 158.95 अंक यानी 0.66% नीचे 24,052.05 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स के 30 शेयरों से 24 गिरावट के साथ बंद हुए। एचसीएल टेक में सबसे ज्यादा 4.63 फीसदी गिरावट आई। बजाज फिनसर्व, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडिगो, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक बैंक, आईटीसी, मारुति, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और ट्रेंट में उल्लेखनीय गिरावट आई। दूसरी ओर, भारती एयरटेल, सन फार्मा, टीसीएस, टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स और इटरनल में तेजी आई।

रुपये में भारी गिरावट

इस बीच मंगलवार को रुपया गिरकर डॉलर के मुकाबले 96 के पार पहुंच गया। रुपया 54 पैसे गिरकर 96.22 पर बंद हुआ। 22 मई के बाद रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 96 के पार पहुंचा है। पिछले सत्र में यह 95.62 पर बंद हुआ था। मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने और अमेरिका तथा ईरान के बीच नए हमलों के कारण इस हफ्ते तेल की कीमतों में तेजी आई। इससे भारतीय करेंसी पर दबाव पड़ा।

ब्रॉडर बाजार का हाल

निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट एचसीएल टेक, श्रीराम फाइनेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर रहे। ब्रॉडर मार्केट में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.44 प्रतिशत और 1.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। सेक्टरवाइज से देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा गिरावट आई, जबकि निफ्टी फार्मा में सबसे ज्यादा बढ़त हुई। इस बीच कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड अभी 4.57 फीसदी तेजी के साथ 87.11 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है।

अंडे और चिकन के कारोबार में बंपर उछाल, वर्ष 2027 में होने जा रही है रिकॉर्ड तोड़ कमाई

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के पोल्ट्री सेक्टर की आय वित्त वर्ष 2027 में 6-7 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इसके साथ आय में पिछले वर्ष के मुकाबले 50 से 100 आधार अंक की बढ़ोतरी की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के दौरान पोल्ट्री इंडस्ट्री के परिचालन प्रदर्शन में स्थिरता देखी गई। इसकी वजह उत्पादन में अच्छी बढ़ोतरी, रिटेल, इंस्टीट्यूशनल और फूड-सर्विस चैनलों में मजबूत मांग के साथ आपूर्ति-मांग की बेहतर स्थिति थी।

भारत दूसरा बड़ा उत्पादक देश

भारत अंडे का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और ब्रॉयलर मीट का प्रमुख उत्पादक देश है। देश ने वित्त वर्ष 25 के दौरान 149.11 अरब अंडों का उत्पादन किया। पोल्ट्री मीट का उत्पादन लगभग 5.18 मिलियन टन रहा, जो भारत के कुल मीट उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रोटीन की बढ़ती खपत, शहरीकरण, लोगों की खरीदने की क्षमता में सुधार और खान-पान की बदलती आदतों की वजह से भारत अंडे और पोल्ट्री मीट के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फीड कन्वर्जन रेश्यो (एफसीआर) को बेहतर बनाने, फार्म मैनेजमेंट के अच्छे तरीकों और कामकाज की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देने से संगठित पोल्ट्री इंडस्ट्री में उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

2027 में भी बनी रहेगी रफ्तार

रेटिंग एजेंसी ने अपने अनुमान में कहा कि प्रोटीन की बढ़ती खपत, शहरीकरण और संगठित खिलाड़ियों द्वारा क्षमता बढ़ाने की वजह से वित्त वर्ष 2027 में अंडे और मीट के उत्पादन में अच्छी रफ्तार बनी रहेगी।संगठित रिटेल, क्विक-सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर), कोल्ड-चेन इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्यात के मौकों के बढ़ने से प्रोसेस्ड पोल्ट्री सेक्टर में बढ़ोतरी हो रही है। इससे लंबे समय में ग्रोथ और वैल्यू एडिशन के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है।

इस इंडस्ट्री में लगभग 60-65 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली संगठित कंपनियों ने इंटीग्रेटेड ऑपरेशन, बेहतर फीड खरीद और मजबूत प्राइसिंग अनुशासन के जरिए वित्त वर्ष 2026 में मुनाफे में जबरदस्त सुधार देखा। वित्त वर्ष 2026 के दौरान, घरेलू उत्पादन बढ़ने और सप्लाई की स्थिति में सुधार के कारण मक्के की कीमतों में भारी गिरावट आई। मक्के की कीमतों में इस गिरावट से मार्जिन में काफी राहत मिली, खासकर उन इंटीग्रेटेड कंपनियों को जिनके पास अपने फीड मिल और खरीद के कुशल तरीके थे।

बायजू रवींद्रन को झटका, सिंगापुर की अदालत ने खारिज की सजा पलटने की अर्जी, जाना पड़ेगा जेल?

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। एजुकेशन स्टार्टअप बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सिंगापुर की एक अदालत ने उनकी छह महीने की जेल की सजा को पलटने की अपील खारिज कर दी है। रवींद्रन को अदालत की अवमानना के मामले में मई में 6 महीने जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद पिछले महीने इस पर रोक लगा दी थी।

बायजू कभी देश की सबसे वैल्यूएबल स्टार्टअप हुआ करती थी लेकिन अब यह कई तरह की परेशानियों से घिरी है। कोर्ट के आदेश का मतलब है कि रवींद्रन जब तक वह सजा काटने के लिए तैयार नहीं होते, तब तक वह सिंगापुर वापस नहीं आ सकते। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक रवींद्रन को लीगल सर्विस दे रही लॉ फर्म लाज़ारेफ़ ले बार्स ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सिंगापुर के कोर्ट ने 9 जुलाई को बायजू रवींद्रन की सजा रोकने की अर्जी ठुकरा दी। लीगल फर्म के वकील जे. माइकल मैकनट ने बयान में कहा, मिस्टर रवींद्रन का कहना है कि उन्होंने जानबूझकर या अनजाने में कोर्ट के किसी आदेश का उल्लंघन नहीं किया है और वह सही कानूनी प्रक्रिया के जरिए हर कानूनी उपाय अपनाते रहेंगे।

अर्श से फर्श तक

कभी भारतीय स्टार्टअप इंडस्ट्री को पोस्टर बॉय माने जाने वाले रवींद्रन ने ऑनलाइन ट्यूटरिंग कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट शुरू की थी। इस कंपनी ने उन्हें अरबपति बना दिया था। लेकिन तेजी से विस्तार और कथित तौर पर कॉर्पोरेट गवर्नेंस में गड़बड़ियों के कारण बाद में यह कंपनी डूब गई। आज रवींद्रन को अमेरिका समेत कई देशों में निवेशकों के दावों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी निवेशक 1.2 बिलियन डॉलर के डूब चुके लोन से हुए नुकसान की भरपाई के लिए लड़ रहे हैं। सिंगापुर में कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की एक सब्सिडियरी रवींद्रन के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रही है।

फैसले का मतलब

मैकनट ने कहा कि रवींद्रन अभी सिंगापुर में नहीं हैं। उन्होंने कहा, भविष्य में अगर वह सिंगापुर में होते हैं या वहां जाने का इरादा रखते हैं, तो वह तब अपील कर सकते हैं और कोर्ट उस पर विचार करेगा। इस आदेश का तब तक कोई व्यावहारिक असर नहीं होगा जब तक वह सिंगापुर में प्रवेश करने का फैसला नहीं करते।

सोना 476 घटकर 1.42 लाख आया

चांदी 849 बढ़कर 2.19 लाख किलो पर पहुंची, इस साल 2.80 लाख तक जा सकती है

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 14 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 476 रुपए घटकर 1.42 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं एक किलो चांदी 849 रुपए बढ़कर 2.19 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

चांदी ऑल टाइम हाई से 1.66 लाख रुपए नीचे

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 34 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 166 दिन में चांदी 1.66 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

भारत में ई20 पेट्रोल पर मचा है बवाल

जानें दुनिया के दूसरे देश कितना मिला रहे हैं इथेनॉल, एक तो 100% पर पहुंच गया

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले कुछ समय से देश में पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई20 यानी 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण) को लेकर काफी चर्चा हो रही है। देश भर में लोगों ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं और सरकार के इस फैसले का विरोध किए हैं। लेकिन वैश्विक तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां करती है। भारत इस दिशा में अकेला नहीं है। दुनिया के कई बड़े और विकसित देश पहले से ही पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग को अपनाकर स्वच्छ ईंधन, ऊर्जा सुरक्षा और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

इतना ही नहीं, कुछ देश तो ई30, ई85 और यहां तक कि ई100 जैसे उच्च स्तर के इथेनॉल मिश्रण पर भी काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत का ई20 अभियान वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का ही एक हिस्सा माना जा रहा है।

पेट्रोल पर निर्भरता कम करना उद्देश्य

'ग्लोबल बायोइथेनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसीज मैप' ग्राफिक्स में दर्शाए गए विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया भर में पेट्रोल पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बायोइथेनॉल ब्लेंडिंग को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कई देशों ने अपने यहां इथेनॉल मिश्रण के लिए अलग-अलग लक्ष्य तय किए हैं, जबकि कुछ देश आने वाले वर्षों में ब्लेंडिंग प्रतिशत को और बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। यह वैश्विक रुझान बताता है कि स्वच्छ ईंधन की दिशा में दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

2030 तक ई30 लागू करने का लक्ष्य

रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत फिलहाल ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण) तक पहुंच चुका है और 2030 तक ई30 लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत स्वच्छ ईंधन अपनाने वाले प्रमुख देशों में शामिल हो चुका है और आने वाले वर्षों में इथेनॉल आधारित ईंधन के उपयोग को और बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। लैटिन अमेरिका में भी कई देशों ने इथेनॉल मिश्रण को अपनाया है। अर्जेंटीना ई12, उरुग्वे ई10, कोलंबिया ई10, इक्वाडोर ई10 (इकोपैस गैसोलीन) और पेरू ई7.8 पर काम कर रहे हैं। कोस्टा रिका और पनामा ने 2027 तक ई10 लागू करने का लक्ष्य रखा है, जबकि ग्वाटेमाला 2026 तक ई10 लागू करेगा।

एशिया में भारत के अलावा नेपाल ई10, थाईलैंड ई10 अनिवार्य और वैकल्पिक रूप से ई20 व ई85, वियतनाम ई10 आरओएन95 और ई5 आरओएन92, तथा फिलीपींस ई10 अनिवार्य और ई20 पर विचार कर रहा है। इंडोनेशिया में आयातित पेट्रोल में ई3 की अनुमति है। वहीं जापान ने 2030 तक ई10 और 2040 तक ई20 लागू करने का लक्ष्य रखा है, जिससे स्पष्ट है कि विकसित देश भी धीरे-धीरे उच्च इथेनॉल मिश्रण की ओर बढ़ रहे हैं।

महंगाई की दोहरी मार: जून में 9.87% पर पहुंची थोक महंगाई दर, क्या फिर जेब पर भारी पड़ने वाली हैं रोजमर्रा की चीजें?

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। देश में आम जनता से लेकर नीति निर्माताओं के लिए महंगाई के मोर्चे पर एक बड़ी और चिंताजनक खबर आई है। जून 2026 के महीने में भारत की थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर बढ़कर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई है। मई में यह आंकड़ा 9.68 प्रतिशत पर था। कमोडिटी की बढ़ती कीमतों और खाद्य पदार्थों में आए भारी उछाल ने इस बढ़ोतरी को हवा दी है। खास बात यह है कि यह आंकड़े संशोधित आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित हैं। इस उछाल ने न केवल विनिर्माण क्षेत्र की लागत बढ़ा दी है, बल्कि आगामी दिनों में खुदरा बाजार में भी कीमतों के बढ़ने का गंभीर खतरा पैदा कर दिया है।इस बार थोक महंगाई को बढ़ाने में सबसे बड़ा हाथ खाद्य उत्पादों और गैर-खाद्य वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों का रहा है। बारिश की कमी और अल नीनो के प्रभाव के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है, जिससे जून में खाद्य महंगाई दर तेजी से बढ़कर 5.49 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में महज 3.60 प्रतिशत थी। इसके साथ ही, गैर-खाद्य वस्तुओं की थोक महंगाई दर भी उच्च स्तर पर यानी 11.07 प्रतिशत दर्ज की गई।वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, जून 2026 में थोक महंगाई को बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में शामिल हैं:मिनरल ऑयल्स (पेट्रोलियम उत्पाद)खाद्य वस्तुएंबुनियादी धातुओं का निर्माण रसायन और रासायनिक उत्पादों का निर्माण थोक महंगाई के इस ऊंचे स्तर के बीच राहत की एकमात्र खबर ईंधन और बिजली के मोर्चे पर दिखी है। जून में ईंधन महंगाई दर घटकर 27.41 प्रतिशत रह गई, जो मई में 30.33 प्रतिशत के चरम स्तर पर थी। बार्कलेज के एक नोट के मुताबिक, अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की घोषणा के चलते जून में वैश्विक कमोडिटी और कच्चे तेल की कीमतों को थोड़ी राहत मिली थी, जिसका असर घरेलू स्तर पर भी दिखा। हालांकि, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर मई की तरह ही जून में भी 7.48 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही। भविष्य के परिदृश्य को लेकर अर्थशास्त्रियों में चिंता और उम्मीद दोनों बनी हुई हैं। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च की डायरेक्टर मेघा अरोड़ा का मानना है कि जुलाई 2026 में थोक महंगाई दर 10 प्रतिशत के पार जा सकती है। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में फिर से बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और अल नीनो का खाद्य कीमतों पर असर इसकी बड़ी वजहें होंगी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	मिथुन	मे
चंद्र	कर्क	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मिथुन--	03-48 बजे
कर्क----	06-00 बजे
सिंह----	08-13 बजे
कन्या--	10-20 बजे
तुला-----	12-25 बजे
वृश्चिक--	14-34 बजे
धनु-----	16-48 बजे
मकर--	18-54 बजे
कुंभ----	20-45 बजे
मीन----	22-24 बजे
मेष-----	00-00 बजे
वृष-----	01-44 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्योदय 05-53 सूर्यास्त 18 -50
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष बुधवार 15 July 2026
तिथि - प्रतिपदा 11-51 तक उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - पुष्य 21-46 रात्रि तक उप आश्लेषा
योग - हर्षण 08-04 तक उप वज्र
करण - बव 11-51 तक उप बालव

विशेष: गुप्त नवरात्रि प्रा

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 12-22 से 13-59 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया		
लाभ	05-53 - 07-29	शुभ
अमृत	07-29 - 09-07	शुभ
काल	09-07 - 10-44	अशुभ
शुभ.	10-44 - 12-22	शुभ
रोग	12-22 - 13-59	अशुभ
उत्पात	13-59 - 15-38	अशुभ
चंचल	15-38 - 17-15	शुभ
लाभ	17-15 - 18-50	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	18-50 - 20-15	अशुभ
शुभ	20-15 - 21-38	शुभ
अमृत	21-38 - 22-59	शुभ
चंचल	22-59 - 00-22	शुभ
रोग	00-22 - 01-45	अशुभ
काल	01-45 - 03-07	अशुभ
लाभ	03-07 - 04-29	शुभ
उत्पात	04-29 - 05-53	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है ,जो की आप विलासिता से भरी वस्तु पर खर्च कर सकते है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप एक आकर्षक आभा और मीठी वाणी के स्वामी है । इन अलंकारो की वजह से आप अपना रास्ता खुद बना सकते है । आपका बच्चों का सा रवैया हर जगह खुशी फैलाता है और सबके लिए बहुत आसान परिस्थितियों का निर्माण होता है , और आप अपने चुटकुलों और हास्य से सबके मनोविज्ञान को प्रभावित करते है , जो आपके मुख मंडल से अनायास ही निकल पड़ते है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपका धैर्य कर्तव्य और जिम्मेदारी की अपनी भावना आपके रास्ते में आ रही सभी बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी । आपको अपने हास्य क्षमता को जागृत करना होगा ताकि आपका कार्य क्षेत्र में एक अच्छे माहौल का निर्माण हो सके जिससे की आप आराम से अपने कार्य को कर सके ।दिन के अंत में एक गंभीर वित्तीय लाभ का मौका आपको मिल सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरो में नयी उर्जा का संचार हो सकता है । यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा । बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज के दिन जो लोग सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करते है उन्हें आगे बढ़ने के अच्छे अवसर एवं पदोन्नति मिल सकती है । अगर आपने सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरी के लिए आवदेन किया हुआ है तो आपको शुभ सन्देश मिल सकता है । ये समय किसी दूसरी नौकरी जैसे की प्रशासनिक कार्यो के आवेदन के लिए भी अछा है अगर आप अपनी वर्तमान नौकरी से खुश नहीं है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

‘ऐसी कार्रवाई करो कि बदमाशों की रूह कांपे’

पुलिस अफसरों को सीएम भजनलाल की दो टूक, जारी किए 10 सख्त निर्देश

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में अपराधियों पर पूरी तरह से शिकंजा कसने और कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक बेहद महत्वपूर्ण और हाई-लेवल समीक्षा बैठक ली। इस उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने पुलिस और गृह विभाग के आला अधिकारियों को दो टूक लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में अपराध और अपराधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब से राज्य के किसी भी हिस्से में होने वाले अपराधों के लिए संबंधित रेंज आईजी और जिला पुलिस अधीक्षक सीधे तौर पर जिम्मेदार माने जाएंगे।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अलवर, श्रीगंगानगर और भरतपुर में हाल ही में हुई आपराधिक घटनाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को तलब करते हुए उनसे जवाब मांगा। वहीं, उदयपुर के गोगुंदा क्षेत्र में चरागाह भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण के गंभीर मामले में लापरवाही बरतने पर एक बड़े प्रशासनिक अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के सख्त निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2023 की तुलना में राज्य में संगठित अपराध और फायरिंग की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी जरूर आई है, लेकिन इस गिरावट की रफ्तार को और तेज करना होगा ताकि आम नागरिक खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस कर सकें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 10 सख्त निर्देश:

मुख्यमंत्री ने बैठक में पुलिस अधिकारियों को अपनी कार्यशैली में व्यापक सुधार लाने और जमीनी स्तर पर सख्त

कानून-व्यवस्था पर बैठक में सीएम भजनलाल शर्मा

कार्रवाई करने के लिए 10 महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं:

जिला स्तर पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी पुलिस कप्तानों की होगी। क्षेत्र में किसी भी बड़ी वारदात या लापरवाही के लिए सीधे आईजी और एसपी को जिम्मेदार मानकर कार्रवाई की जाएगी।

संगठित अपराध की रीढ़ माने जाने वाले अवैध हथियारों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए राज्यभर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। हथियार पकड़े जाने पर केवल अपराधी ही नहीं, बल्कि उसके सप्लायर और सरगना तक पुलिस पहुंचेगी।

पुलिस सोशल मीडिया पर उन युवाओं की विशेष निगरानी करेगी जो बड़े गैंगस्टर्स या अपराधियों को फॉलो करते हैं। इसके अलावा हवाला कारोबार और अवैध आय के स्रोतों को पूरी तरह बंद किया जाएगा।

एनडीपीएस एक्ट के मामलों में केवल गिरफ्तारी काफी नहीं होगी। नशा तस्करों की अवैध संपत्तियों को कुर्क करने, जब्त करने और अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने की कार्रवाई में तेजी लाई जाएगी।

डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी की वारदातों को रोकने के लिए राजस्थान के हर थाने और साइबर सेल में विशेष दक्ष कार्मिक तैनात होंगे और साइबर पेट्रोलिंग को अपग्रेड किया जाएगा।

महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले जघन्य अपराधों के मामलों में त्वरित अनुसंधान कर अपराधियों को रिकॉर्ड समय में कठोरतम सजा दिलाई जाएगी।

रेंज आईजी और एसपी व्यक्तिगत रूप से पेंडिंग पड़े गैंगस्टर्स, हिस्ट्रीशीटर्स और आर्म्स एक्ट के मुकदमों का विश्लेषण करेंगे और समय सीमा के भीतर उनका निस्तारण सुनिश्चित करेंगे।

पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए सभी जिलों में कम्युनिटी लाइजन ग्रुप की बैठकें नियमित रूप से आयोजित होंगी और इनकी राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग की जाएगी।

चरागाह, सरकारी और सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करने वाले भू-माफियाओं के खिलाफ तत्काल एक्शन लिया जाएगा और जिम्मेदार अधिकारियों पर लापरवाही बरतने पर कार्रवाई होगी।

पुलिस थानों में आने वाले फरियादियों की सुनवाई की गुणवत्ता को सुधारने के लिए थानों के स्तर पर कड़ा फीडबैक सिस्टम विकसित किया जाएगा।

अगले सीएम के सवाल पर क्या बोले सचिन पायलट?

पंचायत चुनाव को लेकर भजनलाल सरकार पर साधा निशाना

बांसवाड़ा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि 12 साल के कार्यकाल में केन्द्र सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं को खोखला कर दिया है। सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और चुनाव आयोग का दुरुपयोग कर रही है। सचिन पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नीट पेपर लीक और राममंदिर के चंदा चोरी मामले में सरकार लीलापोती करने में जुट गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर राम मंदिर बनाया। इसमें कौन ट्रस्ट संभालेगा, कौन अध्यक्ष बनेगा यह सब केन्द्र सरकार ने तय किया था। चंदा चोरी के प्रकरण से पूरे देश की आस्थाओं पर ठेस लगी है। पर, एफआइआर में चंपतराय का नाम ही गायब है। सरकार को चाहिए कि वह इस पूरे मामले का दूध का दूध और पानी का पानी करें।

पायलट ने भजनलाल सरकार पर स्थानीय निकाय व पंचायत चुनाव टालने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा सरकार चुनाव कराने से पूरी तरह डरी हुई है क्योंकि उसे मालूम है कि मैदान में उतरते ही नतीजे उसके खिलाफ आएंगे।

हाईकोर्ट की ओर से कई बार लताड़ पड़ने के बावजूद सरकार जानबूझकर चुनाव टालने के बहाने ढूंढ रही है। उन्होंने कहा कि यहां सरकार चलाने वालों को खुद नहीं पता कि वे कितने दिन अपनी कुर्सी पर रहेंगे, क्योंकि सारा मामला तो दिल्ली से नियंत्रित हो रहा है। पायलट ने कहा कि जब भी चुनाव होंगे, जनता इस सरकार को सबक सिखाएगी। केवल ग्रामीण ही नहीं, बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी कांग्रेस भारी बहुमत के साथ प्रचंड जीत दर्ज करेगी। पायलट ने कहा कि भाजपा ‘वन नेशन-वन इलेक्शन का स्लोगन’ देकर सरकार चुनाव टाल रही है। तमाम न्यायिक मंचों ने सरकार को फटकार लगा रही है। पर, डबल इंजन सरकार ने पूरा देश अधिकारियों के भरोसे छोड़ दिया है। जनता के काम नहीं हो रहे हैं। हर वर्ग हताश और निराश है। असल बात ये है कि सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है और वह चुनाव से डर रही है।

पायलट ने कहा कि प्रदेश सरकार का ढाई साल का कार्यकाल हो गया है। पर, ढाई साल में ही जनता ऊब चुकी है। स्थितियां ये है कि जनता के कोई कार्य नहीं हो रहे हैं। कानून व्यवस्था तार-तार हो रही है। कृषक, महिलाएं, आमजन, कर्मचारी हर वर्ग परेशान है। जनता के कार्य तो छोड़े, स्वयं भाजपा के कार्यकर्ताओं के कार्य नहीं हो रहे हैं। सरकारी महकमों में रिक्त पद भरे नहीं जा रहे हैं। खुद के अगले सीएम के सवाल पर सचिन पायलट ने कहा कि इन बातों में ध्यान मत दो। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश के जिन भी राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, वहां कांग्रेस पूरी मजबूती से चुनाव जीतेगी।

‘मिलते हैं ब्रेक के बाद’, प्रसूताओं की मौतों के सवाल पर हंस पड़े हेल्थ मिनिस्टर, खड़ा हुआ नया विवाद

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में डिलीवरी के बाद प्रसूताओं की हो रही मौतों का गंभीर और संवेदनशील मामला पूरे प्रदेश में गरमाया हुआ है। इस मानवीय संकट को लेकर स्वास्थ्य भवन में आयोजित एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद जब मीडियाकर्मियों ने राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर से प्रसूताओं की सुरक्षा और सरकार की जवाबदेही को लेकर तीखे सवाल पूछे, तो मंत्री जी ने कोई ठोस जवाब देने के बजाय मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने कह दिया- ₹मिलते हैं ब्रेक के बाद₹, और इसके तुरंत बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़कर आगे बढ़ गए।

ध्यान दिला दें कि राज्य में पिछले ढाई महीनों के भीतर सरकारी अस्पतालों के लेबर रूम में 18 से अधिक प्रसूताओं की जान जा चुकी है। यही वजह है कि ऐसे संवेदनशील समय में स्वास्थ्य मंत्री की इस असहज करने वाली हंसी और लापरवाही भरे लहजे ने राजस्थान की जनता और विपक्ष को पूरी तरह आक्रोशित कर दिया है।

मंत्री के हंसकर दिए जवाब का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विपक्ष ने इसे राजस्थान के पूरे सरकारी चिकित्सा तंत्र की घोर विफलता बताते हुए मंत्री के इस्तीफे की मांग एक बार फिर तेज कर दी है। राजस्थान में एक के बाद एक क्यों हो रही प्रसूताओं की मौतें? हेल्थ मिनिस्टर गजेंद्र सिंह खींवसर ने दे डाली कई दलीलें

स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के 'कैजुअल' और असंवेदनशील रवैये को लेकर राजस्थान की सियासत पूरी तरह गर्मा गई है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जहां एक तरफ मरुधरा में मासूम महिलाओं और नवजातों की माताओं की लगातार लाशें उठ रही हैं, वहीं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मीडिया के सवालों पर हंसकर 'ब्रेक' की बातें कर रहे हैं।

विपक्ष ने मांग की है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए लापरवाह अधिकारियों को निलंबित करना चाहिए और स्वास्थ्य मंत्री से इस असंवेदनशील टिप्पणी के लिए जनता से सार्वजनिक माफी मंगवानी चाहिए। सरकारी अस्पतालों में प्रसव के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों और रिपोर्ट के अनुसार, पिछले ढाई महीनों यानी मई 2026 से लेकर अब तक राजस्थान के विभिन्न जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में डिलीवरी के बाद 18 महिलाओं की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जबकि 50 से अधिक महिलाएं गंभीर रूप से बीमार हुई हैं।

स्मार्ट मीटर विरोध प्रदर्शन के बाद बूंदी में 2 विधायक अशोक चांदना और सीएल प्रेमी समेत 28 लोग नामजद, सीआईडी-सीबी करेगी जांच

बूंदी, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बूंदी के हिण्डोली विधानसभा क्षेत्र में स्मार्ट मीटर को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन हुआ। विधायक अशोक चांदना के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलक्ट्रेट का घेराव करने का प्रयास किया जिस पर पुलिस ने 3 बार वाटर कैनन का इस्तेमाल कर उन्हें खदेड़ा था। अब इस मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। पुलिस ने हिण्डोली विधायक अशोक चांदना, केशोरायपाटन विधायक सीएल प्रेमी समेत 28 लोगों को नामजद किए है और पूरे मामले की जांच सीआईडी-सीबी को सौंप दी है।

प्रदर्शन से पहले आजाद पार्क में सभा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। सभा के बाद जुलूस के रूप में प्रदर्शनकारी कलक्ट्रेट की ओर रवाना हुए। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर अहिंसा सर्कल पर दो लेयर बैरिकेडिंग लगाकर रास्ता बंद कर दिया। यहां रोकते ही प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए और सरकार तथा प्रशासन के खिलाफ

विधायक अशोक चांदना के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन

नारेबाजी शुरू कर दी। विधायक अशोक चांदना ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर की।

मौके पर प्रशासन और विद्युत विभाग के अधिकारियों ने विधायक चांदना से बातचीत कर प्रदर्शन समाप्त कराने का प्रयास किया, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद चांदना समर्थकों के साथ बैरिकेडिंग की ओर बढ़े और दो बार उसे तोड़ने का प्रयास किया। पुलिस ने उन्हें रोकते हुए पीछे धकेल दिया।

स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए तीन बार वाटर कैनन से पानी की बौछार की। इसके बावजूद कई कार्यकर्ता आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। आखिरकार पुलिस ने उन्हें पीछे धकेलते हुए खदेड़ दिया। इससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बाद में विधायक चांदना सहित करीब दो दर्जन कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर हाईवे पर छोड़ दिया गया।

मामले में अब बड़ा अपडेट सामने आया है। पुलिस ने हिण्डोली विधायक अशोक चांदना, केशोरायपाटन विधायक सीएल प्रेमी सहित 28 लोगों को नामजद किया है। पूरे मामले की जांच अब सीआईडी-सीबी को सौंपी जाएगी। इससे पूर्व सभा को संबोधित करते हुए विधायक चांदना ने कहा कि गत 28 अगस्त को कांग्रेस के आंदोलन के बाद प्रशासन ने लिखित में आश्वासन दिया था कि हिण्डोली विधानसभा क्षेत्र में किसी भी उपभोक्ता के यहां स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएंगे। इसके बावजूद विद्युत निगम ने गरीब परिवारों के घरों में स्मार्ट मीटर लगा दिए, जिससे लोगों में भारी नाराजगी है।

चांदना ने आरोप लगाया कि लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर तकनीकी रूप से खामियों वाले हैं और इनमें उपभोक्ताओं की अपेक्षा अधिक बिल आ रहे हैं। इससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

तेज रफ्तार बाइक नाले में गिरी, 2 युवकों की मौत

बांसवाड़ा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के राजतालाब थाना क्षेत्र के इंडस्ट्रियल एरिया में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पुलिया से नीचे नाले में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही राजतालाब थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सुनील पुत्र राजू एवं प्रकाश पुत्र कालिया निवासी भापोर वरलीपाड़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के शव बांसवाड़ा जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दी है। हादसे की जानकारी के बाद पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि वडली पाडा भापोर निवासी प्रकाश पुत्र कालिया निनामा और सुनील पुत्र राजू दायमा रात में बाइक से अपने घर लौट रहे थे।

गैंगस्टर रोहित गोदारा का मकान रातों-रात किसने ढहाया, पुलिस भी बेखबर

बीकानेर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। बीकानेर जिले में स्थित गैंगस्टर रोहित गोदारा के मकान को रात में अज्ञात लोगों ने ढहा दिया। सुबह जब ग्रामीणों ने आलीशान मकान को मलबे में तब्दील देखा, तो क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मामले की जानकारी मिलने पर सुबह पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मकान किसने और किन कारणों से ध्वस्त किया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। बताया जा रहा है कि देर रात रोहित गोदारा के घर पर कुछ अज्ञात लोग एक जेसीबी मशीन और कुछ अन्य वाहन पहुंचे थे। इसके बाद मकान को ध्वस्त करने की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। घटना के समय गैंगस्टर रोहित गोदारा के परिवार का कोई भी सदस्य घर पर नहीं था। सुबह जब आस-पास के लोगों की नजर टूटे हुए मकान पर पड़ी, तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। मामले की सूचना मिलने पर सुबह लूणकरनसर थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस और प्रशासन ने इस मामले में किसी भी आधिकारिक कार्रवाई से इनकार किया है। लूणकरनसर थानाधिकारी गणेश बिश्नोई ने बताया कि मकान रात के समय अज्ञात लोगों द्वारा तोड़ा गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और घटना के पीछे जिम्मेदार लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सांवलियाजी-मंदिर में एंट्री के लिए गार्ड के कपड़े फाड़े, मारपीट

वीआईपी गेट से घुसने के लिए अड़े, 4 डिटेन; सुरक्षाकर्मियों ने घेर कर दबोचा

चित्तौड़गढ़, 14 जुलाई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में सांवलिया सेठ मंदिर में एंट्री को लेकर हंगामा हो गया। दर्शन करने पहुंचे लोग अमावस्या पर भीड़ होने के कारण VIP गेट से एंट्री करने की मांग पर अड़ गए। वहां तैनात गाड्र्स को गालियां दी और गेट पर लठ मारे।

वीआईपी गेट का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और गाड्र्स से मारपीट की और यूनिफॉर्म फाड़ डाली। इसके बाद अन्य सुरक्षाकर्मी भी आ गए। हंगामा मचा रहे 4 लोगों को घेर कर दबोचा और पुलिस को सौंप दिया।

पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। मामला मंडफिया थाना इलाके का मंगलवार दोपहर का है। मंदिर प्रशासन की ओर से गार्ड प्रहलाद गाडरी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

मंदिर मंडल अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने बताया- हरिजन मोहल्ला स्थित यह एंट्री गेट कर्मचारियों, मंदिर मंडल के पदाधिकारियों और अधिकारियों के आने-जाने के लिए है। हालांकि, ज्यादा भीड़ होने पर श्रद्धालुओं को भी इसी गेट से प्रवेश दिया जाता है। अमावस्या पर सुबह भी कुछ समय तक इसी गेट से श्रद्धालुओं को अंदर भेजा गया था।

बाद में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ देर के लिए एंट्री रोकनी पड़ी। इसी दौरान एक श्रद्धालु अचानक नाराज हो गया और लकड़ी उठाकर गेट पर हमला करने लगा। देखते ही देखते उसके साथ कुछ और लोग भी आ गए और उन्होंने गेट को तोड़ने की कोशिश शुरू कर दी। मंदिर कर्मचारी लगातार उन्हें समझाते रहे, लेकिन वे नहीं माने और माहौल बिगड़ता चला गया।

हजारी दास वैष्णव ने बताया- हंगामा कर रहे लोगों ने गेट को नुकसान पहुंचाने के बाद जबरन मंदिर परिसर में प्रवेश कर लिया। उन्हें रोकने की कोशिश कर रहे सुरक्षा गार्डों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। इस घटना में एक गार्ड को गंभीर चोट लगी, जबकि दूसरे गार्ड के कपड़े फाड़ दिए गए।

इसके बावजूद मंदिर के कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों ने बाकी श्रद्धालुओं के दर्शन प्रभावित नहीं होने दिए और व्यवस्था संभालने में जुटे रहे। उस समय मंदिर में अमावस्या के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, लेकिन अधिकांश लोग लाइन में शांतिपूर्वक दर्शन कर रहे थे।

जन्मदिन की पार्टी में हुई हत्या, इक्का क्लब हत्याकांड में 8 गिरफ्तार, ओपन जेल के 2 कैदी भी शामिल

जयपुर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के मानसरोवर स्थित न्यू आतिश मार्केट के इक्का क्लब में हुए चर्चित हत्याकांड का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी अनुज गुर्जर सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में भरतपुर ओपन जेल से आए दो आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी भी शामिल हैं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर अन्य आरोपियों की तलाश और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि घटना रविवार देर रात की है। सूचना मिली थी कि इक्का क्लब में मारपीट के दौरान एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित शर्मा और सहायक पुलिस आयुक्त हेमेन्द्र शर्मा के निर्देशन में मानसरोवर थाना पुलिस की विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि क्लब बंद होने के बाद क्लब संचालक अशोक जांगिड़ का परिचित अनुज गुर्जर अपने साथियों के साथ छत के रास्ते क्लब में दाखिल हुआ। रात करीब तीन बजे जन्मदिन की पार्टी के दौरान शराब पीने के समय आपसी विवाद हो गया। आरोप है कि इसी दौरान अन्नू गुर्जर पर रसोई में इस्तेमाल होने वाले चाकू से कई वार किए गए, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुज गुर्जर, राजेश गुर्जर उर्फ सुगड़ सिंह, कुलदीप उर्फ कल्लू गुर्जर, गोविंद शर्मा, हनुमान सिंह, दिक्षांत, चंद्र सिंह और बबलू को गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा घटनास्थल से एक संदिग्ध कार भी जब्त की गई है। पूछताछ में सामने आया कि गिरफ्तार कुलदीप उर्फ कल्लू और राजेश उर्फ सुगड़ सिंह भरतपुर ओपन जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी है।

होटल पर पुलिस का छापा, 3 बांग्लादेशी और 1 बिहार की महिला गिरफ्तार, पूछताछ के बाद हो सकता है नया खुलासा

नागौर, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस ने कुचामन शहर के एक होटल पर छापा मारा। यहां से तीन बांग्लादेशी और एक बिहार की महिला मिली। जिन्हें पुलिस ने हिरासत में लेकर कई घंटे पूछताछ की, इसके बाद चारों को गिरफ्तार कर लिया। विदेशी महिलाओं को होटल में ठहराने के मामले के साथ अन्य पहलुओं से भी जांच शुरू की गई है। पुलिस ने स्टेशन रोड स्थित नावां चौराहे के पास स्थित एक होटल एंड रेस्टोरेंट की तलाशी ली। पुलिस ने होटल को चारों तरफ से घेर कर कार्रवाई की। होटल के कमरों में 3 बांग्लादेशी तथा 1 बिहार की रहने वाली महिला मिली। चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इस मामले में अंतरराज्यीय गिरोह से जोड़कर जांच कर रही है। ऐसे में जल्द ही कुछ नया खुलासा होने की संभावना है। कार्रवाई के दौरान तीन बांग्लादेशी महिलाएं मिलने पर पुलिस इनके पासपोर्ट, वीजा, आधार कार्ड, पहचान पत्र और भारत में प्रवेश से जुड़े दस्तावेजों की जांच शुरू की है। यह पता लगाया जा रहा है कि वे भारत कैसे पहुंचीं, उन्हें यहां कौन लेकर आया और वे यहां कैसे पहुंचीं। यहां किन-किन स्थानीय लोगों से इनका कनेक्शन है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार किसी अन्य जगह से पुलिस को इसकी सूचना लगी। इसके बाद स्थानीय पुलिस सक्रिय हुई और होटल की निगरानी शुरू की। खुफिया तौर पर पुख्ता होने पर रात को छापा मारकर तलाशी ली गई। जांच एजेंसियों की नजर अब होटल संचालक, मैनेजर, बुकिंग कराने वाले एजेंटों सहित पूरे नेटवर्क और इसके स्थानीय कनेक्शनों पर है।

समरावता थप्पड़ कांड में नरेश मीना को बड़ा झटका

जमानत रद्द; कोर्ट ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट

टोंक, 14 जुलाई (एजेंसियां)। समरावता थप्पड़ कांड में नरेश मीना की मुश्किलें बढ़ गई हैं। टोंक की एससी/एसटी कोर्ट ने जमानत शर्तों के उल्लंघन का दोषी मानते हुए उनकी जमानत रद्द कर गिरफ्तारी वारंट जारी किया। समरावता थप्पड़ कांड से जुड़े मामले में भगत सिंह सेना प्रमुख और निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीना को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। टोंक की एससी/एसटी कोर्ट ने उनकी जमानत रद्द करते हुए उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। अब पुलिस कभी भी उन्हें गिरफ्तार कर सकती है। राजस्थान हाईकोर्ट से मिली जमानत की शर्तों के उल्लंघन के आरोप में नगरफोर्ट थाना पुलिस ने एससी/एसटी कोर्ट में स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर रामावतार सोनी के माध्यम से जमानत निरस्त करने का आवेदन पेश किया था। इस पर सुनवाई के बाद अदालत ने नरेश मीना की जमानत रद्द कर दी और गिरफ्तारी वारंट जारी करने के आदेश दिए। गौरतलब है कि पीपलोदी में सरकारी स्कूल की छत गिरने से छात्रों की मौत के बाद हुए धरना-प्रदर्शन के दौरान नरेश मीना को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई थी। पुलिस ने इसी प्रकरण को हाईकोर्ट से मिली जमानत की शर्तों के उल्लंघन का आधार बनाते हुए उनकी जमानत रद्द करने की मांग की थी।

मध्यप्रदेश के युवक ने सोशल मीडिया से खरीदे नकली नोट

राजस्थान के बाजार में चलाने आया तो पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोटा, 14 जुलाई (एजेंसियां)। कोटा के बपावरकलां थाना क्षेत्र में पुलिस ने नकली नोट चलाने की कोशिश कर रहे मध्यप्रदेश के एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक बाइक पर एक बैग में नकली नोट भरकर बाजार में घूम रहा था। पुलिस ने उसके पास से कुल 59 हजार 300 रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। आरोपी इन नकली नोटों से बाजार में सामान खरीदने की फिराक में था। पुलिस के अनुसार आरोपी के बैग की तलाशी लेने पर 200 रुपए के 50-50 नोटों के चार बंडल मिले।

इसके अलावा 200 रुपए के 85 नोटों का एक बंडल और 100 रुपए के 23 नोटों का एक बंडल बरामद किया। जांच में कुल 285 नोट 200 रुपए के और 23 नोट 100 रुपए के पाए।

कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि सांगोद डीएसपी नरेंद्र जैन के सुपरविजन में एसआई रामप्रकाश के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि SBI बैंक के पास छबड़ा रोड पर एक संदिग्ध युवक एमपी नंबर की बाइक और बैग लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बताए गए हुलिए के आधार पर युवक को डिटेन किया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके पास से नकली नोट बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बीआरएस ने मांगा मतदाता संशोधन का समय

एसआईआर प्रक्रिया पर उठाए कई सवाल

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी से मुलाकात कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समय सीमा बढ़ाने की मांग की। पार्टी का कहना है कि वर्तमान समय सीमा पर्याप्त नहीं है और इससे कई पात्र मतदाताओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

बीआरएस के प्रतिनिधिमंडल में एमएलसी एल. रमना, पूर्व एमएलसी कर्णे प्रभाकर, सुमित्रा आनंद, वाई. सतीश रेड्डी और अभिलाष रंगिनेनी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) के कार्य, तकनीकी समस्याओं और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं को हो रही दिक्कतों पर चिंता जताई। बैठक के बाद कर्णे प्रभाकर ने कहा कि पार्टी ने कई मुद्दों पर निर्वाचन आयोग से स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बीआरएस का ज्ञापन भारत निर्वाचन आयोग को भेज दिया है, लेकिन उस पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एचएमडीए के मुख्य अभियंता पर आय से अधिक संपत्ति का मामला

एसीबी की छापेमारी में 9.24 करोड़ रुपये की संपत्ति का खुलासा

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) के मुख्य अभियंता बी. रविंदर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है। एसीबी ने मंगलवार को उनके आवास, कार्यालय तथा रिश्तेदारों, सहयोगियों और कथित बेनामी व्यक्तियों से जुड़े कुल 11 स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। एसीबी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में बी. रविंदर पर सेवा के दौरान भ्रष्टाचार और संदिग्ध तरीकों से अपनी ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप पाए गए हैं। तलाशी के दौरान कई अचल एवं चल संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज बरामद किए गए। जांच में कोंडागल, किस्टापुर और पासमाइलारम क्षेत्र में पांच खुले भूखंड, नरसिंगी और नानकरामगुडा में चार फ्लैट, कोठूर मंडल के गुडूर एवं शमशाबाद में चार एकड़ कृषि भूमि, मोकिला स्थित श्रीवारी मीडोज़ में एक अर्धनिर्मित विला तथा कोंडापुर के मस्जिद बांडा में एक जी+4 भवन के दस्तावेज मिले। एसीबी ने बताया कि इन संपत्तियों का बाजार मूल्य सरकारी मूल्यांकन से कहीं अधिक होने की संभावना है। तलाशी में 3.82 लाख रुपये नकद, लगभग 45.05 लाख रुपये बैंक में जमा, करीब 1.44 किलोग्राम सोने के आभूषण (लगभग 36.70 लाख रुपये), 12.5 किलोग्राम चांदी के आभूषण (करीब 10 लाख रुपये), 17.24 लाख रुपये मूल्य के घरेलू सामान, 9.32 लाख रुपये के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा लगभग 1.16 करोड़ रुपये मूल्य के चार वाहन भी मिले। एसीबी के अनुसार, अब तक बरामद कुल संपत्तियों का अनुमानित मूल्य 9 करोड़ 24 लाख 2 हजार 276 रुपये है। अतिरिक्त संपत्तियों की जांच अभी जारी है। एसीबी ने बताया कि आरोपी अधिकारी को विशेष न्यायाधीश (एसपीई एवं एसीबी मामलों) की अदालत में पेश कर न्यायिक रिमांड की मांग की जाएगी। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

प्रभावी पुलिस व्यवस्था के लिए जनभागीदारी आवश्यक : बी. सुमति

मलकाजगिरि पुलिस ने 'सहचरी' सामुदायिक पुलिसिंग पहल शुरू की तीन हजार स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने लिया भाग

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि पुलिस आयुक्तालय ने नगर रोजगार एवं निर्धनता उन्मूलन मिशन (एमईपीएमए) तथा ग्रामीण गरीबी उन्मूलन संस्था (एसईआरपी) के सहयोग से 'सहचरी' नामक सामुदायिक पुलिसिंग पहल का शुभारंभ किया। पुलिस आयुक्त बी. सुमति के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं को कानूनी अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा और पुलिस विभाग की विभिन्न सेवाओं की जानकारी देकर उन्हें समाज में सुरक्षा सहयोगी के रूप में सशक्त बनाना है। कार्यक्रम का आयोजन दो स्थानों पर किया गया। मलकाजगिरि क्षेत्र की महिलाओं के लिए बोईनपल्ली स्थित एक गार्डन तथा एल.बी. नगर और उप्पल क्षेत्रों की महिलाओं के लिए नागोल स्थित एक कन्वेंशन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें आयुक्तालय क्षेत्र की लगभग तीन हजार स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव, नशा विरोधी जागरूकता, आपातकालीन सहायता व्यवस्था, बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम, मादक पदार्थों से संबंधित अपराध, सामुदायिक पुलिसिंग, भरोसा केंद्र, शी टीम, महिला पुलिस थाने तथा महिलाओं एवं बच्चों के लिए उपलब्ध अन्य सहायता सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जब महिला सुरक्षित होती है तो परिवार सुरक्षित होता है और परिवार सुरक्षित होने पर समाज भी सुरक्षित बनता है। उन्होंने महिलाओं से अपराधों की बिना किसी भय के सूचना देने, पुलिस के साथ सक्रिय सहयोग करने तथा सुरक्षित मोहल्लों के निर्माण में भागीदार बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महिला पुलिस थानों, महिला एवं बाल विकास केंद्र, मानव तस्करी निरोधक इकाई, शी टीम और भरोसा केंद्रों की कार्यप्रणाली के साथ-साथ परामर्श, कानूनी सहायता, पुनर्वास तथा पीड़ित सहायता सेवाओं की भी जानकारी दी गई। पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने कहा कि प्रभावी पुलिस व्यवस्था के लिए जनभागीदारी आवश्यक है।

बिहार में लगातार हो रही हत्याएं चिंताजनक : बिनय यादव

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति ने बिहार में हाल के दिनों में लगातार हो रही हत्या की घटनाओं पर गहरा दुख एवं गंभीर चिंता व्यक्त की है। समिति का मानना है कि ऐसी घटनाएं समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न कर रही हैं, जो अत्यंत चिंताजनक है।

समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने बिहार सरकार एवं प्रशासन से मांग की है कि सभी मामलों की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि कानून का राज कायम रहे और आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत हो। तेलंगाना बिहार सहयोग समिति सभी नागरिकों से भी शांति, सामाजिक सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

तेलंगाना पुलिस अकादमी और एएससीआई के बीच हुआ समझौता

नेतृत्व विकास व प्रशिक्षण को मिलेगा बढ़ावा

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजा बहादुर वेंकट राम रेड्डी तेलंगाना पुलिस अकादमी और प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई), हैदराबाद के बीच मंगलवार को आपसी सहयोग, नेतृत्व विकास, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते पर तेलंगाना पुलिस अकादमी के निदेशक अभिलाष बिष्ट और एएससीआई के रजिस्ट्रार एवं सचिव ओ.पी. सिंह ने हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत दोनों संस्थाएं ज्ञान के आदान-प्रदान, आधुनिक प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जानकारी, क्षमता निर्माण, नेतृत्व विकास, अनुसंधान, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और अन्य पारस्परिक हित से जुड़े कार्यक्रमों के आयोजन में मिलकर कार्य करेंगी। इस साझेदारी का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों में प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना, नेतृत्व क्षमता को मजबूत करना, आधुनिक प्रशासनिक श्रेष्ठ प्रक्रियाओं से परिचित कराना तथा संस्थागत क्षमताओं का विकास करना है। दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह समझौता दो प्रतिष्ठित संस्थाओं के बीच दीर्घकालिक और प्रभावी साझेदारी की शुरुआत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में संयुक्त कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और बेहतर स्तर तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

तुरंत जमा करें गणना प्रपत्र, मताधिकार सुरक्षित रखें : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

एसआईआर प्रक्रिया के तहत अब तक 49.28 प्रतिशत मतदाताओं ने जमा किए प्रपत्र

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने राज्य के मतदाताओं से अपील की है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत प्राप्त गणना प्रपत्रों को तुरंत भरकर संबंधित बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) को सौंप दें और अपने बहुमूल्य मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि बीएलओ द्वारा दिए गए गणना प्रपत्रों को बिना किसी गलती के भरना चाहिए। प्रपत्र में पासपोर्ट आकार का फोटो चिपकाने के साथ ही मतदाता को हस्ताक्षर और तारीख दर्ज करना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रपत्र पर बीएलओ के हस्ताक्षर भी अवश्य होने चाहिए। उन्होंने बताया कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं को दिए गए दो गणना प्रपत्रों में से एक प्रपत्र बीएलओ को वापस जमा करना होगा, जबकि दूसरा मतदाता को सुरक्षित रखना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भरे हुए गणना प्रपत्र बीएलओ को जमा करने के बाद ही प्रारूप मतदाता सूची में मतदाता का नाम शामिल किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जिन मतदाताओं का विवरण वर्ष 2002 की मतदाता सूची में उपलब्ध है, उन्हें संबंधित जानकारी अनिवार्य रूप से भरनी चाहिए। यदि वर्ष 2002 की सूची में विवरण उपलब्ध नहीं है, तो वर्तमान जानकारी के आधार पर गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को सौंपना होगा। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में कुल 3,38,26,448 मतदाताओं में से अब तक 1,66,70,610 मतदाताओं (49.28 प्रतिशत) ने अपने गणना प्रपत्र जमा कर दिए हैं।

विश्व मंगल गौशाला में भोजन प्रसादी का भक्तों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व मंगल गौशाला में अमावस्या पर सभी गौ भक्तों द्वारा तन मन धन से सेवा दी गई जिसमें भोजन प्रसादी के लाभार्थी गोविंद, दीपा राम सीरवी, मीठालाल प्रजापत, नारायण लाल सीरवी, रमेश दिनेश प्रजापत, देवाराम सीरवी, राजू भाई, अमराराम सीरवी, दलाराम सीरवी, चंपालाल सीरवी, मोहनलाल, महेंद्र सुनील कुमावत, लाबुराम चौधरी, विकास जामताराम कुमावत, संदीप भाई, मंगलाराम कुमावत, अमराराम सीरवी, मोहनलाल कुमावत, पेमाराम, मदनलाल चौधरी, बुधाराम कुमावत, प्रकाश सीरवी आदि शामिल हुए।

हरे घास की व्यवस्था राजू राम प्रजापत, आसाराम ज्वेलर्स और भजन महिला मित्र मंडली कोंपल्ली की तरफ से प्रस्तुत किए गए। साथ ही उपस्थित रहे देवाराम सीरवी मूलगू, हनुमंत धनवा, गोगाराम सीरवी, महिपाल सीरवी, शेषाराम सोहनलाल बाबूलाल नायक रतनाराम देवासी केसाराम सिरवी, लक्ष्मण, महेंद्र सिंह पितावत, चुन्नीलाल आदि का गौशाला अध्यक्ष टी वी सुरेश, सचिव धर्माराम सुथार ने धन्यवाद दिया।

जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गोशाला में अमावस्या पर गौसेवा करते गोशाला के प्रभु दत्त महाराज, हरिकिशन वर्मा, महावीर प्रसाद कड़ेल, माणकचंद देवाल, मनोज सुंडालिया, विवेक अग्रवाल, सत्यनारायण मौसूण, पंकज वर्मा, कृष्ण बेवाल, शरद वर्मा, हंसराज बेवाल।

हैदराबाद-गोरखपुर और चेर्लापल्ली-दानापुर विशेष ट्रेनों का विस्तार

यात्रियों की सुविधा के लिए एससीआर ने उठाया कदम

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने हैदराबाद-गोरखपुर और चेर्लापल्ली-दानापुर के बीच संचालित विशेष ट्रेनों की सेवाओं का विस्तार करने का निर्णय लिया है। रेलवे के अनुसार यात्रियों की सुविधा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इन विशेष ट्रेनों के अतिरिक्त फेरे बढ़ाए गए हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 07075 हैदराबाद-गोरखपुर विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को 7 अगस्त, 14 अगस्त, 21 अगस्त और 28 अगस्त 2026 को संचालित होगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 07076 गोरखपुर-हैदराबाद विशेष ट्रेन प्रत्येक रविवार को 9 अगस्त, 16 अगस्त, 23 अगस्त और 30 अगस्त 2026 को चलेगी। इन दोनों दिशाओं में विशेष ट्रेन की सेवाओं का कुल चार-चार फेरों तक विस्तार किया गया है। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए चेर्लापल्ली और दानापुर के बीच चलने वाली विशेष ट्रेनों के संचालन में भी विस्तार किया गया है। ट्रेन संख्या 07091 चेर्लापल्ली-दानापुर विशेष ट्रेन 18 जुलाई और 25 जुलाई 2026 (शनिवार) को चेर्लापल्ली से दो अतिरिक्त फेरों के साथ रवाना होगी। यह ट्रेन चेर्लापल्ली से दोपहर 1 बजे प्रस्थान कर सोमवार को रात 12:30 बजे दानापुर पहुंचेगी। वहीं ट्रेन संख्या 07092 दानापुर-चेर्लापल्ली विशेष ट्रेन 20 जुलाई और 27 जुलाई 2026 (सोमवार) को दानापुर से रवाना होगी। यह ट्रेन दानापुर से सुबह 3 बजे चलकर मंगलवार को सुबह 10 बजे चेर्लापल्ली पहुंचेगी। रेलवे के अनुसार चेर्लापल्ली-दानापुर विशेष ट्रेन दोनों दिशाओं में काजीपेट, रामागुंडम, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चांदा फोर्ट, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा स्टेशनों पर ठहरेगी।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद्-भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान हैदराबाद और डॉ.बी.आर.के.आर. सरकारी आयुर्वेद कॉलेज एर्रागड्डा, ने 14 जुलाई को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसमें एक सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना, जिस का शीर्षक डॉ.बी.आर.के.आर. सरकारी आयुर्वेद कॉलेज हैदराबाद में आयुर्वेद में पौधों के औषधीय महत्व की पादप-विविधता की सूची है।

यह रणनीतिक साझेदारी पादप-विविधता के अध्ययन, औषधीय महत्व के वनस्पतियों का फोटो-प्रलेखन, प्रत्येक प्रजाति के लिए हरबेरियम तैयार करने, औषधीय रूप से महत्वपूर्ण प्रजातियों के लिए क्यूआर कोड के साथ मानक नाम बोर्ड लगाने और हैदराबाद में वनस्पतियों की एक सचित्र और व्यापक सूची/दस्तावेज तैयार करने के लिए समर्पित है।

इस ऐतिहासिक समझौते पर डॉ.जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ. जौहर पी.के. (प्राचार्य, डॉ.बी.आर.के.आर. सरकारी आयुर्वेद कॉलेज, हैदराबाद) ने हस्ताक्षर किए। प्रधान अन्वेषक प्रो. (डॉ.) जी. स्वरूपा रानी, सह-अन्वेषक और सह-प्राध्यापक, वी. नरसिम्हा और राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा एवं चर्म रोग अनुसंधान संस्थान हैदराबाद के सह-अन्वेषक व अनुसंधान सहायक (वनस्पति विज्ञान) डॉ. पेन्वाला प्रताप की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रभारी सहायक निदेशक व प्रधान अन्वेषक डॉ.जी.पी. प्रसाद, सह-अन्वेषक डॉ.वी. श्रीदेवी (अनुसंधान अधिकारी, आयुर्वेद), डॉ. अशफाक अहमद (अनुसंधान अधिकारी, यूनानी) और डॉ. बिस्व रंजन दास (अनुसंधान अधिकारी, होम्योपैथी) उपस्थित थे।

गांजा तस्करी में दो आरोपी गिरफ्तार

तीन किलो से अधिक गांजा बरामद

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने दोनों आरोपियों के पास से तीन किलो से अधिक गांजा बरामद किया है।

पहली कार्रवाई किंग कोठी इलाके में की गई, जहां इंस्पेक्टर महेश के नेतृत्व में प्रवर्तन दल ने एक मकान पर छापा मारा। तलाशी के दौरान अधिकारियों को 2.4 किलोग्राम गांजा मिला। पुलिस ने गुलजार खान नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर बरामद गांजा और आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए नामपल्ली उत्पाद शुल्क थाने को सौंप दिया।

शिव मंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को जानें वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/ वर्क्स/एससी/ 112-118-2026/ओटी, दि.10-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.07-08-2026 के 14.00 बजेतक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

ई-निविदा सं.-112 _सीओ _एससी _26 _ओटी, कार्य विवरण: सिकंदराबाद: एससी स्टेशन पर प्लेटफार्म्स के बीच वाटर हाइड्रन्ट स्टील स्टैन्चिनान्स की रिफिक्सिंग & फैब्रिकेशन की मरम्मत।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.74,76,406.00, अग्रधन रु.1,49,600.00, कार्य पूरा करने की अवधि:09 महिने, रखरखाव अवधि:06 महिने, मानक योग्यता मानदंड के प्रति मानेजानेवाले तत्समान स्वभाव के कार्य: सी-2-कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों ड़ झोनल कार्यो को छोडकर)।

ई-निविदा सं.-113 _एन _एससी _26 _ओटी, कार्य विवरण: बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शन: राघवापुरम (आरजीपीएम) तथा पेद्दमपेट (पीपीजेड) स्टेशनों पर ऊर्जा आपूर्ति या पावर सप्लाई के मजबूतीकरण हेतु सिग्नल्लिंग व्यवस्थाएं।
(आरजीपीएम स्टेशन पर 2 एन्ड गूमटीज का निर्माण तथा पीपीजेड स्टेशन पर 1 एन्ड गूमटीज का निर्माण)।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.1,44,69,494.00, अग्रधन रु.2,89,400.00, कार्य पूरा करने की अवधि:12 महिने, रखरखाव अवधि:36 महिने, मानक योग्यता मानदंड के प्रति मानेजानेवाले तत्समान स्वभाव का कार्य: सी-2-कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों ड़ झोनल कार्यो को छोडकर)।

ई-निविदा सं.-114 _एन _एससी _26 _ओटी, कार्य विवरण: बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शन: एसएसइड़पी.वेड़एससीआई, पीडीपीएल & एनकेजेडजे — एडीइएनड़आरडीएम सब-डिवीजन के तहत विभिन्न याड्र्स पर सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार कार्य & उन्नयन कार्यो से संबंधित याड्र्स ड्रेन्स, पाथवेज का प्रावधान, डेड एन्ड्स का मानकीकरण, मक या कूडा को हटाना आदि। (दो पैकेट प्रणाली)।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.12,67,10,619.00, अग्रधन रु.25,34,200.00, कार्य पूरा करने की अवधि:12 महिने, रखरखाव अवधि:36 महिने, मानक योग्यता मानदंड के प्रति माने जानेवाले तत्समान स्वभाव के कार्य: सी-2-कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों ड़ झोनल कार्यो को छोडकर)।

ई-निविदा सं.-115 _एन _एससी _26 _ओटी, कार्य विवरण: बीपीक्यू-केजेडजे सेक्शन: आरडीएम & एमसीआई पर आफिसर्स रेस्ट हाउसेज के लिए, हाउसकीपींग & रखरखाव सेवा प्रदान करना, आरडीएम, एमसीआई & पीडीपीएल पर सबआर्डिनेट रेस्ट हाउसेज की व्यवस्था और एफइएनड़आरडीएम सब- डिवीजन के तहत पीडीपीएल पर टीटीएम रेस्ट हाउस की व्यवस्था तथा बीपीए, एसकेजेडआर & बीपीक्यू पर आफिसर्स रेस्ट हाउस के लिए हाउसकीपींग या सफाई कार्य व रखरखाव सेवा प्रदान करना एवम् बीपीए & एसकेजेडआर पर सबआर्डिनेट रेस्ट हाउसेज की व्यवस्था, एडिइएनड़बीपीए सब-डिवीजन के तहत बीपीए, एसकेजेडआर, डब्ल्यूआईआरआर & एमएजीएच पर टीटीएम रेस्ट रूम्स की व्यवस्था। (दो वर्ष की अवधि हेतु)
अनुमानित निविदा मूल्य रु.63,75,212.00, अग्रधन रु.1,27,500.00, कार्य पूरा करने की अवधि:24 महिने, रखरखाव अवधि: शून्य महिने, मानक योग्यता मानदंड के प्रति माने जानेवाले तत्समान स्वभाव के कार्य: सी-6 ए)किसी भी विख्यात संस्थानों जैसे सेंट्रल युनिवर्सिटीज/सेंट्रल इंस्टिट्यूट्स/आइएसबी/टाटा इंस्टिट्यूट्स/फोर स्टार & उससे ऊपर के होटल्स/रिसार्ट्स/सरकारी संगठनों जैसे सचिवालय/विधानसभा से संबंधित कार्यालयों/संसद/राष्ट्रीय संस्थानों जैसे सीसीएमबी, एनजीआरआई, सर्वे आफ इंडिया/पीएसयुज जैसे एचपीसीएल/आईओसीएल/एनटीपीसी आदि (कैटरिंग सहित, यदि कैटरिंग टेंडर का हिस्सा हो तो) के लिए हाउसकीपींग या साफसफाई कार्य तथा आतिथ्य सेवाएं या हास्पिटालीटी सर्विसेज।

ई-निविदा सं.-116 _एन _एससी _26 _ओटी, कार्य विवरण: एडीइएनड़आरडीएम सब-डिवीजन में एमएमजेड, एमसीआई, पीपीजेड, आरडीएम, आरजीपीएम, पीडीपीएल, केओएलआर, पीटीकेपी, बीजीसीएफ, जेएमकेटी & ओपीएल पर टैन्करों द्वारा पेयजल की आपूर्ति।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.16,26,030.00, अग्रधन रु.32,600.00, कार्य पूरा करने की अवधि:12 महिने, रखरखाव अवधि: शून्य महिने, मानक योग्यता मानदंड के प्रति माने जानेवाले तत्समान स्वभाव के कार्य: शून्य

ई-निविदा सं.-117 _एस _एससी _26 _ओटी, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू 1) खम्मम: तत्संबंधित खम्मम पार्सल आफिस का विकास कार्य। एसडब्ल्यू 2) महबूबाबाद: तत्संबंधित महबूबाबाद पार्सल आफिस का विकास कार्य। एसडब्ल्यू 3) वरंगल: तत्संबंधित वरंगल पार्सल आफिस का विकास कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.1,82,42,831.00, अग्रधन रु.3,64,900.00, कार्य पूरा करने की अवधि:12 महिने, रखरखाव अवधि:36 महिने, मानक योग्यता मानदंड के प्रति माने जानेवाले तत्समान स्वभाव के कार्य: सी-2 -कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्योंड़ झोनल कार्यों को छोडकर)।

ई-निविदा सं.-118 _एनडब्ल्यू _एससी _26 _ओटी, कार्य विवरण: शंकरपल्ली (एसकेपी) स्टेशन पर 06 एम चौडा या वाइड न्यू (एफओबी) सहित मौजूदा 02 एम वाइड एफओबी का प्रस्तावित प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.4,94,90,820.00, अग्रधन रु.9,89,900.00, कार्य पूरा करने की अवधि:12 महिने, रखरखाव अवधि:36 महिने, मानक योग्यता मानदंड के प्रति माने जानेवाले तत्समान स्वभाव के कार्य: सी-5-स्टील फैब्रिकेशन तथा एफओबी का इरेक्शन (या) स्टील/कम्पोजिट गिर्डर ब्रिजेस (या) आरओबी सहित स्टील कम्पोजिट गिर्डर (या) इंडस्ट्रीयल शेड या पीएफ शेल्टर (स्टील) (या) माइक्रोवेव/एचटी टावर से संबंध्द निहित कार्य (या) स्टील मेम्बर्स का प्रतिस्थापन ड़स्टील गिर्डर ब्रिजेस या पुलों की मरम्मत (या) गिर्डर ब्रिजेस पर स्टील स्लीपर्स से जुडा कोई भी कार्य।

निविदाकार, केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।
आ ई आ र ई पी ए स वेबसाइट:https://www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्तेड़अन्य कार्य विवरण उपलब्ध हैं, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा तत्संबंधित यदि कोई हो तो, किसी भी परिवर्तनों को देख सकते है।
एसआर. डीइएनड़को-आर्ड.ड़सिकंदराबाद

निविदा सूचना
संख्या: 2X25-एएमसीडी-एससी-05, दि.10-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति गणराज्य भारत की ओर से व के लिए, मुख्य बिजली अभियंता (परियोजनाएं), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु आनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्या: 2X25केवी-इपीसी-पीएसआई-वाडी-वीकेबी, दि.10-07-2026, कार्य विवरण: सिकंदराबाद डिवीजन के वाडी (डब्ल्यूएडीआई)-विकाराबाद (विकेबी) सेक्शन में डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण एवं ट्रैक्शन सब-स्टेशन्स (टीएसएसएस) की कमीशनींग, सेक्शनींग पोस्ट्स (एसपीज) तथा 2X25केवी एटी सिस्टम में सब-सेक्शनींग एवं पैरालेलिंग पोस्ट्स (एसएसपीज) सहित एससीओटीटी संबंध्द ट्रांसफार्मर्स कार्य।
अनुमानित मूल्य रु.1137942460.00, आनलाइन में जमा किया जानेवाला अग्रधन रु.22758900.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधि: 730 दिन, निविदा खोलने का स्थान: सिकंदराबाद

ई-टेंडर (आनलाइन) द्वारा निविदा बंद करने की तिथि व समय: 14-10-2026 के 15.00 बजे
ई-टेंडर (आनलाइन) द्वारा निविदा खोलने की तिथि व समय: 19-10-2026 के 16.00 बजे

यदि निविदा खोलने की तिथि को तदनंतर छुट्टी घोषित होती है तो, निविदाओं को उसके अगले कार्यदिवस में निर्धारित समय पर खोला जायेगा।
निविदा शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदाओं की प्रस्तुति हेतु कृपया हमारे वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं।
निविदा दस्तावेजों/शुध्दिपत्रों/जोड में, यदि आवश्यक होने के दृष्टिगत, कोई भी परिवर्तन होने पर, उसे उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जायेगा।
मुख्य बिजली अभियंता, (परियोजनाएं), सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. - आरइएससी/इएल/टीएनड़26-27/02, दि.13-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, उप मुख्य बिजली अभियंता, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु आनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. -आरइएससी-इएल-ट्रान्स-26-27ड़02, कार्य विवरण: आरइ/एससी के तहत ड्रैगिन्ग, लोडिंग या लदान, अनलोडिंग या अलदान & उपयुक्त वाहन में आरइएमएनपी व आरइएम संबंध्द जीआर.209 कान्ट्रैक्टर स्टोर्स से आरइ/वीकेबी स्टोर (सीडीएमएस/आरइ) तक स्टील का परिवहन या ट्रांसपोर्टेशन तथा निर्धारित स्टोर्स पर तत्संबंधित का अलदान या अनलोडिंग कार्य।
निविदा का अनुमानित मूल्य रु. 18,61,476.00, आनलाइन में जमा किये जानेवाला अग्रधन रु.37,200.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 02 महिने (दो महिने), निविदा खोलने की जगह: सिकंदराबाद

ई-टेंडर (आनलाइन) द्वारा निविदा बंद करने की तिथि: 17-08-2026 के 15.00 बजे

यदि निविदा खोलने की तिथि को तदनंतर छुट्टी घोषित होती है तो, निविदाओं को उसके अगले कार्यदिवस में निर्धारित समय पर खोला जायेगा।
निविदा शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदाओं की प्रस्तुति हेतु कृपया हमारे वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं।
टिप्पणी: निविदा दस्तावेजोंड़शुध्दिपत्रोंड़जोड में, यदि आवश्यक होने के दृष्टिगत, कोई भी परिवर्तन होने पर, उसे उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जायेगा।
उप मुख्य बिजली अभियंता ड़ रेलवे विद्युतीकरण /सिकंदराबाद
A527

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स:https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

निविदा संख्या: जीटीएल-इएम-24-2026-27, दि.10-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निविदा संख्या: जीटीएल-इएम-24-2026-27, कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन- (।) गुंटकल डिवीजन में मिड -सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट्स (4 नंबर्स) (एलसी-31 (केएचटी-आरसीजी), एलसी-34 (आरसीजी-वाईपीडी), एलसी-42) की प्रस्तावित इंटरलाकिंग हेतु बिजली व्यवस्थाएं। (॥) गुंटकल डिवीजन में मिड- सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट्स (3 नंबर्स) (एलसी-6 (वीडीडी-एनडीजेड), एलसी-39 (वाईपीडी-आरयु) तथा एलसी-31 (एमजीबी-केसीएम))। की प्रस्तावित इंटरलाकिंग हेतु बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.93,77,693.63/-

बंद करने की तिथि व समय:03-08-2026 के 15.00 बजे
टेंडर बिडिंग या निविदा की बोली लगाने तथा अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें। निविदा का शुध्दिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।
वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल
SCoR-A074

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in देखें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मानव-मानुष वर्ल्ड नंबर-2 बने

सीनियर वर्ल्ड रैंकिंग में किसी भी भारतीय खिलाड़ी या जोड़ी की यह अब तक की सर्वोच्च रैंकिंग

नई दिल्ली, 14 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानव ठक्कर और मानुष शाह की जोड़ी आईटीटीएफ की ताजा पुरुष डबल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर-2 पर पहुंच गई है। सीनियर वर्ल्ड रैंकिंग में किसी भी भारतीय खिलाड़ी या जोड़ी की यह अब तक की सर्वोच्च रैंकिंग है।

इस जोड़ी ने पिछले सप्ताह की नंबर-3 रैंकिंग में एक स्थान का सुधार किया और 2022 में महिला डबल्स में वर्ल्ड नंबर-4 तक पहुंचीं मणिका बत्रा-अर्चना कामथ का भारतीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। मानव-मानुष के 3,390 अंक हैं, जबकि चीन की लिन शीडोंग-हुआंग यूझेंग की जोड़ी 5,160 अंकों के साथ नंबर-1 पर है। फ्रांस की लेब्रून ब्रदर्स (एलेक्सिस और फेलिक्स) नंबर-2 से खिसककर पांचवें स्थान पर पहुंच गई। शरत कमल की मेंटरशिप में मानव-मानुष ने पिछले एक साल में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2026 डब्ल्यूटीटी कंटेंडर लागोस का खिताब जीता, सिंगापुर स्मैश 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचे और 2025 डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर फॉज डो इग्वाकु में रनर-अप रहे।

आईची-नागोया एशियन गेम्स 2026 से पहले भारतीय टीम के लिए यह बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 में यह जोड़ी क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी और इस बार पदक की प्रबल दावेदार होगी।

क्या कोहली और गंभीर के बीच बातचीत बंद है

दावा- ट्रेनिंग में दूर-दूर दिखे, कोटक ने मैसेज पास किए

अनबन की अटकलें तेज

बर्मिंघम, 14 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से ठीक पहले विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच अनबन की अटकलें हैं। इन अटकलों को टाइम्स नॉउ न्यूज की रिपोर्ट ने हवा दी है, जिसमें दावा किया गया है कि कोहली और गंभीर के बीच बातचीत नहीं हो रही है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे आज बर्मिंघम में खेला जाना है।

रिपोर्ट के मुताबिक बर्मिंघम में प्रैक्टिस सेशन के दौरान कोहली और गंभीर ने एकदूसरे को नजरअंदाज किया। गंभीर ने कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, केएल राहुल समेत ज्यादातर खिलाड़ियों से बात की। लेकिन, कोहली की नेट प्रैक्टिस दूर से देखते रहे। उन्होंने नेट्स के बाद कोहली से बात करने के लिए बैटिंग कोच सुतांशु कोटक को भेजा।

कोहली ने पहले फील्डिंग ड्रिल्स कीं, उसके बाद सीधे नेट्स में जाकर 30-40 मिनट बल्लेबाजी की। फिर विराट नेट्स से बाहर निकल आए।

नेट्स के बाद सितांशु कोटक उनसे जाकर मिले और लंबी बातचीत की। सिर्फ इतना ही नहीं, गंभीर जब टीम के अन्य खिलाड़ियों से बात कर रहे थे तो कोहली उन्हें इग्नोर करते हुए अपने किट बैग के साथ आगे निकल गए।

कोहली और गंभीर के बीच अनबन के दावे पहले भी होते रहे हैं। गंभीर टीम इंडिया का हेड कोच बनने से पहले कोहली के खिलाफ कई बार बयानबाजी कर चुके हैं। IPL 2023 में लखनऊ और बेंगलुरु मैच में दोनों के बीच झड़प भी हो गई थी।

विराट कोहली करीब 5 महीने के बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछला मुकाबला 18 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में खेला था। उसके बाद वे जून अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में चोट के कारण हिस्सा नहीं रहे सके थे। उन्हें IPL 2026 के फाइनल में इंजरी हुई थी।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मैच से पहले कहा कि विराट कोहली 2027 वनडे वर्ल्ड कप की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में विराट के साथ टीम कॉम्बिनेशन और भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई। गिल ने कहा कि रोहित और विराट का अनुभव टीम के लिए बेहद अहम रहेगा।

क्या इंग्लैंड सीरीज के बाद टीम इंडिया से बाहर हो जाएंगे रोहित शर्मा? 3 मैचों से तय होगा 2027 वर्ल्ड कप का टिकट!

लंदन, 14 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं. इस सीरीज में हर किसी को उनसे धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी. उनके ऊपर भी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा. साल 2027 में वनडे विश्व कप का आयोजन होना है और उसमें अपनी जगह बनाए रखने के लिए हिटमैन को अपनी फिटनेस के साथ-साथ प्रदर्शन पर भी खासा ध्यान रखना होगा. उनके लिए ये काम बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाला है क्योंकि टीम में उनकी जगह लेने के लिए कई युवा खिलाड़ी तैयार बैठे हैं.

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, टीम इंडिया का मैनेजमेंट साल 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप को लेकर अभी से ही काफी सीरियस है. वो ऐसी परिस्थिति नहीं बनाना चाहते जहां सीनियर खिलाड़ी फिटनेस के चलते टीम से बाहर हो और तब बिना अनुभव वाले खिलाड़ी को अचानक खिलाना पड़े. ऐसे में अगर रोहित शर्मा अगर अपनी फॉर्म से जूझते हैं तो उनके लिए मैनेजमेंट अभी से ही वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए किसी और खिलाड़ी को टीम में आजमा सकते हैं.

रोहित शर्मा टीम इंडिया के लिए अब केवल वनडे फॉर्मेट ही खेलते हैं. उनका हालिया फॉर्म भी शानदार रहा है. अफगानिस्तान के खिलाफ खेली आखिरी सीरीज में उन्होंने 3 मैचों में 143 रन बनाए थे, जिसमें एक अर्धशतक भी शामिल है. साल 2025 के बाद से उनका बल्ला जमकर गरजा है. उन्होंने टीम के लिए 854 रन बनाए हैं और वो सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में तीसरे नंबर पर हैं. उनके ऊपर विराट कोहली और कप्तान शुभमन गिल का नाम है. इस साल टीम इंडिया को कई सारे वनडे मुकाबले खेलने हैं. इंग्लैंड के बाद वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के साथ वनडे सीरीज खेलनी है.

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के नौ मुक्केबाज फाइनल में, छह कांस्य पदक भी पक्के

जकार्ता, 14 जुलाई (एजेंसियां)। एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह खिलाड़ियों ने कांस्य पदक अपने नाम किए। वहीं, इससे पहले अंडर-23 वर्ग में भी भारत के आठ मुक्केबाज फाइनल में पहुंचे थे, जिससे पदकों की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं।

भारतीय मुक्केबाज

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। खेले गए अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह मुक्केबाजों ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठों मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चाहत (60 किग्रा) ने चीनी ताइपे की पेई-चुन त्साई को 5-0 से हराया। अंशिका (75 किग्रा) ने चीनी ताइपे की आन-ची त्सेंग को पहले राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट) से मात दी। मेघा श्योकंद (80 किग्रा) की प्रतिद्वंद्वी वियतनाम की मुक्केबाज मुकाबला जारी नहीं रख सकीं, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। प्राची तोकस (+81 किग्रा) ने चीनी ताइपे की शू-शियान वांग को पहले राउंड में आरएससी से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। इससे पहले जीत दर्ज करने वाली भारतीय मुक्केबाजों के साथ अब अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुकी हैं। अंडर-19 पुरुष वर्ग में दो भारतीय फाइनल में पुरुष वर्ग में भारत के दो मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। आदित्य (55 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया के ह्योनमिन ली को दूसरे राउंड में आरएससी से हराया। शुभम राजपूत (90 किग्रा) ने किर्गिस्तान के आइतबेक बेर्दिमुरातोव को 3-2 के करीबी मुकाबले में शिकस्त दी। वहीं, सेमीफाइनल में हारने वाले छह भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। खेले गए अंडर-23 वर्ग के मुकाबलों में भारत के आठ मुक्केबाजों ने फाइनल में प्रवेश किया था। अंडर-23 महिला वर्ग में महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचीं। निशा (54 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की ह्येजू ली को हराया। निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को मात दी। काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजीना मेल्सवेक को हराया। इस मुकाबले में रेफरी को भारतीय मुक्केबाज के दबदबे के कारण मुकाबला रोकना पड़ा। मुस्कान (75 किग्रा) ने उज्बेकिस्तान की तोइरोवा ओयशा को 5-0 से हराया। प्रियंका (+80 किग्रा) ने कजाखस्तान की पानार सेइतखानकिजी को 5-0 से शिकस्त दी।

अंडर-23 पुरुष वर्ग में पुरुष वर्ग में तीन भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचे। विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा) ने फिलीपींस के प्रतिद्वंद्वी को 5-0 से हराया। गंगा (55 किग्रा) ने जापान के मुक्केबाज को 3-2 के विभाजित फैसले से मात दी। वंशज (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान के प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

अंडर-23 महिला वर्ग में तनु (51 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), शिवानी (70 किग्रा) और नैना (80 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। वहीं, अंडर-23 पुरुष वर्ग में हितेश (70 किग्रा), नीरज (75 किग्रा) और ईशान कटारिया (+90 किग्रा) ने कांस्य पदक अपने नाम किए। भारत के मुक्केबाजों के इस शानदार प्रदर्शन से चैंपियनशिप में देश के स्वर्ण पदकों की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं।

फीफा विश्वकप से एक और बुरी खबर! टीम से हटाए गए नीदरलैंड के रेफरी रॉब डीपरिंक की अचानक मौत

न्यूयॉर्क, 14 जुलाई (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 की वीएआर टीम से हटाए गए नीदरलैंड के रेफरी रॉब डीपरिंक का 38 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उन पर नाबालिग के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा था, हालांकि बाद में सबूतों के अभाव में मामला बंद कर दिया गया था। उनकी मौत के कारण का अभी खुलासा नहीं हुआ है।

फीफा विश्व कप 2026 के बीच फुटबॉल जगत को लगातार दूसरी बड़ी दुखद खबर ने झकझोर दिया है। कुछ दिन पहले ही दक्षिण अफ्रीका के 25 वर्षीय मिडफील्डर जेडन एडम्स का टूर्नामेंट के बाद अचानक निधन हो गया था, जिसकी जांच अब पुलिस कर रही है और मौत की वजह अब तक सामने नहीं आई है। अब इस सदमे से उबर भी नहीं पाया था कि फीफा विश्व कप 2026 की वीएआर टीम से बाहर किए गए नीदरलैंड के रेफरी रॉब डीपरिंक के 38 वर्ष की उम्र में निधन की खबर सामने आ गई। डीपरिंक को विश्व कप शुरू होने से पहले टीम से हटा दिया गया था। हालांकि, उन पर लगे गंभीर आरोप बाद में पर्याप्त सबूत नहीं मिलने के कारण बंद कर दिए गए थे। अब उनकी अचानक मौत ने फुटबॉल जगत में शोक की एक और लहर दौड़ा दी है। डीपरिंक को विश्व कप में वीडियो असिस्टेंट रेफरी की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी, लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने से करीब एक महीने पहले उन्हें टीम से हटा दिया गया था। उन पर एक नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा था। हालांकि बाद में पर्याप्त सबूत नहीं मिलने के कारण यह मामला बंद कर दिया गया।

रिपोर्ट्स के अनुसार, रॉब डीपरिंक का निधन 38 वर्ष की आयु में हुआ, लेकिन उनकी मौत की वजह फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। उनके निधन की पुष्टि नीदरलैंड फुटबॉल संघ ने आधिकारिक बयान जारी कर की और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। केएनवीबी ने कहा, 'हम रॉब डीपरिंक के निधन की खबर से स्तब्ध और बेहद दुखी हैं। रॉब के रूप में हमने न केवल एक बेहद सम्मानित रेफरी, बल्कि एक दयालु और समर्पित सहयोगी को भी खो दिया है।'

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने भी डीपरिंक के निधन पर शोक व्यक्त किया। संगठन ने उनके परिवार, दोस्तों और डच फुटबॉल संघ के प्रति संवेदना प्रकट की।

फीफा ने अपने बयान में कहा, 'पूरे फुटबॉल समुदाय की ओर से हम उनके परिवार, मित्रों और डच फुटबॉल संघ के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।' रॉब डीपरिंक 2017 से नीदरलैंड की शीर्ष फुटबॉल लीग एरेडिविजी में रेफरी की भूमिका निभा रहे थे। वह यूरो 2024 में भी वीएआर अधिकारी के रूप में शामिल रहे थे। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें फीफा विश्व कप 2026 के लिए वीएआर अधिकारियों की सूची में चुना गया था, लेकिन बाद में उनका नाम हटा दिया गया। यह फैसला उस समय लिया गया जब लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने नाबालिग के यौन उत्पीड़न के आरोपों के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था।

सिंधु जापान ओपन के दूसरे दौर में पहुंचीं, वोंग को सीधे गेम में हराया

टोक्यो, 14 जुलाई (एजेंसियां)। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की। उन्होंने पहले दौर में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण रखा। पहले गेम में 11-6 की बढ़त के बाद 21-14 से जीत दर्ज की।

दूसरे गेम में भी उन्होंने 11-3 की बढ़त बनाई और 21-11 से मुकाबला अपने नाम किया। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला-तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने स्कॉटलैंड के अलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं, रोहन कपूर-रुथविका शिवानी गाड्डे की जोड़ी चीन की टॉप सीड फेंग यान झे-हुआंग डोंग पिंग से 11-21, 10-21 से हारकर बाहर हो गई। मंगलवार को ही मेंस डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी और हरिहरन अम्सकरुणन-एमआर अर्जुन की जोड़ियां भी अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

शाहीन एलपीएल में केंडी रॉयल्स से डेब्यू करेंगे

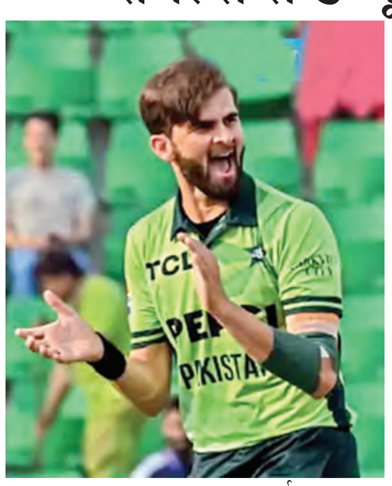

इस्लामाबाद, 14 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी पहली बार लंका प्रीमियर लीग खेलेंगे। पीसीबी ने उन्हें केंडी रॉयल्स के लिए एनओसी दे दिया है।

हाल ही में वह वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में नहीं चुने गए थे।

खराब टेस्ट फॉर्म के बाद शाहीन का फोकस अब वनडे और टी-20 पर है। उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा 136 विकेट लिए हैं।

एलपीएल 17 जुलाई से शुरू होगी। केंडी रॉयल्स अपना पहला मुकाबला 18 जुलाई को दांबुला सिक्सर्स के खिलाफ खेलेगी।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया

जेडेन लेनोक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए, 3 मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर

गयाना, 14 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया है। गयाना में खेले गए इस मैच में जेडेन लेनोक्स के फाइव विकेट हॉल की बदौलत न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को महज 138 रनों पर समेट दिया। वेस्टइंडीज की टीम ने अपने आखिरी 10 विकेट सिर्फ 75 रन के अंदर गंवा दिए। 139 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 5 विकेट खोकर आसानी से जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है।

न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनर जेडेन लेनोक्स इस मैच के सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने सिर्फ 19 रन देकर 5 विकेट चटकाए। यह उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले खेले गए 6 वनडे मैचों में लेनोक्स कभी भी 2 से ज्यादा विकेट नहीं ले पाए थे। उनके पहले चार विकेट क्लीन बोल्ड के रूप में आए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही लेनोक्स न्यूजीलैंड के पुरुषों के वनडे इतिहास में तीसरे सबसे बेस्ट आंकड़े दर्ज करने वाले स्पिनर बन गए हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर ईश सोढ़ी (6/39) और दूसरे नंबर पर डेनियल विटोरी (5/7) का नाम शामिल है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद शानदार रही थी। ओपनर जॉन कैंपबेल और अकीम ऑगस्टे ने पहले विकेट के लिए 63 रनों की मजबूत पार्टनरशिप की। पावरप्ले के आखिर में दोनों ने तेजी से रन बनाए, लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख बदल दिया।

जेडेन लेनोक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए

माइकल ब्रेसवेल ने पहली सफलता दिलाई, जिसके बाद वेस्टइंडीज ने लगातार विकेट गंवाए। टीम 138 रन पर ऑलआउट हो गई। जॉन कैंपबेल ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। अमीर जांगू ने 20 रन की पारी खेली, जबकि बाकी कोई बल्लेबाज 20 रन तक नहीं पहुंच सका। कप्तान मिचेल सेंटनर ने भी दो अहम विकेट लिए। उन्होंने जॉन कैंपबेल और पिछले मैच के हीरो कीसी कार्टी को क्लीन बोल्ड किया। न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने इस मुकाबले में कुल 9 विकेट लिए। यह वनडे इतिहास में एक पारी में न्यूजीलैंड के स्पिनरों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शुरुआती स्पेल के बाद जैकब डफी और मैथ्यू फिशर की जगह पूरी पारी में स्पिनरों ने गेंदबाजी संभाली।

पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट्स में खेल सकेगी अफगान महिला रिफ्यूजी टीम

अफगान महिला क्रिकेट टीम

खेल डेस्क, 14 जुलाई (एजेंसियां)। आईसीसी ने पहली बार अफगान महिला रिफ्यूजी क्रिकेट टीम के लिए आईसीसी टूर्नामेंट्स में पहुंचने का रास्ता तय किया है। इसके तहत टीम 2030 तक आईसीसी इवेंट्स में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हो सकती है।

हालांकि, एसीबी (अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड)की मान्यता नहीं होने के कारण टीम अफगानिस्तान के नाम से नहीं खेलेगी। आईसीसी की स्पेशल टास्कफोर्स में बीसीसीआई, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ईसीबी शामिल हैं। यह खिलाड़ियों के लिए ट्रेनिंग और मैचों की योजना तैयार करेगी। 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद महिला क्रिकेट पर रोक लग गई थी। इसके बाद अधिकांश खिलाड़ी देश छोड़कर ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन चली गईं। जनवरी 2025 में टीम ने मेलबर्न में पहला मैच खेला।

सीएम ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की

आरआरआर के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी का अनुरोध

नई दिल्ली, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के लंबित उत्तरी भाग के लिए केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी प्राप्त करने और कार्यों को शीघ्रता से शुरू करने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित नितिन गडकरी के आवास पर उनसे मुलाकात की।

इस मुलाकात के दौरान, रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री का ध्यान इस बात की ओर दिलाया कि आरआरआर उत्तरी क्षेत्र के लिए 95 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। नितिन गडकरी से क्षेत्रीय रिंग रोड के दक्षिणी भाग के लिए आवश्यक स्वीकृतियां प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को सूचित किया कि यदि निर्माण कार्य एक साथ शुरू किए जाएं तो क्षेत्रीय रिंग रोड के दक्षिणी और उत्तरी भाग का काम कम लागत में और तेजी से पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने नितिन गडकरी को हैदराबाद को आंध्र प्रदेश की राजधानी से जोड़ने वाले प्रस्तावित ग्रीनफील्ड राजमार्ग के महत्व के बारे में जानकारी दी। यह राजमार्ग परियोजना आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के तहत परिकल्पित की गई है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से इसे तत्काल मंजूरी देने और आदेश जारी करने की अपील की।

रेवंत रेड्डी ने अमरावती होते हुए 'भारत फ्यूचर सिटी' से बंदर बंदरगाह तक प्रस्तावित 12 लेन के राजमार्ग पर प्रकाश डाला, जिससे हैदराबाद और विजयवाड़ा के बीच की दूरी 100 किलोमीटर कम हो जाएगी। यह राजमार्ग हैदराबाद और बंदर बंदरगाह के बीच माल परिवहन के समय को कम करने में भी सहायक होगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को मन्नानूर-श्रीशैलम एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए लंबित वन स्वीकृतियों के बारे में जानकारी दी, जिसमें नल्लामाला अभयारण्य, श्रीशैलम मंदिर और श्रीशैलम जलाशय भी शामिल हैं। उन्होंने नितिन गडकरी से कॉरिडोर को मंजूरी देने का आग्रह किया। रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को मंचरियाल से हैदराबाद तक छह लेन के वैकल्पिक राजमार्ग को मंजूरी देने की तत्काल आवश्यकता समझाई, जो मौजूदा राजीव राजमार्ग का एक विकल्प होगा। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार इस परियोजना के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण करेगी और नया राजमार्ग कृषि और व्यापार के लिए नए अवसर पैदा करेगा। इस दौरान नलगोंडा सांसद रघुवीर रेड्डी, आर एंड बी के विशेष मुख्य सचिव विकास राज, सरकारी सलाहकार के. रामकृष्ण राव, विशेष सचिव (समन्वय) अद्वैत कुमार सिंह और अन्य लोग बैठक में उपस्थित थे।

पेद्दापल्ली में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

रिश्वत लेते सहायक अभियंता गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पेद्दापल्ली कस्बे में भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नगरपालिका के सहायक अभियंता सतीश को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी अधिकारियों के अनुसार अभियंता ने नगर निगम के एक विकास कार्य का बिल पास करने के बदले ठेकेदार से तीन लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत की मांग से परेशान ठेकेदार ने इसकी शिकायत एसीबी से की। शिकायत के आधार पर अधिकारियों ने जाल बिछाया और जैसे ही अभियंता ने दो लाख रुपये की रिश्वत ली, उसे मौके पर ही पकड़ लिया।

एसीबी ने बताया कि इसी अभियंता के खिलाफ इससे पहले भी रिश्वत लेने का मामला सामने आ चुका है। 9 जुलाई को पंचायत राज विभाग में सहायक अभियंता के पद पर तैनात रहते हुए पैडी सतीश को करीमनगर जिले के गंगाधरा मंडल केंद्र में 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था। उस समय उसने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत कराए गए कार्यों का आधिकारिक रिकॉर्ड तैयार करने के बदले रिश्वत की मांग की थी। एसीबी ने दोनों मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो बेटों की हत्या कर महिला ने दी जान

पारिवारिक विवाद बना दर्दनाक घटना का कारण

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। विनुकोंडा मंडल के विट्टमराजुपल्ली गांव में एक महिला ने अपने दो मासूम बेटों को कथित रूप से जहर देकर मार डाला और इसके बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता मंगलवार सुबह चला, जिसके बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय नक्का भारती ने पहले अपने छह वर्षीय बेटे तेजेश रेड्डी और चार वर्षीय हेमनाथ नागी रेड्डी को जहर मिला भोजन खिलाया। दोनों बच्चों की मौत होने के बाद उसने घर के भीतर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह को घटना की मुख्य वजह माना जा रहा है। भारती के पति सुनील रेड्डी दूध की वैन चलाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पति की कथित बुरी आदतों और परिवार की अनदेखी को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि हाल के महीनों में तेलुगु राज्यों में पारिवारिक विवादों से जुड़ी ऐसी कई दुखद घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि, इस मामले में आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह का पता विस्तृत जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सीएस ने ब्रिक्स भ्रष्टाचार-विरोधी बैठक के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा की

बैठक में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के लगभग 40 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल होंगे

हैदराबाद,14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने मंगलवार को ब्रिक्स भ्रष्टाचार विरोधी कार्य समूह की दूसरी बैठक के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की, जो 4 और 5 अगस्त को हैदराबाद में आयोजित होने वाली है। सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विभिन्न विभागों के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और भारत सरकार के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ब्रिक्स भ्रष्टाचार-विरोधी कार्य समूह की दूसरी बैठक में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के लगभग 40 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अलावा, भारत सरकार के लगभग 40 वरिष्ठ अधिकारी भी विचार-विमर्श में भाग लेंगे। बैठक के दौरान, भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के संयुक्त सचिव, सुशील कुमार पटेल ने इस कार्यक्रम पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी और राज्य सरकार से अपेक्षित सहयोग की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बैठक के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, स्वास्थ्य और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, परिवहन, प्रोटोकॉल, आवास, स्थल प्रबंधन और अन्य रसद संबंधी आवश्यकताओं जैसे क्षेत्रों में सहायता का अनुरोध किया। तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव संजय जाजू ने सभी संबंधित विभागों को निकट समन्वय में काम करने और काफी पहले से व्यापक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को पुख्ता सुरक्षा, कुशल परिवहन और यातायात प्रबंधन, स्वच्छता और सफाई के उच्च मानकों, पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं, निर्बाध नागरिक सेवाओं और इसमें शामिल सभी एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि हैदराबाद ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और शिखर सम्मेलनों की सफल मेजबानी के लिए वैश्विक ख्याति अर्जित की है और कहा कि ब्रिक्स बैठक के दौरान इस प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को केंद्र सरकार के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित करने और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया। राज्य सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए संजय जाजू ने कहा कि तेलंगाना सरकार इस आयोजन के संचालन में भारत सरकार को पूरा सहयोग देगी और प्रतिनिधियों की सुविधा, सुरक्षा और सहूलियत के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगी। बैठक में वाईएटी एंड सी के विशेष मुख्य सचिव वानी प्रसाद, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास के विशेष मुख्य सचिव दाना किशोर, जीएडी (चुनाव) के प्रधान सचिव अहमद नदीम, स्वास्थ्य प्रधान सचिव क्रिस्टीना जेड चोंगथू, योजना सचिव गौरव उप्पल, कृषि सचिव सुरेंद्र मोहन, उद्योग विशेष सचिव कृष्णा आदित्य, एडीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) महेश भागवत, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सज्जनार, प्रोटोकॉल निदेशक शिव लिंगैया, सूचना एवं जनसंपर्क विशेष आयुक्त मुकुंद रेड्डी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एसआईआर के चलते प्रमाण पत्रों में देरी

तहसील कार्यालयों में बढ़ा लंबित आवेदनों का बोझ

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) अभियान के चलते हैदराबाद और आसपास के जिलों के तहसीलदार कार्यालयों में जाति, आय और निवास प्रमाण पत्र जारी करने का काम प्रभावित हो रहा है। कर्मचारियों के एसआईआर कार्य में व्यस्त रहने से प्रमाण पत्र मिलने में पहले की तुलना में अधिक समय लग रहा है, जिससे छात्रों और अन्य आवेदकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आवेदकों का कहना है कि पहले जहां प्रमाण पत्र एक सप्ताह के भीतर मिल जाते थे, वहीं अब इन्हें जारी होने में दो सप्ताह से अधिक समय लग रहा है। फतेह दरवाजा निवासी अफिया फातिमा ने बताया कि आय प्रमाण पत्र के लिए उन्हें बहादुरपुरा तहसीलदार कार्यालय के कई चक्कर लगाने पड़े और 18 दिन बाद प्रमाण पत्र मिला। उन्होंने बताया कि कार्यालय में करीब दो हजार आय प्रमाण पत्र के आवेदन लंबित बताए गए।

बंडलागुडा, चारमीनार और शहर के अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ आसपास के जिलों के तहसीलदार कार्यालयों में भी ऐसी ही स्थिति बताई जा रही है। फलकनुमा निवासी मोहम्मद इश्तियाक ने आरोप लगाया कि कुछ बिचौलिए पैसे लेकर जल्दी प्रमाण पत्र बनवाने का लालच दे रहे हैं, जबकि सामान्य आवेदकों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। चंद्रयानगुट्टा की छात्रा एस. काव्या ने बताया कि आय और निवास प्रमाण पत्र समय पर नहीं मिलने से उनकी कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि हर बार कार्यालय जाने पर कर्मचारियों द्वारा एसआईआर कार्य का हवाला देकर बाद में आने को कहा जाता है।

सिकंदराबाद में 16 को निकलेगी 130 वर्ष पुरानी श्री जगन्नाथ रथ यात्रा

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद में इस वर्ष की प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ रथ यात्रा गुरुवार 16 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी। श्री जगन्नाथ स्वामी रामगोपाल ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह वार्षिक रथ यात्रा भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की आराधना के साथ निकाली जाती है।

ट्रस्ट पिछले 130 वर्षों से सिकंदराबाद के जनरल बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर से नियमित रूप से इस रथ यात्रा का आयोजन करता आ रहा है। यह यात्रा ओडिशा के जगन्नाथ पुरी में आयोजित होने वाली प्रसिद्ध रथ यात्रा के अवसर पर ही आयोजित की जाती है। ट्रस्ट के अनुसार, 16 जुलाई को मंदिर के द्वार सुबह 6 बजकर 45 मिनट पर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले जाएंगे और दोपहर 1 बजे बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद शाम 4 बजे मंदिर परिसर से रथ यात्रा का शुभारंभ होगा।

यात्रा जनरल बाजार से होते हुए शाम 6 बजकर 30 मिनट से रात 11 बजे तक एम.जी. रोड पहुंचेगी। इसके बाद रथ यात्रा हिल स्ट्रीट और रानीगंज होते हुए अगले दिन सुबह लगभग 4 बजे पुनः जगन्नाथ मंदिर पहुंचेगी। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से बड़ी संख्या में भाग लेने और शांतिपूर्ण तरीके से रथ यात्रा में शामिल होने की अपील की है।

मतदाता सूची संशोधन में सहायता के लिए हेल्प डेस्क स्थापित

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डीईओ और जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन के निर्देशों के अनुसार, मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में मतदाताओं की सुविधा के लिए मंगलवार को हैदराबाद उच्च न्यायालय में एक विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) सहायता डेस्क का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार श्रीधर राव, गोवर्धन रेड्डी और श्रीनिवास रेड्डी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान, जीएचएमसी की अतिरिक्त आयुक्त (चुनाव) चंद्रकला और उप आयुक्त (चारमीनार जोन) सरिता ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से जनगणना प्रपत्र जमा करने की प्रक्रिया समझाई।

उन्होंने मतदाता मानचित्रण पर अधिकारियों और मतदाताओं को मार्गदर्शन भी दिया और मतदाता सूची सत्यापन प्रक्रिया से संबंधित प्रश्नों का समाधान किया। हेल्प डेस्क ने 2002 में मतदाता मानचित्रण और मतदाता सत्यापन में सफलतापूर्वक सहायता की, जिससे मतदाता सूची का अद्यतन सुचारू और सटीक रूप से हो सका।

आंध्र में कोविड मामलों से बढ़ी चिंता

डॉक्टरों ने एहतियात बरतने को कहा

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में कोविड-19 संक्रमित दो लोगों की मौत और नए सक्रिय मामलों की पुष्टि के बाद पड़ोसी राज्यों, विशेषकर तेलंगाना में भी सतर्कता बढ़ाने की मांग उठने लगी है। हालांकि फिलहाल आंध्र प्रदेश में संक्रमण के मामले सीमित हैं, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि वायरस के तेजी से फैलने के पुराने अनुभव को देखते हुए लोगों को लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

आंध्र प्रदेश सरकार ने कोविड-19 मामलों को देखते हुए निगरानी बढ़ाने के निर्देश जारी किए हैं और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। वहीं, ओडिशा सरकार ने भी सीमावर्ती जिलों में विशेष निगरानी रखने तथा श्वसन संबंधी लक्षण वाले लोगों की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, जबकि वहां अभी तक कोई नया संक्रमित मरीज सामने नहीं आया है।

दूसरी ओर, तेलंगाना में स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक कोविड-19 को लेकर कोई नई सार्वजनिक एडवाइजरी जारी नहीं की है। राज्य में इस समय वायरल बुखार, इन्फ्लूएंजा और निमोनिया जैसे श्वसन संबंधी रोगों के मौसमी मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। हैदराबाद और वारंगल सहित कई शहरों के बस्ती दवाखानों में फिलहाल वायरल संक्रमण के मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अभी तक कोविड-19 को लेकर कोई नई सलाह जारी नहीं की गई है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय बड़े स्तर पर कोविड स्क्रीनिंग अभियान शुरू करना जल्दबाजी होगी, क्योंकि वायरस अब स्थानिक रूप से मौजूद है और मानसून तथा सर्दियों के दौरान ऐसे मामले सामने आते रह सकते हैं।

विशेषज्ञों ने लोगों को नियमित रूप से हाथ धोने, खांसते या छींकते समय मुंह और नाक ढकने, श्वसन संक्रमण से पीड़ित लोगों से दूरी बनाए रखने तथा वायरल बुखार या फ्लू जैसे लक्षण होने पर सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचने की सलाह दी है। उन्होंने यह भी कहा कि बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोग चिकित्सकीय सलाह के बाद वार्षिक फ्लू का टीका लगवा सकते हैं।

पुराने मतदाता रिकॉर्ड खोजने में परेशानी

वरिष्ठ नागरिकों के सामने बढ़ी नई चुनौती

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत जनगणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया में वरिष्ठ नागरिकों को पुराने मतदाता रिकॉर्ड खोजने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई बुजुर्गों का कहना है कि वर्षों से मतदान करने के बावजूद वर्ष 2002 की मतदाता सूची में अपना विवरण ढूंढ़ना आसान नहीं है, जिसके कारण प्रपत्र भरने में परेशानी हो रही है।

70 वर्षीय मतदाता किशन ने बताया कि उन्होंने एक रिश्तेदार की मदद से मेदक की वर्ष 2002 की मतदाता सूची में अपना नाम तो खोज लिया, लेकिन उनकी पत्नी का विवरण नहीं मिल सका। ऐसे में उन्हें जनगणना प्रपत्र के उस हिस्से को भरना पड़ा, जिसमें मतदाता पहचान पत्र के आधार पर जानकारी दर्ज की जाती है।

स्थिति उन बुजुर्गों के लिए और अधिक चुनौतीपूर्ण है, जिनके बच्चे दूसरे राज्यों या विदेश में रहते हैं। ऐसे कई परिवारों में माता-पिता अपने साथ-साथ बच्चों की ओर से भी जनगणना प्रपत्र भरकर जमा कर रहे हैं। 63 वर्षीय मतदाता सुभाषिनी ने बताया कि उनका बेटा बेंगलुरू में रहता है। पहले उन्होंने फॉर्म कूरियर से भेजने का विचार किया था, लेकिन बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) ने बताया कि परिवार का मुखिया सभी सदस्यों की ओर से प्रपत्र भर सकता है। इसके बाद बेटे की मदद से पुराने रिकॉर्ड प्राप्त कर उन्होंने फॉर्म पूरा किया।

वरिष्ठ नागरिकों का कहना है कि यदि पुराने मतदाता रिकॉर्ड आसानी से उपलब्ध कराए जाएं तो जनगणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया और अधिक सरल हो सकती है।

अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज निकहत ज़रीन ने डीजीपी से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियन तथा तेलंगाना पुलिस में डीएसपी निकहत ज़रीन ने सोमवार को हैदराबाद स्थित पुलिस महानिदेशक कार्यालय में तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक ने निकहत ज़रीन को उनकी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए भारतीय मुक्केबाजी में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि निकहत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से तेलंगाना और देश का नाम गौरवान्वित किया है। सी.वी. आनंद ने विश्वास व्यक्त किया कि निकहत भविष्य में भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर तेलंगाना, देश और तेलंगाना पुलिस का गौरव बढ़ाती रहेंगी। उन्होंने उनसे उसी दृढ़ संकल्प, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया, जिसने उन्हें विश्वस्तरीय मुक्केबाज बनाया है। अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए पुलिस महानिदेशक ने कहा कि खेलों में सफलता के लिए अनुशासन, समर्पण, शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने निकहत को अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने, निरंतर उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनने की सलाह दी। साथ ही आशा व्यक्त की कि वह एक पुलिस अधिकारी के दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में भी नई ऊंचाइयों को छुएंगी। निकहत ज़रीन ने तेलंगाना सरकार और तेलंगाना पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी खेल उपलब्धियों को सम्मान देते हुए उन्हें उप पुलिस अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया जाना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि इस विश्वास और सम्मान के लिए वह सदैव आभारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि वह इस नियुक्ति को बड़ी जिम्मेदारी के रूप में देखती हैं और भविष्य में भारत के लिए अधिक से अधिक पदक जीतने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों के माध्यम से तेलंगाना और तेलंगाना पुलिस का गौरव बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयास करती रहेंगी।

हाईटेक सिटी अमृत स्टेशन पर निबंध

चित्रकला व सेल्फी प्रतियोगिताएं आयोजित

17 जुलाई को उद्घाटन समारोह में विजेता होंगे पुरस्कृत

हैदराबाद, 14 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने 17 जुलाई को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन के उद्घाटन से पहले विद्यार्थियों और रेल यात्रियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है। इसके तहत निबंध लेखन (हिंदी एवं अंग्रेजी), चित्रांकन, चित्रकला तथा 'पुनर्विकसित हाईटेक सिटी स्टेशन के साथ सेल्फी' प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। विद्यालयी विद्यार्थियों के लिए आयोजित निबंध, चित्रांकन और चित्रकला प्रतियोगिताओं में कक्षा आठवीं से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं का विषय 'मेरे शहर का विकसित रेलवे स्टेशन कैसा होगा?' तथा 'विकसित भारत के निर्माण में मैं क्या योगदान दूंगा?' रखा गया। इन प्रतियोगिताओं में जुड़वां शहरों के छह प्रतिष्ठित विद्यालयों- लिटिल फ्लावर हाई स्कूल (गनफाउंड्री), ऑल सेंट्स हाई स्कूल (आबिड्स), सेंट ऐन्स हाई स्कूल (सिकंदराबाद), केंद्रीय विद्यालय (पिकेट, सिकंदराबाद), केनेडी विद्या भवन (मारेडपल्ली) तथा रेलवे मिक्स्ड हाई स्कूल (उत्तर लालागुड़ा)-के कुल 292 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रत्येक विद्यालय से निबंध लेखन तथा चित्रांकन-चित्रकला प्रतियोगिता में तीन-तीन विजेताओं का चयन किया जाएगा। इस प्रकार कुल 36 विद्यार्थियों (18 निबंध लेखन तथा 18 चित्रांकन-चित्रकला विजेता) को 17 जुलाई को पुनर्विकसित हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन के उद्घाटन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। दक्षिण मध्य रेलवे ने आम नागरिकों के लिए 15 जुलाई तक 'पुनर्विकसित हाईटेक सिटी अमृत स्टेशन के साथ सेल्फी' प्रतियोगिता भी शुरू की है। इसके लिए सामाजिक माध्यमों पर विशेष अभियान चलाया गया है। रेल यात्रियों से अपील की गई है कि वे पुनर्विकसित हाईटेक सिटी स्टेशन पर सेल्फी लेकर उसे अपने सामाजिक माध्यम खातों पर दक्षिण मध्य रेलवे के आधिकारिक हैंडल को टैग करते हुए साझा करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.